www.navpradesh.com

दैनिक नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, रविवार, 07 जून 2026 कृष्ण पक्ष-सप्तमी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 118 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आधी रात को खुला दफ्तर, सस्पेंड सीएमओ और बाबू ने गायब कीं घोटाले की फाइलें

लोकेश झाड़ी

बीजापुर/नवप्रदेश। भोपालपटनम नगर पंचायत में 62 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितताओं के मामले में निलंबित किए गए सीएमओ और लेखापाल (बाबू) की मुश्किलें और बढ़ती नजर आ रही हैं। सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोपों के बीच, अब दोनों पर जांच से बचने के लिए आधी रात को सरकारी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

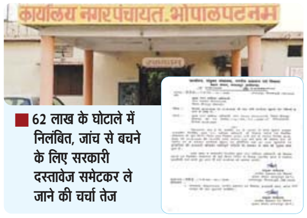

■ 62 लाख के घोटाले में निलंबित, जांच से बचने के लिए सरकारी दस्तावेज समेटकर ले जाने की चर्चा तेज

5 प्रमुख बिंदु

- **घोटाले की राशि:** लगभग 62 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता का प्रारंभिक खुलासा।
- **निलंबित अधिकारी:** मुख्य नगर पालिका अधिकारी विकास पाटले और लेखापाल सूर्यकिरण चिडेम।
- **ताजा आरोप:** निलंबन के बाद आधी रात को दफ्तर खुलवाकर महत्वपूर्ण फाइलें गायब करने का आरोप।
- **गड़बड़ी का तरीका:** बिना सामग्री खरीदी के भुगतान और नियमों को ताक पर रखकर राशि आहरित करना।
- **प्रशासनिक एक्शन:** फाइल गायब होने की जांच के लिए 4 सदस्यीय टीम गठित, 3 दिनों में मांगी गई रिपोर्ट।

बिना खरीदी के भुगतान, नियमों को दरकिनार कर निकाली गई राशि

जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि नगर पंचायत में भंडार क्रय नियमों को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। पार्षदों के माध्यम से संदिग्ध मांग पत्र तैयार किए गए थे। कई मामलों में तो सामग्री खरीदी के पर्याप्त प्रमाण तक नहीं मिले, इसके बावजूद भुगतान कर सरकारी राशि निकाल ली गई। इसके अलावा, अटल चौक निर्माण कार्य में भी वित्तीय नियमों के उल्लंघन और 15वें वित्त आयोग की राशि के मद परिवर्तन (गलत इस्तेमाल) का मामला सामने आया है।

युक्तियुक्तकरण की अनदेखी: जेडी और डीईओ को नोटिस, 3 दिन में कार्रवाई की चेतावनी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में शिक्षा विभाग के भीतर एक बड़ा प्रशासनिक गतिरोध सामने आया है। युक्तियुक्तकरण के तहत नवीन विद्यालयों में कार्यभार ग्रहण न करने वाले और लंबे समय से गायब शिक्षकों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई, इसकी जानकारी दबाकर बैठे संभागीय संयुक्त संचालकों और जिला शिक्षा अधिकारियों पर लोक शिक्षण संचालनालय ने सख्त रुख अपनाया है।

लोक शिक्षण संचालक ने सभी जेडी और डीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 3 दिनों के भीतर कार्रवाई प्रतिवेदन और एक सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण

■ लोक शिक्षण संचालक ने जताई कड़ी नाराजगी

■ तीन दिनों में प्रतिवेदन न मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी

दो टूक निर्देश और समय-सीमा

संचालनालय द्वारा जारी पत्र में अधिकारियों को दो टूक निर्देश दिए गए हैं। इसमें 3 दिनों के भीतर युक्तियुक्तकरण के तहत आवंटित स्कूलों में जॉइन न करने वाले शिक्षकों और व्याख्याताओं पर की गई कार्रवाई का पूरा प्रतिवेदन भेजें। वहीं 7 दिनों के भीतर निर्देशों की अवहेलना करने और समय पर जानकारी न भेजने को लेकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें।
कड़ी चेतावनी: यदि निर्धारित समयावधि के भीतर जवाब और प्रतिवेदन प्राप्त नहीं होता है, तो यह मान लिया जाएगा कि अधिकारियों के पास सफाई में कहने को कुछ नहीं है। इसके बाद उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए प्रकरण सीधे शासन को भेज दिया जाएगा।

शिक्षकों पर एक्शन रिपोर्ट ठंडे बस्ते में

- **समय-सीमा का उल्लंघन:** शासन द्वारा पदस्थापना और स्थानांतरण के बाद नए स्कूलों में जॉइनिंग के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की गई थी, जिसका कई शिक्षकों ने पालन नहीं किया।
- **अधिकारियों की शिथिलता:** नियमतः स्थानीय अधिकारियों को ऐसे शिक्षकों पर एक्शन लेकर रिपोर्ट संचालनालय भेजनी थी, लेकिन अधिकांश जिलों ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया।
- **सिविल सेवा नियमों का उल्लंघन:** संचालक ने पत्र में स्पष्ट किया है कि अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में 'ढुलमुल और विलंबकारी नीति' अपनाना छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियमों के सरासर विपरीत है।

आज बेबाक

जल बिन मछली और नृत्य बिन बिजली की तरह तड़पती ममता बानो अब संसद में जाने को मचल रही हैं। विधायकों की बगावत के बाद वे राज्यसभा में तो जा नहीं सकती। लोकसभा में जाने के लिए उन्होंने युसूफ पठान से सीट खाली करने को कहा तो उन्होंने ठेंगा दिखा दिया। अब वे नया बलि का बकरा ढूंढ रही हैं। यही वजह है कि टीएमसी के लोकसभा सांसद ममता बानो से कन्नी काट रहे हैं। उन्हें डर है कि कहीं वह उनसे जबरन इस्तीफा न लिखवा लें। वैसे यह मोहतरमा सांसद तो दूर की बात है पार्षद का चुनाव भी नहीं जीत पाएंगी।

वैश्विक संकट के बीच पीएम मोदी का आर्थिक महामंथन, विदेशी निवेशको को टैक्स से छूट

वैश्विक अनिश्चितता के दौर में भी नहीं थमेगी देश की रफ्तार

नई दिल्ली/वार्ता। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराते संकट और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में देश की आर्थिक स्थिति, विकास की दीर्घकालिक प्राथमिकताओं और वैश्विक संकटों के भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने सुधारों की रफ्तार तेज करने, कारोबार की सुगमता बढ़ाने और आम नागरिकों के जीवन को अधिक आसान बनाने पर जोर दिया।

पश्चिम एशिया संकट और घरेलू बाजार पर नजर: बैठक के दौरान परिषद के सदस्यों ने वैश्विक स्तर पर उपजी अनिश्चितताओं और विशेष रूप से पश्चिम एशिया के तनावपूर्ण हालातों का ■ शेष पृष्ठ 8 पर

■ पश्चिम एशिया संकट और घरेलू अर्थव्यवस्था पर उसके प्रभाव पर विशेष चर्चा

■ आर्थिक बदलाव और बुनियादी सुधारों की प्रक्रिया को और तेज करने निर्देश

सुधारों को गति: 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस'

बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने विचार साझा करते हुए बैठक के मुख्य एजेंडे की जानकारी दी। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। देश में आर्थिक बदलाव और लंबे समय के विकास की प्राथमिकताओं से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही, सुधारों की प्रक्रिया को और गति देने तथा 'ईज़ ऑफ लिविंग' (जीवन को सुगम बनाने) और 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' (कारोबार की सुगमता) को सुनिश्चित करने पर अपने विचार साझा किए।

बैठक के मुख्य बिंदु

- **दीर्घकालिक विकास नीतियां:** बैठक में देश के भीतर उत्पादन क्षमता बढ़ाने, नए निवेश को आकर्षित करने और सतत विकास के लिए दीर्घकालिक प्राथमिकताओं पर खाका तैयार किया गया।
- **प्रक्रियात्मक सुधार :** सरकारी नियमों और कंप्लायंस (अनुपालन) के बोझ को कम करके व्यापारिक माहौल को और अधिक अनुकूल बनाने पर विशेष बल दिया गया।
- **आम आदमी को राहत:** 'ईज ऑफलिविंग' के तहत आम नागरिकों के जीवन को और सुगम बनाने के लिए जमीनी स्तर पर योजनाओं की गति बढ़ाने की बात कही गई।

आरबीआई ने घटाया विकास दर का अनुमान

बैठक से एक दिन पहले रिजर्व बैंक ने अपनी आर्थिक समीक्षा में चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया। वहीं खुदरा महंगाई का अनुमान 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया गया है। आरबीआई ने इसके लिए वैश्विक भू-राजनीतिक संकट, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और मानसून संबंधी चिंताओं को प्रमुख कारण बताया है।

विदेशी निवेश को आकर्षित करने की तैयारी

बैठक ऐसे समय हुई है जब केंद्र सरकार ने सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के निवेश को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कर सुधार लागू किया है। अब ऐसे निवेशों से होने वाली ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर आयकर छूट मिलेगी। माना जा रहा है कि इससे विदेशी निवेश आकर्षित होगा और पूंजी प्रवाह में बढ़ोतरी होगी।

अय्यर बने भारत के नए टी-20 कप्तान, वैभव को मिला मौका

मुंबई/वार्ता। बीसीसीआई ने शनिवार को आगामी तीन बड़े टूर्नामेंट्स (आयरलैंड, इंग्लैंड दौरे और एशियाई खेल 2026) के लिए भारतीय टी-20 टीम का ऐलान कर दिया है।

बोर्ड ने भविष्य की योजनाओं को देखते हुए श्रेयस अय्यर को नया कप्तान और तिलक वर्मा को उपकप्तान नियुक्त किया है। बीसीसीआई ने यह बड़ा बदलाव लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक और आगामी टी-20 वर्ल्ड कप

को ध्यान में रखकर किया है। इस टीम सिलेक्शन में सबसे बड़ा चौंकाने वाला फैसला सूर्यकुमार यादव को खराब फॉर्म के कारण बाहर करना रहा। वहीं, आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के लिए 498 रन ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ट्रंप के साथ किसी भी परमाणु समझौते पर भरोसा नहीं: ईरान

तेहरान (वार्ता)। ईरान के सर्वोच्च नेता के एक वरिष्ठ सलाहकार एवं इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के पूर्व कमांडर-इन-चीफ मोहसिन रेजाई ने वर्ष 2015 के जेसीपीओए समझौते से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पीछे हटने का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका के साथ फिलहाल परमाणु पर कोई बातचीत नहीं होगी। श्री रेजई ने यह भी कहा कि ईरान-अमेरिका के बीच बातचीत बंद हो गयी है और इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए श्री ट्रंप को कदम उठाना चाहिए। ईरानी मीडिया के अनुसार, आईआरजीसी के पूर्व प्रमुख ने अमेरिका को दोबारा आक्रामकता दिखाने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा, ÷अगर उन्होंने फिर से सैन्य कार्रवाई का रास्ता चुना, तो वह एक अंधेरी और अंतहीन सुरंग में प्रवेश कर जायेंगे। उन्होंने कहा कि अगर युद्ध और नाकेबंदी जारी रही तो ईरान इस टकराव को फारस की खाड़ी से आगे ■ शेष पृष्ठ 8 पर

इतिहास रच प्रज्ञानंद बने 'नॉर्वे चेस' चैंपियन

ओस्लो (वार्ता)। भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद रमेशबाबू ने आखिरी राउंड में ऐतिहासिक जीत हासिल कर 'नॉर्वे शतरंज 2026' का खिताब अपने नाम कर लिया है। वे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। 10वें और अंतिम राउंड में प्रज्ञानंद ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को क्लासिकल प्रारूप में करारी शिकस्त दी। इस शानदार जीत से उन्हें पूरे 3 अंक मिले, जिससे उनके कुल 18 अंक हो गए और उन्होंने अंक तालिका में पहला स्थान पक्का कर लिया।

धमतरी में पोल्ट्री फार्म में तेंदुआ घुसा,10 मुर्गियों का किया शिकार

धमतरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक पोल्ट्री फार्म में तेंदुआ घुस गया। तेंदुए ने फार्म से करीब 10 मुर्गियों का शिकार किया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जिससे आस पास के गांव के लोगों में काफी दहशत का माहौल है। यह घटना धमतरी जिले के केरेगांव रेंज के अंतर्गत ग्राम मोहलाई में स्थित एक पोल्ट्री फार्म में बुधवार-गुरुवार की रात को हुई। तेंदुआ जाली तोड़कर फार्म के अंदर घुसा था। अंदर घुसते ही मुर्गियां फड़फड़ाने लगीं और इधर-उधर भागने लगीं।

मानसून ने पकड़ी रफ्तार, केरल में भारी बारिश का अनुमान, अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम (वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मानसून के और जोर पकड़ने के कारण, केरल में अगले दो दिनों में मानसून की बारिश तेज होने के आसार हैं। मौसम बुलेटिन के अनुसार, अगले सात दिनों के दौरान केरल में सात से 20 सेमी तक भारी से बहुत भारी बारिश होना का अनुमान है।

राज्य में पहले ही कुछ स्थानों पर 12 सेमी से 20 सेमी तक बहुत भारी बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो मानसून की बढ़ती तीव्रता को दर्शाती है। मौसम

वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले दो से तीन दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, गोवा और बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों सहित देश के अन्य हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। मानसून के जोर पकड़ने से केरल में लगातार बारिश होते रहने के आसार हैं। संबंधित अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं ।

कोरबा मेडिकल कॉलेज में बाइक चोर को तालिबानी सजा

कोरबा/नवप्रदेश। कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में सुरक्षा एजेंसी के कर्मचारियों ने बाइक चोरी के एक आरोपी को तालिबानी सजा दी। युवक को अर्धनग्न कर बिजली पोल से बांधकर बेरहमी से पीटा गया है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। घटना सिविल लाइन थाना इलाके की है। मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा की जिम्मेदारी कामथेन कंपनी के पास है। घटना शुक्रवार रात में हुई जब ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मी राजेंद्र पटेल की बाइक अस्पताल परिसर से चोरी हो गई।

सुशासन चौपाल: खाट पर बैठकर सुनीं समस्याएं, मौके पर ही किया समाधान

■ लापरवाह अधिकारियों को सख्त चेतावनी

■ दिया 'करोड़पति दीदी' बनने का मंत्र

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में सुशासन की एक अनोखी और आत्मीय तस्वीर मरवाही विकासखंड के ग्राम निमधा में देखने को मिली। 'सुशासन तिहार' के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बिल्कुल ग्रामीण रंग में रंगे नजर आए। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जल्द शुरू होगी 'सीएम हेल्पलाइन'

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्रामीणों को एक बड़ी सुविधा की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में जल्द ही 'सीएम हेल्पलाइन' की शुरुआत होने जा रही है। इसके जरिए नागरिक टोल फ्री नंबर, ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से अपनी शिकायतें सीधे दर्ज करा सकेंगे, जिनका एक निश्चित समय सीमा के भीतर त्वरित निराकरण किया जाएगा।

गरमा-गरम

महिला ने मांगा अपना हक तो बदले में मिला तीन तलाक, रायपुर के सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज

फोन पर 'तीन तलाक' देकर तोड़ा 16 साल पुराना रिश्ता, एफआईआर दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से रिश्तों को तार-तार करने वाला मामला सामने आया है। रोजगार के सिलसिले में विदेश (कुवैत) गए एक पति ने अपनी पत्नी को फोन पर ही तीन बार 'तलाक' कहकर 16 साल पुराना वैवाहिक रिश्ता खत्म कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर रायपुर की सिविल लाइन थाना पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मानसिक प्रताड़ना और मुस्लिम महिला (विवाह अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम (तीन तलाक कानून) के तहत मामला दर्ज कर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

एक नजर में मामला

- **शादी का साल:** 2008 (16 साल पुराना रिश्ता)
- **आरोपी पति:** शाहिद रजा (निवासी: चौरसिया कॉलोनी, रायपुर)
- **वर्तमान निवास (पति):** कुवैत (विदेश)
- **पीड़ित पत्नी:** राजातालाब, रायपुर की निवासी (दो बच्चों की मां)
- **थाना:** सिविल लाइन, रायपुर

बच्चों को भी छोड़ा बेसहारा

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि विदेश जाने के बाद से पति ने न केवल उससे दूरी बनाई, बल्कि अपने दोनों बच्चों की जिम्मेदारी से भी पल्ला झाड़ लिया। वह न तो परिवार को खर्च भेज रहा था और न ही उन्हें अपने पास बुला रहा था। जब हक मांगा तो बदले में तीन तलाक मिला।

पारिवारिक विवाद और दूरी बनी वजह

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रायपुर के राजातालाब इलाके की रहने वाली पीड़िता का विवाह साल 2008 में चौरसिया कॉलोनी निवासी शाहिद रजा के साथ हुआ था। शादी के बाद दोनों के दो बच्चे भी हुए और शुरुआती कुछ वर्षों तक सब कुछ सामान्य रहा। लेकिन कुछ साल पहले शाहिद रोजगार के लिए कुवैत चला गया, जिसके बाद से उसके व्यवहार में बदलाव आने लगा। उसने रायपुर में रह रहे अपने परिवार से दूरी बना ली और लंबे समय से घर भी नहीं लौटा।

फोन पर दी गालियां, फिर कहा 'तलाक'

महिला का आरोप है कि उसका पति न तो उसे और बच्चों को अपने साथ विदेश लेकर गया और न ही उनके भरण-पोषण की जिम्मेदारी ठीक से निभा रहा था। इस बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर फोन पर विवाद होता था। बीते दिनों कुवैत से शाहिद का फोन आया, जिसमें दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इस दौरान शाहिद ने महिला के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गाली-गलौज की और फोन पर ही तीन बार 'तलाक, तलाक, तलाक' कहकर रिश्ता समाप्त करने का एलान कर दिया।

कॉकरोच जनता पार्टी परेशान लोगों की आवाज है : अभिजीत दीपके

नई दिल्ली (वार्ता)। सोशल मीडिया की कोख से हाल में जन्मी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवर्तक अभिजीत दिपके ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी किसी पूर्व-नियोजित राजनीतिक रणनीति की उपज नहीं, बल्कि वह सरकार से नाराज लोगों की आवाज बनकर उभरी है और कुछ ही दिनों में लाखों लोग उससे जुड़ चुके हैं।

श्री दिपके और सीजेपी के आह्वान पर शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थल पर हजारों की तादाद में युवाओं ने एकत्रित होकर कुछ अखिल भारतीय परीक्षाओं में पश्नपत्र लीक होने के मुद्दे पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। श्री दिपके ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जनता को हिंदू-मुस्लिम मुद्दों में उलझाकर रखा है, जबकि असली सवाल रोजगार, आजीविका और आम लोगों की समस्याओं का है।

भीषण गर्मी के बीच धमतरी के सार्थक स्कूल में गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बांटे गए सकोरे और कुल्हड़

धमतरी/नवप्रदेश। मानसिक दिव्यांग प्रशिक्षण एवं सेवा केंद्र 'सार्थक स्कूल' में विश्व पर्यावरण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के विशेष बच्चों, पालकों, प्रशिक्षकों एवं संस्था के सदस्यों ने भीषण गर्मी और तेज धूप की परवाह न करते हुए पर्यावरण संरक्षण का मजबूत संदेश दिया। कार्यक्रम में सभी उपस्थितजनों ने एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

संस्था की सचिव श्रीमती स्नेहा राठौड़ ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहने और पर्यावरण को बचाने के कार्यों में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली का संदेश, बांटे सकोरे और कुल्हड़-कार्यक्रम में पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक अनूठी पहल की गई। सभी प्रतिभागियों को उपहार स्वरूप पारंपरिक मिट्टी के सकोरे और कुल्हड़ गिलास प्रदान किए गए, ताकि प्लास्टिक के प्रयोग को कम कर मिट्टी के बर्तनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा सके। कार्यक्रम के समापन पर सभी को पोदीना और मसालों से युक्त शीतल व स्वास्थ्यवर्धक मठा परोसा गया।

मानसून में चलेगा व्यापक पौधारोपण अभियानः डॉ. सरिता दोशी-संस्था की अध्यक्ष डॉ. सरिता दोशी ने बताया कि इस वर्ष पड़ रही भीषण गर्मी और अत्यधिक तापमान को देखते हुए वर्तमान में पौधारोपण नहीं किया जा रहा है। मानसून के आगमन के साथ ही संस्था द्वारा बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। पौधों को जीवित रखने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्री-गार्ड भी लगाए जाएंगे।

इन्होंने निभाई सक्रिय भूमिका

-इस प्रेरणादायी आयोजन में स्पेशल टीचर मैथिली गोड़े, देविका दीवान, कौशिल्या यादव, काजल रजक, आया बाई सुनैना गोड़े और पालक सविता शेख, शकुंतला सोनी, राजेंद्र निर्मलकर, विनीता निर्मलकर, तियांश दीवान उपस्थित थे। वहीं संस्था के विशेष बच्चे दीपाली सोनी, भारती साहू, रमन निर्मलकर, जुनैद शेख एवं आकाश आहूजा ने भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

10 जून से पांच दिवसीय आवासीय व्यक्तित्व निर्माण युवा शिविर का आयोजन

फिंगेश्वर/नवप्रदेश। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान मे गायत्री परिवार राजिम फिंगेश्वर के द्वारा गायत्री नव चेतना केंद्र फिंगेश्वर में पांच दिवसीय आवासीय व्यक्तित्व निर्माण युवा शिविर का आयोजन दिनांक 10 जून से 14 जून 2026 तक किया जा रहा है। नव चेतना केंद्र फिंगेश्वर युग पुरोहित परमानंद जी ने कहा कि श्रेष्ठ चरित्रवान चिंतनशील युवा ही किसी राष्ट्र के भविष्य है अपने अभिभावकों के स्वर्णिम सपनों को साकार करने वाली तथा परिवार व राष्ट्र की गौरव बढ़ाने वाली युवा पीढ़ी से भला कौन गौरान्वित नहीं होगा। संवेदना एवं साहस से भरी युवा शक्ति जिस क्षेत्र में भी आगे बढ़ जाएं वही चमत्कार पैदा कर देती है राजनीति के क्षेत्र में गांधी जी, बाल गंगाधर तिलक हो या अर्थ के क्षेत्र में डेल कानेगी, अध्यात्म के क्षेत्र में महर्षि अरविंद हो या देशभक्त अमर शहीद भगत सिंह स्वयं युग निर्माण योजना के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य सभी ने अपने जीवन काल में ही संबंधित क्षेत्र में पदार्पण किया एवं शिखर पर जा पहुंचे इसी उद्देश्य को लेकर उक्त शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 16 वर्ष से 35 वर्ष के युवक युतियों तथा कक्षा दसवीं, 11वीं, 12वीं, कॉलेज के पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है ज्ञात हो कि यह शिविर पूर्णता निःशुल्क होगी । शिविर मे युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिये महत्वपूर्ण सूत्रों को प्रोजेक्टर के माध्यम से बताया जायेगा! यह व्यक्तित्व निर्माण युवा शिविर युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए एक बेहतरीन और अत्यंत प्रभावशाली पहल है इस तरह के शिविरों का मुख्य उद्देश्य युवाओं के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारना उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए मानसिक व शारीरिक रूप से तैयार करना होता है। प्रांत के कुशल प्रशिक्षकों के द्वारा सफलता के सूत्र, कैरियर गाइडेंस, बुद्धि बढ़ाने के वैज्ञानिक उपाय, व्यक्तित्व निर्माण के सूत्र, संस्कारों का विज्ञान, कर्मफल के सिद्धांत, योग प्राणायाम एवं ध्यान, तनाव मुक्त जीवन के उपाय,आदि विषयो पर रोचक कक्षायें लिए जाएंगे!

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण

राजिम/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद राजिम द्वारा माँ शीतला मंदिर के समीप स्थित मुक्तिधाम परिसर में ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया।कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एस.के. विश्वकर्मा, इंजीनियर नितेश भवर, सभापति आकाश सिंह राजपूत, भारत यादव तथा पार्षद जुगु ठाकुर, बलराम यादव, सुरेश पटेल, अजय पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।इस अवसर पर सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने एवं उनकी देखभाल का संदेश दिया।

अमृत सरोवरों में वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान के साथ मना पर्यावरण दिवस

बेमेतरा/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्थित अमृत सरोवरों में पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता से संबंधित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माननीय कलेक्टर जिला बेमेतरा के निर्देशानुसार तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बेमेतरा के मार्गदर्शन में संपन्न हुए।इस अवसर पर ग्राम पंचायत अमलडीहा, कुँवा सहित अन्य ग्राम पंचायतों के अमृत सरोवर परिसरों में वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, सरोवर संवाद एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं, युवाओं तथा मनरेगा कर्मियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

हेम नारायण और ओंकार साहू के वर्षों पुराने भूमि अभिलेख में हुआ सुधार

तहसील नहीं, अब गांव में हो रही सुनवाई लिंक कोर्ट से बदल रही क्षेत्र की तस्वीर

■ राजस्व सेवाएं अब ग्रामीणों के करीब, लिंक कोर्ट से बच रहा समय और धन

धमतरी/नवप्रदेश। प्रशासनिक सेवाओं को आमजन के द्वार तक पहुंचाने की दिशा में धमतरी जिला प्रशासन की अभिनव पहल 'लिंक कोर्ट' दूरस्थ और डूबान प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीणों के लिए राहत का बड़ा माध्यम बनकर उभरी है। कभी छोटे-छोटे राजस्व मामलों के लिए कई किलोमीटर की यात्रा कर तहसील या जिला मुख्यालय पहुंचने को मजबूर ग्रामीण अब अपने ही गांव में त्वरित सुनवाई और समाधान पा रहे हैं।

राज्य शासन की मंशा के अनुरूप कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले के दुर्गम क्षेत्रों में लिंक कोर्ट की शुरुआत की गई। विकासखंड नगरी के बोरई और विकासखंड धमतरी के अकलाडोंगरी में संचालित ये लिंक कोर्ट ग्रामीणों को राजस्व सेवाएं उनके घर के समीप उपलब्ध करा रहे हैं। गुरुवार को अकलाडोंगरी लिंक कोर्ट के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्वयं ग्रामीणों से चर्चा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया देखी। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि दूरस्थ एवं डूबान प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों को राजस्व सेवाओं की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। लिंक कोर्ट के माध्यम से नामांतरण, सीमांकन, खाता विभाजन और अभिलेख सुधार जैसे मामलों का समयबद्ध निराकरण हो रहा है, जिससे लोगों को अनावश्यक भागदौड़ से मुक्ति मिली है।

लिंक कोर्ट की उपयोगिता उस समय और स्पष्ट हुई जब ग्राम तांसी निवासी हेमनारायण बजरंग से जुड़े एक जटिल नामांतरण प्रकरण का समाधान स्थानीय स्तर पर किया गया। भूमि अभिलेख में दर्ज अनेक हितबद्ध पक्षकारों के बयान और आवश्यक प्रक्रियाएं गांव में ही पूरी कर ली गईं। पहले ऐसे मामलों में बार-बार तहसील कार्यालय जाना पड़ता था, लेकिन अब पूरी कार्यवाही ग्रामीणों की सुविधा के अनुरूप संपन्न हो रही है। इसी प्रकार ग्राम अकलाडोंगरी के ओंकार साहू का वर्षों पुराना भूमि अभिलेख सुधार का मामला भी लिंक कोर्ट के माध्यम से सुलझा। वर्ष 2011 में खरीदी गई भूमि का नामांतरण विभिन्न कारणों से लंबित था। लिंक कोर्ट में सभी पक्षों की सुनवाई कर राजस्व अभिलेख में आवश्यक सुधार किया गया और कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्वयं सुधार पत्रक सौंपा।

आज की कार्यवाही में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि 12 हितबद्ध पक्षकारों वाले जटिल एवं विवादित नामांतरण प्रकरण का स्थानीय स्तर पर समाधान रहा। सभी पक्षकारों के बयान मौके पर दर्ज किए गए, जिससे वर्षों से लंबित प्रक्रिया को गति मिली और शीघ्र निराकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ। लिंक कोर्ट केवल राजस्व विवादों के समाधान का मंच नहीं, बल्कि सुशासन की उस अवधारणा का सशक्त उदाहरण है जिसमें प्रशासन स्वयं नागरिकों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करता है। इससे ग्रामीणों का समय, श्रम और आर्थिक व्यय बच रहा है, वहीं प्रशासन के प्रति उनका विश्वास भी मजबूत हो रहा है।

प्रत्येक गुरुवार को अकलाडोंगरी और प्रत्येक शुक्रवार को बोरई में नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे लिंक कोर्ट अब ग्रामीणों के लिए न्याय और प्रशासनिक सुविधा के नए केंद्र बन गए हैं। गांव में ही त्वरित सुनवाई और सरल प्रक्रिया से संतुष्ट ग्रामीणों ने जिला प्रशासन की इस जनोन्मुखी पहल की सराहना करते हुए कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त किया।

दूरस्थ अंचलों में प्रशासन की यह पहल स्पष्ट संदेश देती है कि जब शासन और प्रशासन जनसरोकारों को केंद्र में रखकर कार्य करते हैं, तब न्याय और सेवाएं केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि लोगों के घर-आंगन तक पहुंचती हैं। यही सुशासन की वास्तविक पहचान है।

अचानक बज उठा फोन, घबरा गए लोग!

जिले में 'अत्यंत गंभीर चेतावनी' यूजर्स को मिला इमरजेंसी अलर्ट

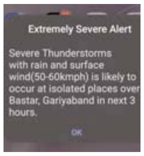

गरियाबंद/नवप्रदेश। शुक्रवार को उस वक्त कई लोगों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खिंच गईं, जब अचानक उनके मोबाइल फोन तेज आवाज के साथ बज उठे। गरियाबंद मुख्यालय समेत आसपास के इलाकों में जियो नेटवर्क का उपयोग कर रहे लोगों के मोबाइल स्क्रीन पर एक इमरजेंसी अलर्ट मैसेज दिखाई दिया। ÷अत्यंत गंभीर चेतावनी÷ लिखे इस संदेश को देखकर कई लोग पहले तो घबरा गए और समझ नहीं पाए कि आखिर उनके फोन में क्या हो रहा है।

अचानक आए इस अलर्ट ने कुछ देर के लिए लोगों में कौतूहल और चिंता दोनों बढ़ा दी। कई लोगों ने एक-दूसरे को फोन कर जानकारी ली, जबकि सोशल मीडिया पर भी इस अलर्ट की चर्चा शुरू हो गई। हालांकि जब लोगों ने पूरा संदेश पढ़ा तो स्थिति साफ हो गई।

अलर्ट में बताया गया था कि अगले तीन घंटों के भीतर बस्तर और गरियाबंद जिले के कुछ क्षेत्रों में तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश होने की संभावना है। साथ ही 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी जारी की गई थी।

मौसम विभाग की ओर से भेजे गए इस इमरजेंसी अलर्ट का उद्देश्य लोगों को समय रहते सतर्क करना था, ताकि खराब मौसम के दौरान किसी भी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके। प्रशासन ने भी लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान खुले मैदानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के आसपास खड़े होने से बचें तथा आवश्यक होने पर ही घरों से बाहर निकलें।

दरअसल, हाल के वर्षों में भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम के माध्यम से प्राकृतिक आपदाओं और खराब मौसम की स्थिति में सीधे मोबाइल उपभोक्ताओं तक चेतावनी संदेश पहुंचाए जाते हैं। यही वजह है कि शुक्रवार को गरियाबंद के हजारों मोबाइल उपभोक्ताओं को यह चेतावनी संदेश एक साथ प्राप्त हुआ।

अचानक बजी चेतावनी की आवाज ने भले ही लोगों को कुछ पल के लिए डरा दिया हो, लेकिन यह अलर्ट संभावित खतरे से पहले लोगों को सचेत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाने में पुलिस टीम को मिली बड़ी सफलता

बेमेतरा/नवप्रदेश। प्रार्थी अमरिका दास कोठारी उम्र 55 वर्ष, निवासी करमतरा थाना साजा जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि इनका बडा लडका हरीचंद कोठारी रायपुर मे काम करता था जो कि आज दिनांक 05.06.2026 के रात करीबन 02.00 बजे बडी बहु कैलाशी बाई कोठारी इसे फोन कर बताई कि आपका लडका हरीचंद कोठारी छत में है कैसे कैसे कर रहा है आ जा बोलने पर अपने बडा लडका हरीचंद कोठारी के घर छत में जाकर देखा तो लडका हरीचंद कोठारी छत में लेटा हुआ था तब यह अपने लडका हरीचंद कोठारी के हाथ छुकर देखा तो नाडी नहीं चल रहा था अकड गया था और हरीचंद के गर्दन में चोट का निशान व सिर के पीछे भाग में किसी ठोस वस्तु से मारने से चोट आने का निशान व खून निकलकर बाल में लगकर सूख गया है लडका हरीचंद कोठारी को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा ठोस वस्तु से सिर के पीछे भाग मे मारने व गर्दन के पास चोट पहुंचाकर उसकी हत्या किया है कि रिपोर्ट पर थाना साजा में अपराध सदर धारा 103(1) ब्नहस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण में विवेचना अज्ञात आरोपी की पता साजी दौरान संदेही मृतक की पत्नी कैलाशी बाई को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपना अपराध करना स्वीकार किया। पुछताछ करने पर पता चला कि इसका पति हरीचंद कोठारी के साथ आपसी निजी बातो को लेकर अक्सर आये दिन झगड़ा लडाई मारपीट करता था, जिससे तंग आकर गुरूवार रात्रि में हरीचंद कोठारी के सो जाने के बाद उसके गला को दबाकर और लोहा के मुसर से उसके सिर के पीछे व सामने गर्दन के पास दो से तीन बार मारकर हत्या करना। आरोपिया के निशादेही पर घटना में प्रयुक्त लोहा के मुसर व अन्य समाग्री जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया।

सुशासन सिर्फ पेपरबाजी तक सीमित, मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही लोगों को : साव

■ ग्राम पंचायतों से दस-दस हजार मांग कर सरकार करवा रही सुशासन तिहार शिविर

भाटापारा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में चल रहा सुशासन तिहार सिर्फ ढकोसला बन कर रह गया है और सरकार सिर्फ पेपर बाजी करवा कर अपनी पीठ थपथपा रही है, आम जनता, ग्रामीण किसान सब बेबस हो चले है उन्हें ना तो पानी मिल रहा,ना खाद मिल रही और ना ही नियमित रूप से बिजली मिल रही है,,उक्त आरोप विधायक इन्द्र साव ने प्रेस को जारी बयान में लगाया है।

विधायक इंद्र साव ने कहा कि सुशासन तिहार भाजपा सरकार के गले की फांस बन चुका है छत्तीसगढ़ के हर जिले के सुशासन तिहार में जनता का आक्रोश गुस्सा और सरकार की नाकामी सामने आ रही है जिसका उदाहरण उनके विधान सभा क्षेत्र में भी देखने को मिला है,जब सिमगा नगर में शंकर नगर के हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित शिविर में आए 610 आवेदनों में से कोई भी आवेदन का निराकरण सरकार के अधिकारी नहीं कर पाए,जबकि इन आवेदन में 560 आवेदन मांग से संबंधित और 50 आवेदन शिकायत से संबंधित था। जिसमें से किसी का भी निराकरण ना हों पाना जनता की भावनाओं से खिलवाड़ है।वही विधायक श्री साव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे शिविर के लिए क्लस्टर अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायतों से सरपंच सचिव के माध्यम से शिविर के नाम पर 10 दस हजार रुपए मांगे जा रहे है,जबकि पंचायतों को मूलभूत और 15 वे 16 वे वित्त की राशि भी पूरी नहीं मिल पाई है ऐसे में शिविर के लिए दबावपूर्वक राशि मांगना सरकार की करनी और कथनी को उजागर करता है।

विधायक श्री साव ने पूरे प्रदेश में चल रहे सुशासन तिहार पर सवालिया निशान लगाते हुए बताया कि प्रदेश में सिर्फ अराजकता का माहौल है,शिविर में पत्रकारों को सवाल पूछने से ना केवल रोका जा रहा है बल्कि धमकाया जा रहा है। सुशासन तिहार में किसान खाद की कमी सहकारी बैंक की अवैध वसूली और धान खरीदी में भ्रष्टाचार को लेकर विरोध कर रहे है,लेकिन कही कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे है जांच की मांग कर रहे हैं लेकिन सुनवाई कही नहीं हो रही है।

करोड़ों रूपये की लागत से निर्मित पानी टंकी, बनी शोपीस , हैंडपंप से पानी भरने लोग मजबूर

बेमेतरा/नवप्रदेश। केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी जल जीवन मिशन योजना जिसका संकल्प 2024 तक हर घर तक जल पहुंचाना था। बेमेतरा ब्लाक में पूरी तरह से पटरी से उतरी चुकी है। जिले के ग्रामीण अंचलों में करोड़ों रूपये खर्च करने के बाद भी पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पाई है। बेमेतरा ब्लॉक में वर्तमान में तीन बड़ी सामूहिक पेयजल योजनाएं संचालित होने का दावा किया जा रहा है लेकिन धरातल पर सच्चाई इन सरकारी दावों से कोसों दूर है। स्थिति ये है कि एक बाल्टी पानी के लिए लोगों को मीलों चलना पड़ रहा है। नवप्रदेश द्वारा पांच गांवों की रियलिटी चेक की गई जिसमें यह बात सामने आई की कहीं टंकियां शो पीस बनी हुई है तो कहीं पाइपलाइन बिछाकर उसे कागजों पर ही उसे सफल मान लिया गया है। प्रशासनिक लापरवाही और ठेकेदारों के कारण यह मिशन जिले में केवल बजट खपाने का जरिया बनकर रह गया है।

मुलमुला रू 1.39 करोड़ की योजना पर तीन साल से लगा है ताला-भ्रष्टाचार और योजना के प्रति उदासीनता का सबसे बड़ा नमूना ग्राम मुलमुला में देखने को मिलता है। यहां अगस्त 2022 में 1.39 करोड़ रू की लागत से नल-जल योजना की शुरूआत की थी। 1.20 लाख लीटर क्षमता की पानी टंकी बनकर तैयार है और गांव के 500 घरों में नल कनेक्शन भी लगा दिए गए है। लेकिन विडंबना देखिए कि तीन साल बीत जाने के बाद भी इस टंकी में पानी भरने विभाग के लिए विभाग ने पॉवर पंप ही नहीं लगाया है। ग्रमीण उत्तम साहू और रूपेन्द्र साहू ,जनपद सदस्य ने बताया कि ठेकेदार ने पाइपलाइन बिछाने के बाद उसे सीमेंट के सड़कों के बीच दबा दिया है, जिससे अब लीकेज सुधारना भी असंभव है। बिना पंप के करोड़ों का ढांचा केवल धूल खा रहा है और ग्रामीण आज पी पुराने हैंडपंपों पर निर्भर है।

आईआईटी, मेडिकल और प्रशासनिक सेवाओं का लक्ष्य रखें विद्यार्थी

शिक्षा में किया गया निवेश कई गुना होकर लौटता है : कलेक्टर

■ धीवर समाज के प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर काउंसलिंग समारोह में 85 मेधावी विद्यार्थियों और राष्ट्रीय खिलाड़ियों का सम्मान

धमतरी/नवप्रदेश। शिक्षा और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को आयोजित धीवर समाज के कैरियर काउंसलिंग एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में जिले के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा एवं एसडीएम श्री पीयूष तिवारी ने विद्यार्थियों को सफलता के सूत्र बताते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण 85 छात्र-छात्राओं को पुस्तक, कॉपी, पेन एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर कराते प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों अंजली फूटान, रिया फूटान एवं संतोषी मत्स्यपाल को ÷धीवर समाज गौरव सम्मान÷ से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि शिक्षा किसी भी परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास की सबसे बड़ी आधारशिला है। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा पर किया गया व्यय वास्तव में भविष्य में किया गया निवेश है, जिसका लाभ कई गुना होकर पूरे समाज और देश को प्राप्त होता है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया। कलेक्टर ने कहा कि समाज में अनेक प्रतिभाएं हैं, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। ऐसे सफल व्यक्तियों को विद्यार्थियों के बीच लाकर प्रेरणादायी संवाद आयोजित किए जाने चाहिए। साथ ही विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग, मेडिकल, आईआईटी, एनआईटी एवं अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण कराकर उनके सपनों को नई दिशा दी जा सकती है। एसडीएम श्री पीयूष तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी बड़ी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए धैर्य, निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि एक-दो प्रयासों में सफलता न मिले तो निराश होने के बजाय अपने लक्ष्य के प्रति और अधिक समर्पण के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

कैरियर मार्गदर्शन सत्र में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को विषय चयन एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। गणित विषय के व्याख्याता एवं मास्टर ट्रेनर श्री आलोक मत्स्यपाल ने इंजीनियरिंग क्षेत्र में संभावनाओं तथा गणित विषय के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

न्यूज गैलरी

बॉम्बे मार्केट स्थित सेंट्रल बैंक के आंचलिक कार्यालय में लगी भीषण आग

रायपुर/नवप्रदेश। आज सुबह लगभग 9 बजे चौधरी देवीलाल उद्योग व्यापार भवन (बॉम्बे मार्केट, रायपुर) के प्रथम तल पर स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ़इंडिया की शाखा में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई। घटना की खबर मिलते ही छत्तीसगढ़

चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने बिना वक्त गंवाए तत्काल अग्निशमन विभाग तथा कार्यालय के समीप रहने वाले चेम्बर पदाधिकारियों को मामले से अवगत कराया। तत्पश्चात तुरंत हुई इस कार्यवाही की बदौलत स्थिति बिगड़ने से बच गई और आग पर काबू पा लिया गया। घटनास्थल का जायजा लेने तुरंत पहुंचे चेम्बर अध्यक्ष थौरानी जी ने कहा– बॉम्बे मार्केट शहर के सबसे प्रमुख और पुराने बाजारों में से एक है। ऋष्ठ द्वारा निर्मित इस भवन को 30-35 साल हो चुके हैं और यह अब जर्जर अवस्था में है। बिना सही देख-रेख के यहाँ और भी कोई बड़ी अप्रिय घटना घट सकती है। चेम्बर द्वारा इस संबंध में विभाग को पहले ही सूचित किया जा चुका है। उम्मीद है कि इस घटना से सबक लेकर रायपुर विकास प्राधिकरण जल्द ही इस बिल्डिंग के जीर्णोद्धार के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी, राधा किशन सुंदरानी, उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन, दिलीप इसरानी, अमरदास खट्टर, मनीष प्रजापति, मंत्री जतिन नचरानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बर्तन बेचने के नाम पर घूम रही महिला ने सास-बहू को बेहोश कर लूटे गहने

रायपुर/नवप्रदेश। माना कैंप थाना क्षेत्र के धरमपुरा में बर्तन बेचने के नाम पर घूम रही एक महिला ने सास-बहू को घर में घुसकर कोई दवा छिड़कर बेहोश किया और उनके सोने के जेवर लेकर फ़रार हो गई। दो जून को सुबह 11 बजे हुई इस घटना के करीब आधे घंटे के बाद दोनों महिलाओं की बेहोशी टूटी, तब उन्होंने हल्ला मचाया। पुलिस ने चार जून को ठगी की एफ़आईआर दर्ज की है। महिला की तलाश की जा रही है। कमला साहू पति भैया साहू 44 वर्ष ने रिपोर्ट लिखाई है। अज्ञात महिला ने कमला साहू और उसकी बहू को घर में आकर झांसा दिया कि वह पुराने गहनों की फोटो खींचकर भेजेगी तो उन्हें शासन से 4 लाख रुपए मिलेंगे। बहू गरिमा साहू ने अपने सोने का गुलबंद, दो चेन, चार झुमके, दो मंगलसूत्र, दो अंगूठी को फोटो खीचने के लिए महिला के आगे रख दिया और अपने बच्चे को संभालने लगी। इसी दौरान उक्त महिला ने दोनों पर कुछ छिड़क दिया, जिसके बाद दोनों बेहोश हो गई। गहनों की कीमत का खुलासा नहीं हुआ है लेकिन बताया जा रहा है कि 10 लाख से ज्यादा के जेवर लूटे गए हैं। पुलिस ने घटना के दो दिन बाद ठगी का केस दर्ज किया है। धरसींवा इलाके में भी हो चुकी वारदात यहां उल्लेखनीय है कि कुछ महीने पहले धरसींवा इलाके में भी इसी तरह की वारदात हुई थी। लोन दिलाने या फिर शासन से रकम दिलाने का झांसा देकर पहने हुए गहनों की तस्वीरें लेकर महिलाएं फ़रार हुई हैं। आरंग में जेवर साफ करने वाले युवक भी लूटपाट कर चुके हैं। इन वारदातों में पुलिस को सुराग नहीं मिला है।

विकास कार्यों में देरी पर भड़के अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य, तय समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अपर संचालक तथा रायपुर जिला नगरीय निकाय प्रभारी पुलक भट्टाचार्य ने शनिवार को रायपुर जिले के नगरीय निकायों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विकास कार्यों की धीमी प्रगति पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताते हुए सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा करने के कड़े निर्देश दिए। रायपुर में आयोजित समीक्षा बैठक में रायपुर नगर निगम, बिरगांव नगर निगम सहित जिले के अन्य नगरीय निकायों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। अपर संचालक ने केंद्र एवं राज्य प्रवर्तित योजनाओं, अधोसंरचना मद, 15वें वित्त आयोग, पीएम स्वनिधि योजना, अमृत मिशन 2.0 तथा प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सभी नगरीय निकायों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में वर्ष 2025-26 के राजस्व वसूली अभियान की समीक्षा करते हुए श्री भट्टाचार्य ने अधिकारियों को वसूली कार्य में तेजी लाने तथा नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा और सभी परियोजनाओं को तय समयसीमा में पूर्ण कराया जाए। इसके अलावा उन्होंने प्रस्तावित सीएम हेल्पलाइन के लिए की जा रही प्रारंभिक प्रशासनिक तैयारियों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। समीक्षा बैठक में बिरगांव नगर निगम आयुक्त, नगर निगम के अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू, विनोद पाण्डेय, कृष्णा खटीक, मुख्य अभियंता संजय बागड़े, उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, कार्यपालन अभियंताओं, मुख्य नगर पालिका अधिकारियों तथा उपअभियंताओं सहित जिले के विभिन्न नगरीय निकायों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में अपर संचालक ने सभी अधिकारियों को विकास कार्यों की नियमित समीक्षा, गुणवत्ता नियंत्रण और जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ के आयुष पांडे का जलवा : भारतीय 'ए' टीम में चयन

■ श्रीलंका दौरे पर खेलेंगे मल्टी-डे सीरीज

रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के क्रिकेट गलियारों से एक बेहद शानदार और गर्व करने वाली खबर सामने आई है। राज्य के प्रतिभावान रणजी खिलाड़ी और बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज आयुष पांडे का चयन भारतीय 'ए' टीम में हो गया है। आयुष आगामी 25 जून 2026 से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली चार दिवसीय (मल्टी-डे) मैचों की सीरीज में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे।

घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन का मिला इनाम

आयुष पांडे को भारतीय टीम की जर्सी मिलने के पीछे उनका घरेलू क्रिकेट में किया गया असाधारण प्रदर्शन है। रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन में उन्होंने छत्तीसगढ़ की ओर से खेलते हुए रनों का अंबार लगा दिया था।

रणजी ट्रॉफी आंकड़े: आयुष ने पिछले सीजन के 7 मैचों की 13 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 57.30 की शानदार औसत से कुल 573 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 2 अर्धशतक निकले, जिसमें 183 रनों की एक बेहतरीन व्यक्तिगत पारी भी शामिल थी।

दिलीप ट्रॉफी में भी दिखाया दम: इसी शानदार फॉर्म की बदौलत उनका चयन दिलीप ट्रॉफी के लिए भी किया गया था, जहां उन्होंने 2 मैचों की 3 पारियों में 53.92 की औसत से 102 रन अपने खाते में जोड़े थे।

इंडिया 'ए' का पूरा स्क्वाड: श्रीलंका दौरे के लिए घोषित की गई 15 सदस्यीय भारतीय 'ए' टीम की कमान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल के हाथों में होगी, जबकि देवदत्त पडिक्कल को टीम का उप-कप्तान बनाया गया है।

पूरी टीम इस प्रकार है। ध्रुव जुरेल (कप्तान / विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल (उप-कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन, आयुष पांडे, हर्ष दुबे, सारांश जैन, गुरनूर ब्रार, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, एन. जगदीशन (विकेटकीपर), अमन मोखाड़े, अकीब नबी, शेख रशीद, जीशान अंसारी

आयुष पांडे के इस चयन से छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन और स्थानीय खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। फैंस को उम्मीद है कि वे श्रीलंका की पिचों पर भी अपने बल्ले की धाक जमाएंगे और जल्द ही सीनियर भारतीय टीम का दरवाजा खटखटाएंगे।

स्वर्णिम दिन का साक्षी बना कवर्धा, हाईटेक बस स्टैण्ड का शुभारंभ

हाईटेक बस स्टैण्ड से कवर्धा में विकास का नया अध्याय शुरू : उपमुख्यमंत्री शर्मा

■ कवर्धा में परिवहन व्यवस्था को मिली नई गति, हाईटेक बस स्टैंड से बस का संचालन शुरू

रायपुर/नवप्रदेश। कवर्धा नगर वासियों को लंबे अर्से बाद मिली हाईटेक बस स्टैण्ड की सौगात। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर बस संचालन कार्य का शुभारंभ किया। हाईटेक बस स्टैण्ड प्रारंभ होने से 8 वर्षों का इंतजार खत्म हुआ और विकाद का नया अध्याय प्रारम्भ हो गया है। कवर्धा वासियों के साथ-साथ बस ऑपरेटरों ने बस संचालन का शुभारंभ होने से खुशी जताई। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कवर्धा वासियों के साथ-साथ उपस्थित बस ऑपरेटरों, संचालकों, टैक्सी, ऑटो चालकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा आज के दिन को कवर्धा के लिए स्वर्णिम दिन बताया।

स्वर्णिम दिन का साक्षी बना कवर्धा, हाईटेक बस स्टैण्ड का शुभारंभ: उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि कवर्धा शहर के विस्तार का आज नया अध्याय प्रारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने बनाया है हम ही संवारेंगे का कथन आज चरितार्थ हो रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह की सोच कर निर्णय से इसको बनाने का निर्णय लिया और तैयार किया गया और आज से इसका संचालन प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड में सुगम आने जाने के लिए घोटिया रोड का निर्माण किया गया है। कवर्धा शहर के विस्तार के लिए यहां की जनता ने सहयोग किया और सड़क तैयार किया गया। आज उसी का परिणाम है कि नया बस स्टैंड प्रारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि पुराने बस स्टैंड के खाली होने के बाद उस स्थान का भी बेहतर उपयोग किया जाएगा। महिलाओं की सुविधाओं अथवा अन्य जनोपयोगी कार्यों के लिए उसका उपयोग करने की दिशा में आगे योजना बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नए बस स्टैंड परिसर में पुलिस सहायता केंद्र स्थापित किया गया है, जहां 24 घंटे पुलिस जवान तैनात रहेंगे ताकि यात्रियों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके।

चमचमाती सड़क बनी, बस संचालन कार्य में होगी आसानी: नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश ने बताया कि 10 करोड़ से अधिक की लागत से निर्मित आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त हाईटेक बस स्टैंड से प्रतिदिन बस का संचालन होने से कबीरधाम जिले के लोगों का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार समाप्त हो गया। बस स्टैंड तक पहुंचने वाले घोठिया-जुनवानी मार्ग के सकरे होने के कारण इसका संचालन शुरू नहीं हो पा रहा था। उप मुख्यमंत्री के सहयोग से मार्ग का चौड़ीकरण एवं निर्माण के लिए राशि स्वीकृत हुई। अवैध कब्जों को हटाकर चमचमाती सड़क निर्मित होने से कवर्धावासियों को हाईटेक बस स्टैण्ड की सौगात मिल पाई है।

बस एवं ऑटो संचालकों के साथ समन्वय कर रूट तय: कवर्धा शहर के पुराने बस स्टैण्ड से संचालन होने वाली बसें अब हाईटेक बस स्टैण्ड से होगा। जिसके लिए यातायात विभाग, परिवहन विभाग व नगर पालिका परिषद कवर्धा सहित बस संचालक, ऑपरेटर, ऑटो संचालक के साथ समन्वय बनाकर रूट तय किया गया है।

पुराने बस स्टैंड में उतरेगें स्कूल, कॉलेज के छात्र: हाईटेक बस स्टैंड स्थानांतरण को लेकर बस संचालकों, ऑटो संचालकों तथा पुलिस विभाग के साथ समन्वय कर सभी आवश्यक बिंदुओं पर सहमति बनाई गई है। विशेष रूप से विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑटो संचालकों ने पहचान पत्र दिखाने वाले छात्र-छात्राओं को प्राथमिकता देने तथा न्यूनतम किराये पर सेवा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

नशे के कारोबार पर खमतराई पुलिस का बड़ा प्रहार, 2 तस्कर गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफचलाए जा रहे अभियान के तहत थाना खमतराई पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 किलो 40 ग्राम गांजा, दो वाहन और मोबाइल फोन सहित कुल 1.80 लाख रुपये की संपत्ति जप्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) मयंक गुर्जर के निर्देश पर क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 5 जून को थाना खमतराई पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति सफेद रंग की एक्टिवा क्रमांक ष्ट्र 04 एनएम 4477 में गांजा लेकर मेटल पार्क रोड, रावांभाठा क्षेत्र में बिक्री के लिए आने वाला है।

सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) आकाश मरकाम और सहायक पुलिस आयुक्त उरला पूर्णिमा लामा के मार्गदर्शन में थाना खमतराई की टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम महेन्द्र कुमार ध्रुव (44 वर्ष) निवासी बीरगांव, रायपुर बताया।

वाहन की तलाशी लेने पर एक्टिवा की डिक्की से सेलोटेप में लिपटा पैकेट बरामद हुआ। जांच और तौल करने पर उसमें 2.040 किलोग्राम गांजा मिला, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख रुपये आंकी गई है। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह सरायपाली क्षेत्र से गांजा लाकर रायपुर में सुधांशु उर्फ शुभम अवधिया (22 वर्ष) को देने वाला था। पुलिस ने महेन्द्र कुमार ध्रुव को मौके पर गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर शनिवार सुबह दूसरे आरोपी सुधांशु उर्फ शुभम अवधिया को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 500/2026 के तहत धारा 20(बी) एवं 29 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है।

गंदगी, सीएंडडी वेस्ट की शिकायत पर कार्रवाई

■ जोन-6 के अफसरो ने वसूला 44,200 रु जुर्माना

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर पालिक निगम के जोन-6 स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निवेश विभाग की संयुक्त टीम ने स्वच्छता और सीएंडडी (कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन) वेस्ट से संबंधित जनशिकायतों पर कार्रवाई करते हुए विभिन्न प्रतिष्ठानों और भवन स्वामियों से कुल 44,200 रुपये का जुर्माना वसूला।

नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश तथा जोन-6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जोन स्वास्थ्य अधिकारी आदिव्य हाजरी, स्वच्छता निरीक्षक महेंद्र कलिहारी, अजय शर्मा, अभिषेक

जायसवाल, नगर निवेश विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान मठपुरैना स्थित एक बेकरी में गंदगी पाए जाने पर संबंधित संचालक के खिलाफकार्रवाई की गई। जांच में जनशिकायत सही पाए जाने पर संचालक को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए जुर्माना लगाया गया। इसी प्रकार जोन-6 क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर सीएंडडी वेस्ट पाए जाने पर संबंधित भवन स्वामियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई।

नगर निगम अधिकारियों ने उन्हें निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट का नियमानुसार निपटान करने के निर्देश दिए। अभियान के दौरान कई दुकानों में डस्टबिन नहीं मिलने तथा सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैलाए जाने की शिकायतें भी सही पाई गईं। संबंधित दुकानदारों को तत्काल डस्टबिन रखने, स्वच्छता बनाए रखने और कचरा प्रबंधन के नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए।

रायपुर में आम आदमी पार्टी का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आज

■ राज्यसभा सांसद संजय सिंह होंगे शामिल

रायपुर/नवप्रदेश। आम आदमी पार्टी द्वारा संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं जनहित के मुद्दों पर प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 7 जून को राजधानी रायपुर स्थित शहीद स्मारक भवन में एक विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन का मुख्य विषय ÷बदलेगा छत्तीसगढ़, बनेगा खुशहाल छत्तीसगढ़÷ रखा गया है।

इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में राज्यसभा सांसद संजय सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी मुकेश अहलावत सहित 4 नये

प्रदेश सह प्रभारी राकेश जाटव, राजेश कुमार,सौरभ झा और समर कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार एवं आगामी रणनीति को लेकर मार्गदर्शन देंगे। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने बताया कि सम्मेलन में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल होंगे। कार्यक्रम के माध्यम से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, आम जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने तथा आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए कार्यकर्ताओं को तैयार करने पर विशेष चर्चा की जाएगी। पार्टी का मानना है कि छत्तीसगढ़ की जनता बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और भ्रष्टाचार मुक्त शासन की अपेक्षा रखती है। इसी सोच को लेकर आम आदमी पार्टी प्रदेश में जनसंपर्क अभियान को और तेज करने की दिशा में कार्य कर रही है।

विज्ञान पढ़कर बनते हैं वैज्ञानिक, मध्यस्थ दर्शन की शिक्षा से बनते हैं जागृत मानव

■ आठ दिवसीय जीवन विद्या अध्ययन बिंदु शिविर का शुभारंभ

रायपुर/नवप्रदेश। जीवन विद्या अध्ययन बिंदु शिविर में प्रबोधक सोमदेव त्यागी ने बताया कि पिछले दो सौ वर्षों में विज्ञान आधारित शिक्षा से जिस प्रकार समाज को वैज्ञानिक, डॉक्टर और इंजीनियर मिले हैं, उसी प्रकार चेतना विकास मूल्य शिक्षा मध्यस्थ दर्शन के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को अच्छा पति, अच्छा पिता, अच्छा भाई तथा अच्छा मानव बनाया जा सकता है। अभ्युदय संस्थान अछोटी एवं अभिभावक विद्यालय रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आठ दिवसीय जीवन विद्या अध्ययन बिंदु शिविर का शुभारंभ शनिवार को निरंजन धर्मशाला,

वी.आई.पी. रोड, रायपुर में हुआ। इसमें प्रबोधक श्री त्यागी ने बताया कि इस धरती पर मानव की उत्पत्ति लाखों वर्ष पूर्व हुई, किंतु स्वयं के स्वरूप और जीवन के उद्देश्य को समझने में उसे लंबा समय लगा। आध्यात्मिक परंपराओं ने दर्शन, योग और समाधि के माध्यम से मानव को दिशा प्रदान की, परंतु आज भी जीवन में निरंतर सुख, समाधान, समृद्धि, अभय और सहअस्तित्व की खोज जारी है।

श्री त्यागी ने कहा कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने भौतिक क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, सभी स्वर्ग के सुख की कल्पना को हर किसी के लिये सुलभ कर दिया है। लेकिन सारी सुख सुविधाओं के बीच पति-पत्नी के बीच झगड़े कम नहीं हो रहे। एक छत के नीचे रहने वाले बेटे, भाई, संबंधियों के साथ जीना नहीं हो रहा है। आज अपनों के साथ शिकायत मुक्त और अभाव मुक्त रहते हुए जीना सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है।

श्री त्यागी ने कहा कि मध्यस्थ दर्शन के रूप में चेतना विकास मूल्य शिक्षा का प्रस्ताव मिला है। इसमें धरती की सभी समस्याओं का समाधान मिलता है। भ्रमित होने के कारण मानव दुखी है, दरिद्र है। शिक्षा के मानवीयकरण से हर मानव सुखी समृद्ध रह सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मानव समझदार बन सकता है और समझदार मानव ही देव मानव तथा दिव्य मानव के पद को प्राप्त करने की क्षमता रखता है।

उन्होंने बताया कि भ्रमवश मानव इंद्रियजनित सुखों को ही जीवन का लक्ष्य मान बैठता है तथा रूप, बल, पद और धन के माध्यम से सम्मान प्राप्त करने का प्रयास करता है।

'आभार मित्रों का' में गूंजेगी सेवा की गौरवगाथा

■ तीन राज्यों के रोटेरियन रायपुर में होंगे आज एकत्र

■ पूर्व प्रांतपाल एवं राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा होंगे मुख्य अतिथि

रायपुर/नवप्रदेश। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3261 द्वारा रोटरी वर्ष 2025-26 के समापन अवसर पर एक भव्य एवं गरिमामय सम्मान समारोह आभार मित्रों का आयोजन रविवार, 7 जून 2026 को रायपुर स्थित होटल बेबीलोन कैपिटल में किया जा रहा है। इस समारोह में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा के विभिन्न रोटरी क्लबों से जुड़े 500 से अधिक रोटेरियन भाग लेंगे।

विवेक कृष्ण तन्खा समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व प्रांतपाल एवं राज्यसभा सांसद होंगे। उनकी गरिमामयी उपस्थिति आयोजन को विशेष प्रतिष्ठा प्रदान करेगी।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटे अमित पल्लवी जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित यह समारोह पूरे वर्षभर रोटरी के सात प्रमुख कार्यक्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट सेवा कार्यों, नवाचारों एवं समाजहित में उल्लेखनीय योगदान देने वाले क्लबों एवं रोटेरियन्स को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। डिस्ट्रिक्ट के अंतर्गत आने वाले 100 से अधिक रोटरी क्लबों के अध्यक्षों, सचिवों एवं सदस्यों ने वर्षभर शिक्षा, स्वास्थ्य, मातृ एवं शिशु कल्याण, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, रोग निवारण, सामुदायिक एवं आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवा कार्य किए हैं। इन कार्यों के मूल्यांकन के उपरांत विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए जाएंगे।

मानसून का रहस्य सुलझाने में नाकाम हो रहे हैं मौसम वैज्ञानिक

भारत में मॉनसून सिर्फ बारिश का मौसम नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की जिंदगी और अर्थव्यवस्था का आधार है. फिर भी यह आज भी एक बड़ी रहस्यमयी व्यवस्था बना हुआ है. वैज्ञानिक जानते हैं कि मॉनसून आएगा, लेकिन कहां, कितनी और किस समय बारिश होगी, यह अब भी मुश्किल से समझ में आता है। पिछले कुछ सालों में मॉनसून का मिजाज तेजी से बदल रहा है. कभी भारी बारिश और बाढ़ तो कभी सूखा. इस अनिश्चितता ने खेती, प्रशासन और आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है।

उत्तराखंड सरकार ने 2022 में एक अहम आदेश जारी किया था. मुख्य सचिव से लेकर जिलाधिकारियों तक पूरे मॉनसून सीजन में किसी को छुट्टी नहीं लेने दी जाएगी. यह आदेश साफ बताता है कि अब मॉनसून और आपदा एक-दूसरे के पर्याय बन गए हैं. भूस्खलन, बादल फटना और अचानक बाढ़ की घटनाएं बढ़ गई हैं।

पिछले कुछ वर्षों में कई राज्यों में हालात बिगड़े. उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में 2022 तक 20 जुलाई में सिर्फ 3.2 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि सामान्य 142.7 मिलीमीटर होती है. यानी 98 प्रतिशत कमी. धान की रोपाई बुरी तरह प्रभावित हुई. वहीं असम, गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान में बाढ़ ने तबाही मचाई. एक तरफ सूखा तो दूसरी तरफ बाढ़- यही मॉनसून की नई बेईमानी है।

भारत के दो मॉनसून सिस्टम

भारत में मुख्य रूप से दो मॉनसून आते हैं. सबसे महत्वपूर्ण है दक्षिण-पश्चिम मॉनसून जो जून में केरल से शुरू होकर पूरे देश में फैलता है. यह अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नम हवाएं लाता है. यह भारत की कुल बारिश का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा लाता है।

दूसरा है पूर्वोत्तर या शीतकालीन मॉनसून जो सितंबर-अक्टूबर में आता है. यह मुख्य रूप से तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल के कुछ हिस्सों में बारिश करता है. ढ्रस्छ के अनुसार मॉनसून 1 जून को केरल पहुंचता है. 17 सितंबर को राजस्थान से विदाई लेता है. लेकिन वास्तविकता में यह समय अक्सर बदल जाता है।

मॉनसून कैसे बनता है?

मॉनसून का मतलब है हवाओं का रिवर्सल यानी दिशा बदलना. मार्च में सूर्य उत्तर की ओर बढ़ता है. भारतीय उपमहाद्वीप गर्म होता है और कम दबाव क्षेत्र बनता है. दक्षिणी गोलार्द्ध से नम हवाएं आकर इंटर ट्रॉपिकल कन्वर्जेंस जोन (ITCZ) बनाती हैं. ये हवाएं मुड़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से भारत की ओर आती हैं।

तिब्बत का पठार गर्म होकर पंप की तरह काम करता है. यह महासागरों से नमी खींचता है। भारी बारिश कराता है. वैज्ञानिकों के अनुसार भारतीय मॉनसून की शुरुआत करीब 8 करोड़ साल पहले हुई थी, लेकिन आधुनिक रूप 2 करोड़ साल पहले तिब्बत पठार के ऊंचे उठने के बाद बना।

अफरा तफरी : प्रशासन चलाने का मूल मंत्र

डॉ. किशोर अग्रवाल

अंग्रेजों के जमाने में सत्ता पर वे लाल मुंह वाले बंदर ही काबिज़ थे और उनके सिपाही मुसलसल अपने जूतों से आम लोगों को कुचलते रहते और बेतों से पिछवाड़ा सुजा देते । वे जरा से कुसूर में जेल में बंद कर देते थे जहां फिर और कुटाई होती थी। यह अफरा-तफरी सब तरफ फैला कर वह शासन करने में सफल हुए ।सारे कानून उनके थे ,उनके ही पक्ष में थे । यहां का जमीन पर हगने वाला काला आदमी ना तो उनकी भाषा समझता था न ही बात करने की हिम्मत करता था। हर काम की चीज के लाइसेंस और परमिट लागू कर रखे थे। हमारे देश में बनिया खामखाह ही बदनाम है ,असल काईयांपन तो फिरंगियों में था जो हवा और पानी से भी पैसा कमाना जानते थे ।सारा पैसा बटोर कर लंदन ले जाने के अनेक उपाय थे । छीनकर ,लूटकर ,चुराकर और चूसकर । लाइसेंसों और परमीट से यह धन चूसा जाता था । शक्कर ,सीमेंट, मिट्टीतेल ,कपड़ा सब पर परमिट लेना पड़ता था । काम करने के लाइसेंस थे, यहां तक की कुर्सी पर बैठने और साइकिल चलाने के लिए भी अनुमति लेना पड़ती थी। बिना खर्च किए कमाने के धंधे फिरंगियों ने विकसित किए थे । उन्होंने 300 गांव पर 8 सिपाहियों का थाना खोलकर राज चला लिया। दो ढाई रुपया महीना पगार देकर और हाफ पेंट पहना कर अत्याचार करने के लिए यही के सिपाही तैयार कर लिए । यहां के ये कलूटे खाखी पहनकर अपनों को ही मार मार कर रोटी खाते थे । इनकी मारपीट, इनकी वर्दी और अत्याचारों से ही घृणा और आक्रोश आम लोगों के डीएनए में प्रिंट हो गया, वह घृणा अब भी स्थाई है। आजादी मिली लालमुंहे चले गए। अंग्रेजों के पहले जो राजे ,नवाब ,बादशाह ,राज करते थे उनको भी अंग्रेजों ने साध लिया था । उन मुट्ठी भर फिरंगियों ने यहां के इन मूर्खों को रायबहादुर, सर ,जमीदार, मालगुजार, दाऊ ,गोटिया ,कोटवार और पटेल बनाकर यही के भर्ती सिपाहियों से जुतियाकर बिना कोई विशेष खर्च किए मनमानी लूट मचाई और यहां के ये बेवकूफ मनसबदार बनकर अपनी ही जनता को लूटते रहे ,पीटते रहे। जैसे गले में बिल्ला बांधकर कुत्ता इतराता है वैसे ही इतराते भी रहे । बाज लोग अब भी अपने पुरखों के यह तमगे लगाए घूमते हैं और तब की दी हुई बुसी हुई जरी की पगड़ी पहन कर अपने आप को सर कहते हैं । जिस अंग्रेजी भाषा में हमारे शोषण का सारा षड्यंत्र हुआ और जलियावाले बाग जैसी फायरिंग के ऑर्डर दिए गए उसी अंग्रेजी भाषा को सीखने, बोलने और अपनी औलादों के मुंह से सुनने के मोह में यहां के ये कलूटे लोग अब भी अपनी आय का चौथाई भाग जाया कर रहे हैं । खैर आजादी इन्हीं लोगों को लेनी थी, इन्हीं को मिलनी थी। जनता राह में पड़ी कुत्तिया थी लात मारने के लिए। किसानों मजदूरों के भाग में तो शाश्वत गुलामी, भूख ,दरिद्रता कमतरी और अपमान लिखा है । वे राजों नवाबों फिरंगियों सभी के जमाने में हाड़पेल काम कर और इज्जत लुटवाकर रोटी खाते थे । अब भी कुछ बदलने वाला नहीं था , न ही बदला । आजादी मिल गई झंडे बदले, टोपियां बदली। प्रेमचंद दुर्दशा की कहानियां लिखते लिखते मर गए । अंगरखों की जगह खद्दर आ गई । ब्रिटिश ट्यूनिक की जगह कुर्ते आ गए । कुर्सियां वही रही ,दफ्तर वही रहे । लाइसेंस वही परमिट वही , बस लालमुहों की जगह यहां के कलूटे जिन्हें में प्यार से अपना गेंहुआ रंग कहते हैं ,बैठ गए। फिरंगियों ने मामूली खर्चे में देश को चूसने का जो सिस्टम स्थापित किया था वह नए आजाद शासकों को बड़ा पसंद आया। इसमें बिना एक पैसा लगाए ही सब कुछ चूस लेने की अपार संभावनाएं थी। नालायकों के सत्ता में घुसने की अद्भुत व्यवस्था थी। बस एक ही दिक्कत थी ,लंगूरों ने व्यापारी बनकर सब तरफ अपना राज कायम किया था ,इन नए अंग्रेजों को जनता में से चुन कर आना था और उन्हीं पर राज करना था ।इसलिए जनता को गुमराह कर उलझाए रखना बेहद जरूरी था । इस खेल में पुराने स्थापित प्रशासक माहिर थे ।उन्हें अपना घर भरने से मतलब , बड़ी कुर्सी पर चाहे टोपधारी हो या टोपी धारी ,यह अपना फन खूब जानते थे। बेवकूफ जनता को बेवकूफ बनाने में मेहनत नहीं करनी पड़ती। बेवकूफ बनाना भी नहीं पड़ता ,बस बेवकूफ छांटने पड़ते हैं और सरकार चलती रहती है । इन्हीं ने शुरू शुरू में छांट छांटकर, खद्दर पहनाकर ,टोपी धारी नेता जगह जगह बैठा दिए ।इन्हीं की आड़ में इन अफसरों को आगे लूट मचानी थी ।वैसे के वैसे कानून, वही नियम, वही कारिंदे ,वही सिस्टम और वही रायता। सब वही का वही लेकर हम आजाद हो गए ।झंडा बदल गया । विजयी विश्व तिरंगा प्यारा लहराया और आंखों में सपने लहराए, डंडा वही का वही रहा ।डंडा मतलब गवर्नमेंट का रूल्स रेगुलेशन ,वही धारा 144,वही कर्फ्यू ,वही लॉ एंड आर्डर ,नारे ,आंदोलन भूख हड़ताल ,धरना । वही परमिट ,वही लाइसेंस सरकार छा गई सब जगह । झंडे बदल गए ,पोशाकें बदल गई । वही काले कोट पहने वकील चटक चाल से कोर्टों में दिखने लगे । कलेक्ट्रेट की पोर्च में कारों से फिरंगी की जगह देसी साहब उतरने लगे । बाबू और बबुआइने वही पुराने वाले ,उनके रिकॉर्ड रूम पुराने ,फार्म पुराने ,भाषा वही अंग्रेजी। हिंदी वाले बाबू अभी तैयार होने वाले थे । उन्हें हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में घपले करना सिखाया जा रहा था। गिटीर पिटीर करती वही नर्सें,वही अस्पताल ,वही सरकारी दफ्तर ,वही अमीर को कुर्सी और गरीब को बाहर की कतार ,पिछवाड़े पर लात । सब वही रायता फैल गया । पहले हाकिम लूट मचाते रहे , बनाए हुए नेताओं को आगे करते रहे । फिर नेता समझदार हो गए उन्होंने स्वयं भी लूटना शुरू किया। लूट चौतरफा हो गई। आम आदमी को ना समझ में आने वाले अंग्रेजी में बारीक अक्षरों में छपे फार्म बांट दिए गए। जज भी अपना ड्राइविंग लाइसेंस एजेंट के माध्यम से बनवाता है ,आप बिजली कनेक्शन के 13 पन्ने का आवेदन फार्म पढ़ तक नहीं पाते और उस पर 26 जगह दस्तखत करते हैं ,मजाल है कि बिना रिश्वत के पटवारी दफ्तर से एक नकल ले ले या तहसीलदार से अपनी ही जमीन का हिसाब समझ जाएं । कौन है ऐसा रणबांकुरा जिसने बिना रिश्वत दिए रजिस्ट्री दफ्तर की सारी कार्यवाही खुद कर ली हो ? वहां भी बिना मुंशी और दलाल के गुजारा नहीं है । एक नोटेरियल कागज तैयार करने की विधि आपको ज्ञात नहीं । एक फूड लाइसेंस नहीं बनवा सकते ,अपना धंधा नहीं कर सकते ,जीएसटी नहीं भर सकते, आयकर नहीं पटा सकते, भले ही कॉमर्स में पोस्ट ग्रेजुएट क्यों ना हो । दफ्तर वाले आप से सीधे न मिलते हैं ना बात करते हैं । अपने बलबूते कमाने का उपक्रम करने वाला व्यक्ति अपराधी समझा जाता है और कमा चुका आदमी चोर समझा जाता है। इनसे दफ्तर यही सलूक करते हैं। सिस्टम में बैठे नुमाइंदों द्वारा अपनी हराम की कमाई की नजर उतारने के लिए कुछ कतरन, कूड़ा, चुरा जैसा गरीबों की झोली में डाल दिया जाता है जिसे बड़े-बड़े पोस्टर लगाकर गरीबों की उन्नति की योजना बता दिया जाता है । बाकी सारे उपक्रम उन्हें चूस कर माल खींचने के हैं । कुत्तिया के सारे थनों में तरह-तरह के सरकारी पिल्ले लटके हैं व कुत्तिया का ठाठ निकल आया है । अगर सरकारी कामकाज करना स्कूल में पढ़ा दो ,सारे फॉर्म समझा दो और व्यक्ति खुद अपने आवेदन लगाने लगे ,लाइसेंस परमिट से मुक्त हो जाएं तो सरकार की मशीनरी में यह जो लाखों पिल्ले लटक रहे हैं वह कहां जाएंगे कहां से खाएंगे ? हाल तक तो रेलवे का रिजर्वेशन फॉर्म भरना भी जटिल प्रक्रिया थी ।आम आदमी अस्पताल में भर्ती होने के लिए एक मददगार ले जाता है ,क्योंकि भर्ती एक जटिल प्रक्रिया है, उससे ज्यादा जटिल है वहां से डिस्चार्ज होना । उनका डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट का रिकॉर्ड कभी पढ़ा है आपने ? स्वयं विधाता इस लेख और विधि को ना समझ सके ऐसा । फिर मेडिकल क्लेम की दुश्वारियां भी सामने खड़ी रहती हैं । राशन कार्ड बनवाया है कभी, या मतदाता सूची में नाम जुड़वाने जैसा छोटा सा काम किया है? पैदा होने जैसा गुनाह करने पर जन्म प्रमाण पत्र की प्रक्रिया में उलझे कभी ? दुर्भाग्य से थाने में कोई ऐसा एफ आई आर कराई है? आदमी की तो ऐसे अवसरों का सामना पड़ते ही घिग्घी बंध जाती है ,हाथ पांव फूल जाते हैं ।जन सरोकार का एक भी कागज आप आज भी समझ नहीं सकते। समझ गए और खुद करने की ठान ली ,तो कर नहीं सकते। यही सरकार चलाने का कायदा है कि दफ्तरों में इतनी अफरा-तफरी मचा दो कि आम आदमी घुग्घू बन जाए । उसकी आंखें गोल हो जाए। वह चेहरे से, दिमाग से और जेब से उल्लू बन जाए । तभी सरकारी चकाचौंध में गुम इस चेहरे को चूसा जा सकता है और प्रशासन चलाया जा सकता है ।यही प्रशासन चलाने का मूल मंत्र है ।ऐसे ही सरकारें चलती आ रही हैं । घोड़ों को घास नसीब नहीं और गधे खीर खा रहे हैं।

छोटे घर की बेटियाँ

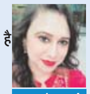

पूजा 'बहार'

छोटे घर की बेटियां जब बड़े घर में ब्याही जाती हैं
मिलते हैं बात -बात पर उन्हें ताने
सब्जी में इतना तेल क्यों?
तुम्हारे बाप के घर से कनस्तर आया है क्या?
घर की कोई महँगी चीज गुम हो गई तो
शक़ का पहला निशाना बन
जाती है छोटे घर की बेटियाँ
हर बात पर होता है अपमान
अपने बाप के घर में देखा है क्या?
पर क्यों हर जिल्लत चुपचाप सह जाती है छोटे घर की बेटियाँ
क्योंकि छोटे घर की बेटियों का दिल बहुत बड़ा होता है।

नइ आवय कोनो अवतार

लक लक लक लक घाम करत हे,धक धक धक धक जीव जनाय।
चूहय पसीन तर तर तर तर,चट चट चट चट देह जराय।।
जर बुखार मा पंखा कूलर, लुका छिपी बिजली के हाल।।
कहाँ जावन जियरा जुड़ावन, तलमिल तलमिल बाराहाल।।
सुक्खा परगे तरिया-नदिया, बूंद-बूंद बर जग लुलवाय।
पाँव परत हन सुरुज नरायण, अतेक काबर तँय गुसियाय।।
जब सुनिस मोर अईसन विनती, आँखी वोकर बड़ ललियाय।
खुद के करनी खुद भोगत हव, मोला काबर दोष लगाय।।
चलनी कस तुम छेद डरे हव, धरती भीतरी फूट हजार।
दिन-दिन उजरय जंगल झाड़ी, काय मनखे तुम जीवमार।।
स्वारथ बस नइ बाँचिस धरती, अब नइ बाँचत हवे अगास।
कर लव रे तुम जतन इँकर, जउन हा हावय तुँहर पास।।
जइसन मा ओजोन खिराथे, तइसन सब्बो काम बेकार।
जर बन जाथे रोग- राइ के, होवत हें कतको बीमार।।
चेत ल कब तुम करिहव संगी, नइ हो तुमन अतेक नदान।
कइसे जिही अवइया पीढ़ी, जानत हवव कि हव अनजान।।
अब तो कर लव धरती हरियर, पेड़ लगावव लाख हजार।
येकर-वोकर मुँह झन ताकव, नइ आवय कोनो अवतार।।

रोशन साहू

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन थोड़ा चुनौती भरा रह सकता है। किसी भी काम में दूसरों की सलाह पर आंख बंद करके भरोसा करना नुकसान दे सकता है। पैसों से जुड़ा कोई फैसला सोच-समझकर लें, वरना बाद में पछताना पड़ सकता है।

वृषः आज का दिन मस्ती और खुशियों से भरा रहेगा। दोस्तों के साथ बिताया गया समय आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगा। लेकिन कामों में लापरवाही नुकसान दे सकती है।

मिथुनः आज का दिन सामान्य लेकिन संतुलन वाला रहेगा। खर्च और कमाई दोनों को समझदारी से संभालना होगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर महसूस होगी।

कर्कः विद्यार्थियों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। मेहनत का पूरा फल मिलेगा और पढ़ाई में मन खूब लगेगा। पुराने कर्ज उतारने की दिशा में भी अच्छी प्रगति होगी।

सिंहः आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदें लेकर आएगा। काम के क्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और लोग आपकी तारीफ करेंगे। नौकरी से जुड़ा कोई अचानक सफर करना पड़ सकता है।

कन्याः आज आपके अंदर गजब की ऊर्जा देखने को मिलेगी। नए काम की शुरुआत करने के लिए दिन शानदार है। रुके हुए काम भी तेजी से पूरे होंगे।

तुलाः आज पैसों के मामले में दिन अच्छा रहेगा। इनकम बढ़ने से मन खुश रहेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद फिलहाल कम नजर आ रही है।

वृश्चिकः आज प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई बड़ा फैसला आपके पक्ष में जा सकता है। आत्मविश्वास के साथ काम करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। बातचीत में शब्दों का चयन सोच-समझकर करें।

धनुः आज सिंगल लोगों के लिए दिल खुश करने वाला दिन साबित हो सकता है। किसी खास इंसान से मुलाकात होने के योग हैं। खर्चों पर कंट्रोल रखना जरूरी होगा।

मकरः आज हर कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत है। विद्यार्थियों को मानसिक दबाव से राहत मिलेगी। किसी पुराने फैसले को लेकर मन में बेचैनी बनी रह सकती है।

कुंभः आज आपका मन पूजा-पाठ और धार्मिक कार्यों में खूब लगेगा। किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। ऑफिस में बॉस की बातों को हल्के में लेना नुकसान दे सकता है।

मीनः आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और लोग आपकी तारीफ करते नजर आएंगे। जीवनसाथी की ओर से कोई प्यारा सरप्राइज मिल सकता है। पैसों के लेन-देन से जुड़ा मामला तनाव बढ़ा सकता है।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) कौन-सी फिल्म अंतरिक्ष में शूट की जाने वाली पहली फीचर फिल्म है?

2) आर्कटिक परिषद किस घोषणा के माध्यम से बनाई गई थी?

3) विलिंगडन आइलैंड, भारत के किस शहर में स्थित है?

4) अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस हर साल कब मनाया जाता है?

5) धनौरी वेटलैंड, जो खबरों में देखा गया था, किस राज्य में स्थित है?

उत्तरमाला- (1) द चैलेंज (2) ओटावा घोषणा (3) कोच्चि (4) 26 जनवरी (5) उत्तर प्रदेश

पहेली

पट्टाविहीन परिवारों का सपना होगा साकार, मिलेगा मालिकाना हक : सिन्हा

■ नगर निगम भिलाई क्षेत्र में शासकीय भूमि पर 20 अगस्त 2017 के पूर्व से निवासरत परिवारों को मिलेगा योजना का लाभ

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन की जनहितैषी मंशा के अनुरूप नगर निगम भिलाई के हजारों परिवारों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। वर्षों से शासकीय भूमि पर निवास करने वाले जिन लोगों के पास भूमि का वैध स्वामित्व नहीं है, उन पात्र पट्टाविहीन परिवारों को शासन द्वारा मालिकाना हक प्रदान किया जाएगा।

नगर निगम भिलाई के नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, भिलाई नगर के पूर्व विधायक व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय, दुर्ग सांसद विजय बघेल और वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के सतत प्रयासों और छत्तीसगढ़ शासन की संवेदनशील सोच के परिणामस्वरूप यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसके लिए उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों और राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। सिन्हा ने बताया कि आवासहीन व्यक्ति पट्टा अधिकार

अधिनियम 2023 के अंतर्गत नगर निगम भिलाई क्षेत्र में शासकीय भूमि पर 20 अगस्त 2017 के पूर्व से निवासरत परिवारों को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए नगर निगम भिलाई के सभी वार्डों में व्यापक सर्वे अभियान चलाया जाएगा, जिसके माध्यम से पात्र हितग्राहियों की पहचान कर स्थायी पट्टा प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पट्टा प्राप्त होने के बाद गरीब और भूमिहीन परिवारों को न केवल अपनी भूमि पर वैधानिक अधिकार मिलेगा, बल्कि वे प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे। बैंक से ऋण लेकर कच्चे मकानों को पक्का बनाने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने निगम क्षेत्र के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सर्वे दल को सही और आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं। पात्र परिवारों की पहचान में सहयोग करें, ताकि शासन की इस ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच सके।

उन्होंने कहा कि यह योजना केवल पट्टा वितरण का कार्य नहीं है, बल्कि गरीब परिवारों को सम्मान, सुरक्षा और स्थायी आशियाने का अधिकार दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। छत्तीसगढ़ सरकार का यह निर्णय समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और न्याय पहुंचाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

दो परिवारों में खूनी संघर्ष : लाठी-डंडे, रॉड और चाकू से हमले में 7 घायल

दुर्ग/नवप्रदेश। सिद्धार्थनगर इलाके में शुक्रवार की रात पड़ोसियों के बीच पुरानी रंजिश के कारण हिंसक झड़प शुरू हो गई। छोटे बच्चों के बीच शुरू हुए विवाद के बाद खूनी संघर्ष शुरू हो गया। एक पक्ष के करीब 20 लोगों ने दूसरे पक्ष के घर में घुसकर जमकर मारपीट की। सिद्धार्थ नगर में कुंडे परिवार और परिहार परिवार के बीच कुछ महीने पहले झगड़ा हुआ था। उसी विवाद के बाद से दोनों पक्षों में तनाव जारी था। शुक्रवार को बच्चों के बीच कहासुनी के बाद मामला

अचानक बढ़ गया। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार कुंडे परिवार के लोग लाठी, डंडे, लोहे की रॉड और चाकू लेकर परिहार परिवार के घर पहुंचे। घर में घुसकर तोडफ़ोड़ करते हुए परिवार के लोगों पर हमला किया गया। हमले में कुल 7 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिहार परिवार में दादी के इलाज के लिए बालाघाट से कुछ रिश्तेदार आए थे। घटना के दौरान बीच-बचाव में वे भी घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। सिद्धार्थनगर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस दोनों पक्षों से पूछताछ कर रही है।

न्यूज गैलरी

धान खरीदी केंद्र में भीषण आग, 100 क्विंटल से ज्यादा धान जलकर खाक

भिलाई। जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र स्थित कोडिया धान खरीदी केंद्र में शनिवार को अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से 100 क्विंटल से ज्यादा धान जलकर खाक हो गया। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। संभावना जताई जा रही है कि पास में ही पराली जलाने के कारण धान संग्रहण केंद्र तक आग फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया। संग्रहण केंद्र में फैली आग को नियंत्रित करने में टीम को काफी मशक्कत करना पड़ा। कई घंटों की कोशिश से आग पर काबू पाया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया और अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। कलेक्टर ने नुकसान का आकलन करने और पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। शुरुआती तौर पर किसी तरह के नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद रही।

आत्म निर्भर लोक कल्याण मेला 12 को

जामुल। नगर पालिका में पीएम स्वनिधी आत्मनिर्भर लोक कल्याण मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेला में पथ विक्रेता ठेलेवाले, सब्जी विक्रेता, चूड़ी व्यापारी, स्व सहायता समूह, सेलून चौपाटी, दर्जी, मोची व अन्य पथ विक्रेता उपस्थित होकर पीएम स्वनिधी फार्म भर सकते हैं। लोक कल्याण मेला का आयोजन कार्यालय नगर पालिका जामुल के सभागार में 12 जून और 17 जून को आयोजित किया जाएगा। पीएम स्वनिधि का फार्म भरने का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। जामुल पालिका क्षेत्र के पथ विक्रेता इस आयोजन में उपस्थित होकर फार्म भर सकते हैं।

पीएमश्री सेजेस के समर कैम्प में बच्चों ने सीखी चित्रकला की बारीकियां

नंदिनी अहिवारा। पीएम श्री सेजेस अहिवारा में 2 जून से 12 जून तक आयोजित समर कैम्प के अंतर्गत गुरुवार को विद्यार्थियों के लिए विशेष चित्रकला कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध कलाकार लक्ष्मण वानखेड़े ने विषय विशेषज्ञ के रूप में छात्र-छात्राओं को चित्रकला की विभिन्न विधाओं और तकनीकों की जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान वानखेड़े ने विद्यार्थियों को रंगों के संयोजन, रेखांकन, रचनात्मक अभिव्यक्ति और कला के माध्यम से सामाजिक व पर्यावरणीय विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के गुर सिखाए। विद्यार्थियों ने विभिन्न कलात्मक गतिविधियों का अभ्यास किया। कार्यक्रम में प्राचार्य पीएल साहू ने बच्चों की प्रतिभाओं की सराहना करते हुए उन्हें सृजनात्मक गतिविधियों में निरंतर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनकी रचनात्मक सोच को नई दिशा प्रदान करते हैं। समर कैम्प का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को निखारना, उनकी रचनात्मक क्षमता को विकसित करना और सामाजिक और पर्यावरणीय विषयों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर आईपी साहू, एके शर्मा, मीनाक्षी, अजरा परवीन, मधुस्मिता, प्रीति, चन्द्रप्रभा, रूपराग, शशांक, कुशाल वर्मा सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

सामान्य सभा की बैठक 11 जून को

दुर्ग। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 11 जून को जिला पंचायत के सभाकक्ष में दोपहर 12.30 बजे आयोजित की गई है। बैठक में शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, वीबी-जी-राम-जी, खाद्य विभाग, पर्यावरण विभाग, खनिज विभाग के कार्यों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा की जाएगी।

अंतर्राज्यीय ऑनलाइन सट्टा सिंडिकेट का भांडा फूटा, 9 गिरफ्तार

भिलाई/नवप्रदेश। ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अंतर्राज्यीय ऑनलाइन सट्टा सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई में पुलिस ने मुख्य मास्टरमाइंड सहित 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बैंकिंग दस्तावेज, सिम कार्ड, नगद रकम और लगभग 23 लाख रुपये मूल्य के सोने और डायमंड के आभूषण जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार थाना छावनी क्षेत्र निवासी निशांत गुप्ता (29 वर्ष) लंबे समय से विभिन्न राज्यों में ठिकाने बदल-बदलकर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालन कर रहा था। मुखबिर से

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसके मोबाइल और डिजिटल उपकरणों की जांच में ऑनलाइन सट्टा संचालन के प्रमाण मिले।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि वह C-B. Cricket Buzz Betting App एवं RubyBet नामक ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म की आईडी संचालित करता था। पुलिस से बचने के लिए उसने महाराष्ट्र के नागपुर में किराये का मकान लेकर अपने सहयोगियों के माध्यम से ऑनलाइन सट्टे का संचालन शुरू कर दिया।

दुर्ग पुलिस की विशेष टीम ने नागपुर पहुंचकर किराये के मकान में दबिश दी, जहां से आठ युवकों को ऑनलाइन सट्टा संचालन करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि डिपॉजिट, विड्रॉल, अकाउंट संचालन, आईडी मैनेजमेंट और तकनीकी कार्यों के लिए उन्हें प्रति माह 20 से 25 हजार रुपये वेतन मिलता था। जांच में पता चला कि गिरोह प्रति माह लगभग डेढ़ करोड़ रुपये तक ऑनलाइन लेनदेन हो रहा था। ऑनलाइन सट्टे से प्राप्त रकम को विभिन्न बैंक खातों में जमा कर कई स्तरों पर ट्रांसफर किया जाता था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 26 मोबाइल फोन, 3 लैपटॉप, 2 आईपैड, 85 एटीएम कार्ड, 18 बैंक पासबुक, 45 सिम कार्ड, चेकबुक, आधार कार्ड, हिसाब-किताब रजिस्टर, विभिन्न दस्तावेज और 1 लाख 54 हजार 620 रुपये नगद बरामद किए हैं।

मुख्य आरोपी निशांत गुप्ता ने ऑनलाइन सट्टे से अर्जित अवैध धन से सोने और डायमंड के महंगे आभूषण खरीदे थे। पुलिस ने भिलाई स्थित महावीर ज्वेलर्स में गिरवी रखे गए लगभग 15 तोला सोना और डायमंड मिश्रित आभूषण जब्त किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 23 लाख रुपये बताई गई है।

थाना छावनी में अपराध दर्ज कर छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम की धारा 7, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं तथा टेलीकॉम अधिनियम की धारा 42 के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क के वित्तीय लेन-देन, बैंक खातों और अन्य सहयोगियों की विस्तृत जांच कर रही है।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

भिलाई/नवप्रदेश। वैशाली नगर थाना क्षेत्र स्थित अर्जुन नगर में

युवक रूपेश वर्मा (25) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। रूपेश टूर एंड ट्रेवल्स की गाड़ी चलाता था और इसी काम से परिवार का खर्च चलता था। जानकारी के अनुसार पिछले कुछ समय से रूपेष आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा था। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है, ताकि घटना के कारणों का पता चल सके।

सीजी पीएससी मुख्य परीक्षा, कलेक्टर ने किया केन्द्र का निरीक्षण

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित मुख्य परीक्षा प्रारंभ हो गई है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज परीक्षा शुरू होने से पहले सुबह 8.30 बजे शासकीय पालेटेक्निक कालेज दुर्ग परीक्षा केंद्र पहुँच कर व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने केंद्राध्यक्ष को आयोग के मार्गदर्शी निर्देशों के तहत बेहतर ढंग से परीक्षा संचालन के निर्देश दिए। परीक्षार्थियों के लिए केंद्र में आवश्यक सुविधाएं पेयजल, रोशनी, पंखे आदि का प्रबंध करने कहा। परीक्षा केंद्र में कुल 436 परीक्षार्थियों के लिए व्यवस्था की गई हैं। कलेक्टर ने परीक्षा कक्षों, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, शीतलन व अन्य मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण कर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए किए गए प्रबंधों की जानकारी ली। केंद्र में तीन दिव्यांग प्रतिभागियों और उनके सहयोगियों के लिए अलग-अलग कक्षों में परीक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे वे बिना किसी असुविधा के परीक्षा दे सकें। प्रत्येक परीक्षा कक्ष में जैमर, कूलर और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की गई है।

हर नागरिक करें एक-एक पौधे का रोपण : विधायक चन्द्राकर

■ रुआबांधा वार्ड 5 में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण

रिसाली/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज रुआबांधा, वार्ड 5 में भारतीय जनता पार्टी, रिसाली मंडल द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक और छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चन्द्राकर मुख्य रूप से शामिल हुए और

कार्यकर्ताओं के साथ गुलमोहर, नीम के पौधों का रोपण किया गया। विधायक चन्द्राकर ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश को 'एक पेड़ माँ के नाम' का संकल्प दिया है। पौधे रोपने के साथ ही पौधे को वृक्ष बनने तक सुरक्षा करना भी जरूरी है। सिर्फ फोटो खिंचवाकर भूल जाना पर्यावरण धर्म नहीं है। असली पुण्य तब है, जब 5 साल बाद पौधा वृक्ष बनकर हमें छाया भी दे और ऑक्सीजन भी दे।

उन्होंने रिसाली क्षेत्र के प्रत्येक परिवार से जन्मदिवस, विवाह वर्षगांठ, बच्चों के जन्म, गृह प्रवेश जैसे शुभ अवसरों पर एक-एक पौधा लगाने की अपील की। पौधों को अपने बच्चे की तरह बड़ा करें और रोज पानी दें। जब हर घर से एक पेड़ लगेगा, तो रिसाली-दुर्ग का तापमान खुद-ब-खुद 2 डिग्री कम हो जाएगा।

इस अवसर पर रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शकुंतला दास, संध्या मंडलोई, समाजसेवी सोनू राम सिंग, पार्षद रमा साहू, सीमा साहू, सारिका साहू, धर्मेन्द्र भगत, माया यादव, शैलेन्द्र साहू, सविता धवज, कंचन सिंह, शिला नारखेड़े, अजीत चौधरी, युवा मोर्चा अध्यक्ष रुपेश यादव, कमलेश हिरवानी मौजूद थे।

जलवायु संरक्षण और अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर ब्रांड एम्बेसडर व जनप्रतिनिधि चलाएंगे अभियान

रिसाली/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर निगम रिसाली ने विशेष कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में पर्यावरण संरक्षण और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय को लेकर जनप्रतिनिधि व स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर ने गंभीरतापूर्वक चर्चा की। उन्होंने संयुक्त रूप से जागरूकता अभियान चलाने और धरातल पर कार्य करने का संकल्प लिया। स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और नगरीय विकास विषय पर आयोजित कार्यशाला में महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि स्वच्छता को लेकर देश का सर्वोच्च न्यायालय बेहद गंभीर है। सरकार अब नए कानून के रूप में न्यायालय के निर्देशों का पालन कर रही है। उन्होंने कार्यशाला में उपस्थित ब्रांड एम्बेसडर से आव्हान किया कि वे अपने-अपने विधा में परांगत है। इसका फायदा सीधे तौर पर नागरिकों तक पहुंचाए। उन्हें जागरूक करने के साथ-साथ बताएं कि आने वाले समय में पर्यावरण या स्वच्छता से खिलवाड़ करने पर न केवल जुर्माना लगेगा, बल्कि कानूनी दांव-पेंच का सामना करना पड़ेगा। कार्यशाला में सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, एमआईसी मेंबर ममता यादव, सनीर साहू, जमुना ठाकुर, पार्षद शीला नारखेड़े, ममता सिन्हा, सविता ढवस, रेखा देवी, सरिता देवांगन, ईश्वरी साहू, सीमा साहू आदि उपस्थित थे।

कार्यशाला में ब्रांड एम्बेसडर ने आश्वस्त किया कि वे जल्द ही स्कूल-कॉलेज और मोहल्ले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर जागरूकता अभियान चलाएंगे। कार्यशाला में महापौर शशि सिन्हा और आयुक्त मोनिका वर्मा ने ब्रांड एम्बेसडर अशोक महेश्वरी, एस सजीव, रजनी रजक, डॉ. राखी राय, डॉ. डीपी देशमुख, प्रदीप साहू, डॉ. विपिन अरोरा, मनोज वर्मा, ललित वर्मा को परिचय पत्र देते हुए सम्मानित किया।

वॉल पेंटिंग और जनसहभागिता से सुंदर बन रहा दुर्ग शहर

■ हर दीवार दे रही स्वच्छता का संदेश

■ स्वच्छता सर्वेक्षण : निगम का जागरूकता अभियान तेज

दुर्ग/नवप्रदेश। नगर निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत शहर को स्वच्छ, सुंदर और आकर्षक बनाने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता और सौन्दर्यीकरण कार्य किए जा रहे हैं। शहर के प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों और दीवारों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग्स और स्वच्छता संदेशों के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। शहर की दीवारें अब स्वच्छता का संदेश देते हुए नई पहचान बना रही हैं। नगर निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि सार्वजनिक स्थानों और दीवारों पर थूकें नहीं। कचरा इधर-उधर न फैलाएं और स्वच्छता बनाए रखने

में निगम प्रशासन का सहयोग करें। स्वच्छ और सुंदर शहर निर्माण में जनभागीदारी को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए निगम लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है। महापौर अलका बाघमार और आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के अंतर्गत दुर्ग शहर स्वच्छता और सौन्दर्यीकरण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। शहर में किए जा रहे वॉल पेंटिंग, सफाई व्यवस्था, नागरिक सहभागिता और सिटीजन फीडबैक जैसे कार्यों का सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। निगम का उद्देश्य केवल सफाई करना नहीं, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता के प्रति स्थायी जागरूकता विकसित करना भी है। महापौर ने कहा कि स्वच्छ शहर हर नागरिक की पहचान होता है और शहर को सुंदर बनाए रखने में आम जनता की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता और सौन्दर्यीकरण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। दीवारों पर बनाई जा रही आकर्षक पेंटिंग्स और संदेश नागरिकों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित कर रहे हैं।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण

कुम्हारी/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर नगर पालिका परिषद ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए रामपुर चौराहा स्थित शीतला तालाब परिसर सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत यहां फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा, मुख्य नपा अधिकारी नेतराम चंद्राकर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों से भी वृक्षारोपण कर उनकी देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान करीब 20 फलदार और छायादार पौधे लगाए गए। नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि पौधे लगाने के साथ ही नियमित देखरेख और संरक्षण भी किया जाएगा। वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से नगर पालिका परिषद कुम्हारी ने पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश दिया है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के जरिए लोगों को प्रकृति से जुड़ने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित वातावरण तैयार करने का आह्वान भी किया गया। भाजपा कुम्हारी मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम का कार्यक्रम आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत वार्ड 15 अटल परिसर में 10 पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में धर्मेंद्र सिन्हा कुम्हारी मंडल अध्यक्ष, राकेश पांडेय, गोल्डी गोस्वामी प्रदेश किसान मोर्चा कार्यसमिति सदस्य, मिथलेश यादव, जूही चंद्राकर, तृप्ति चंद्राकर उपस्थित थे।

शुरू होगा सर्वे : शहर के आंतरिक मार्गों का होगा चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण

यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने मंत्री गजेन्द्र ने किया शहर का दौरा

दुर्ग/नवप्रदेश। ट्रैफिक कंट्रोल और यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने आज प्रदेश के केबिनेट मंत्री दुर्ग शहर के विधायक गजेन्द्र यादव ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों व इंजीनियरों के साथ चौक-चौराहों और प्रमुख मार्गों का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पोटिया चौक से बस्ती मार्ग, बोरसी हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र, बस स्टैंड से गणेश मंदिर रोड, नयापारा चौक से आनंद सरोवर तक मार्ग, बघेरा रोड सहित विभिन्न स्थानों का अवलोकन कर यातायात सुधार व सड़क चौड़ीकरण की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री यादव ने कहा कि दुर्ग

शहर का लगातार विस्तार हो रहा है, जिसके अनुरूप सड़क और यातायात अधोसंरचना का विकास आवश्यक है।

निरीक्षण के दौरान बोरसी हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण, नयापारा चौक से आनंद सरोवर तक सड़क चौड़ीकरण, बस स्टैंड से गणेश मंदिर रोड पर मोड़ के पास सड़क चौड़ीकरण, मजबूतीकरण और सौंदर्यीकरण करने के संबंध में तकनीकी सर्वे कर शीघ्र इस्टीमेट तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। विभिन्न स्थानों पर यातायात दबाव को कम करने, सड़क सुरक्षा बढ़ाने और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पूर्ण कार्ययोजना तैयार करने पर भी जोर दिया गया।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने अधिकारियों से कहा कि जिन क्षेत्रों में सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने सड़क चौड़ीकरण के साथ-साथ रात्रि में पर्याप्त रौशनी, सड़क किनारे जल निकासी, पैदल यात्रियों की सुविधा, यातायात संकेतक, सभी चौक-चौराहे का सौंदर्यीकरण और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को भी प्रस्तावों में शामिल करने के निर्देश दिए।

पीडब्लूडी के इंजीनियर ने बताया कि शहर के आंतरिक मार्गों के मजबूतीकरण, चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के लिये बजट में प्रस्तावित कार्यों का सर्वे कल से प्रारंभ किया जाएगा। हेमंचंद यूनिवर्सिटी से पुराना हाउसिंग चौक बोरसी तक चौड़ीकरण व मजबूतीकरण का सर्वे शुरू हो जाएगा।

महाराजा चौक से पहिरावा बुटीक तक भी सर्वे होगा। इसके अलावा साईं मंगलम के आगे केनाल होते बोरसी, साहू होटल बोरसी चौक तक, नयापारा से आनंद सरोवर मोड़ तक, स्मृति नगर मुख्य मार्ग से कातुलबोर्ड सड़क का भी इस्टीमेट शीघ्र ही तैयार किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

राजस्व मंत्री ने बिटकुली में 34 लाख के विकास कार्यों की दी सौगात

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। शनिवार को ग्राम बिटकुली में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने लगभग 34 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने 8 लाख रुपए की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण, 10 लाख रुपए की लागत से गली कांक्रिटीकरण एवं 16 लाख रुपए की लागत से बनने वाले महतारी सदन का विधि -विधान से पूजा -अर्चना कर भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार शहर से लेकर गांव तक लगातार विकास के कार्य कर रही है।सड़क, पुल सहित अनेक अधोसंरचना निर्माण को गति दें रही है। उन्होंने कहा कि हमने जो भी वायदा किया था उनमे से अधिकांश पूरा हो गया है। किसान, महिला, युवा,गरीब सभी के लिये योजना संचालित हो रही है जिसका लाभ लेकर लोग आर्थिक रूप से सशक्त बन रहे हैं। प्रदेश में चारों तरफ खुशहाली और समृद्धि का माहौल है। अभी सुशासन तिहार भी चल रहा है जिसमें शासन प्रशासन गांव गांव पहुंच रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय खुद जिलों का दौरा कर लोगों की समस्या सुन रहे है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष डॉ दौलतराम पाल, जिला पंचायत सदस्य डॉ मोहन वर्मा, जनपद सदस्य खेम लाल साहु सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना हेतु आवेदन आमंत्रित

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिक के प्रथम 2 बच्चें हेतु मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी षिक्षा सहायता योजनांतर्गत कक्षा 10वीं से स्नातकोत्तर एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रम में 75 प्रतिशत एवं 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने पर राशि 5000 से 12500 तक वार्षिक प्रोत्साहन राशि एवं छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के बोर्ड परीक्षा में प्रावीण्य सूची के प्रथम 10 में आने पर 1 लाख रू. प्रोत्साहन राशि तथा दो पहिया वाहन क्रय किए जाने हेतु 1 लाख रू. का अनुदान विभाग द्वारा दिए जाने का प्रावधान है। ऐसे पंजीकृत श्रमिक जिनके बच्चें इस वित्तीय वर्ष में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम 10 में स्थान पाए है वे प्रत्येक जनपद पंचायतों में स्थित श्रम संसाधन केन्द्रों, विभाग के श्रमेव जयते ऐप या श्रम कार्यालय के कक्ष क्रमांक 117 कलेक्टर परिसर तथा च्वॉईस सेन्टर के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पौध रोपण

गुरुर/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले के

गुरुर नगर पंचायत विकासखण्ड में ग्रामीणों ने सामूहिक सहभागिता और पर्यावरण पौधे लगाए और संरक्षण की एक अद्भुत मिसाल पेश की है कार्यालय भाजपा नेताओं के साथ ग्राम के वासियों के साथ में गुरुर भाजपा मंडल अध्यक्ष मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष अभियान के तहत ग्रामीणों ने जल संरक्षण के साथ-साथ पौधे लगाए हरियाली की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया है। आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए गुरुर के भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ ग्रामीणों ने जल संरक्षण के लिए पेड़ लगाए सदुपयोग व्यापक पैमाने पर किया। ग्रामीणों का यह अनूठा और प्रयास आने वाले दिनों में क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगा। इस तकनीक हरी भरी पेड़ लगाने से शुद्ध वातावरण मिलता है अच्छी हवा मिलती है पेड़ की सुंदरता के साथ वृक्ष की छांव में बैठने से सेहत भी अच्छी रहती है स्वस्थ रहता है बल्कि बारिश के मौसम में ये पौधों के रूप में विकसित होकर पूरे आसपास की जगह में और अगर हम सभी तरफ पेड़ लगे तो क्षेत्र को हरियाली की चादर से ढक देंगे।

6 मरीजों का नि:शुल्क नेत्र ऑपरेशन

कोलिहा (लवन)/नवप्रदेश। क्षेत्र के वर्मा सुपर मल्टी स्पेशलिटी डेंटल क्लिनिक द्वारा सामाजिक सरोकार निभाते हुए जरूरतमंद मरीजों के लिए नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। क्लिनिक के सहयोग से 6 मरीजों का सफ्लतापूर्वक नि:शुल्क नेत्र ऑपरेशन कराया गया, जिससे मरीजों एवं उनके परिजनों में खुशी का माहौल है।

क्लिनिक संचालक डॉ. धीरेंद्र वर्मा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अनेक लोग आर्थिक अभाव के कारण समय पर नेत्र उपचार नहीं करा पाते हैं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए योग्य मरीजों का चयन कर उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से नेत्र परीक्षण एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई गई। ऑपरेशन के बाद सभी मरीजों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी भी की जा रही है। नि:शुल्क नेत्र ऑपरेशन का लाभ प्राप्त करने वाले अंजनी बाई वर्मा ईश्वरी वर्मा प्रद्युम्न वर्मा इंगम वर्मा सहित सभी मरीजों ने क्लिनिक प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से उन्हें नई रोशनी और बेहतर जीवन जीने का अवसर मिला है। मरीजों के परिजनों ने भी इस सेवा को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एसबीआई आरसेटी बेमेतरा में वृहद पौधारोपण

80 पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प, राजमिस्त्री प्रशिक्षणार्थियों को टूल किट व प्रमाण पत्र वितरित

बेमेतरा/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) बेमेतरा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों, अधिकारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने संस्थान परिसर में 80 पौधों का रोपण किया। साथ ही राजमिस्त्री प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके हितग्राहियों को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करने हेतु टूल किट एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत बेमेतरा की अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में अग्रणी बैंक प्रबंधक सुशील कुमार सिंह, भारतीय स्टेट बैंक बेमेतरा के मुख्य प्रबंधक गजेंद्र उइके, ग्राम चोरभट्टी की सरपंच रेखा पात्रे, उपसरपंच एवं ग्राम सचिव शामिल हुए।

इस अवसर पर स्क्ट्ठ आरसेटी बेमेतरा के निदेशक कृष्णा चौधरी, स्टाफ सदस्य प्रतीक साहेब, अभिषेक, संतोष, मनीष, शिव कुमार एवं कैलाश साहू सहित 80 से अधिक प्रशिक्षणार्थी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि कल्पना योगेश तिवारी ने अपने उद्बोधन में वर्तमान समय में वृक्षों और पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने अपने जीवन का प्रेरणादायक अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने अपनी 35 एकड़ भूमि पर एक छोटा जंगल विकसित किया है। उनके इस प्रयास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों एवं नागरिकों को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया।

पर्यावरण संरक्षण मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक

अग्रणी बैंक प्रबंधक सुशील कुमार सिंह ने कहा कि मानव जीवन और पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि हम आज पर्यावरण की रक्षा करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित और समृद्ध हो सकेगा। भारतीय स्टेट बैंक बेमेतरा के मुख्य प्रबंधक गजेंद्र उइके ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत स्वयं से होती है।

धमधा के वार्ड 2 में बनेगा सामुदायिक भवन

धमधा/नवप्रदेश। नगर पंचायत धमधा के वार्ड क्रमांक 02 में अधोसंरचना मद के तहत स्वीकृत 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का रास्ता पूरी तरह साफ हो चुका है। कुछ लोगों द्वारा इसे 'तालाब' की भूमि बताकर किए जा रहे विरोध की हवा सरकारी दस्तावेज़ों और राजस्व निरीक्षण (ऋढ्ढ.) की रिपोर्ट ने निकाल दी है। वर्तमान ग्राउंड रियलिटी यह है कि यह पूरी ज़मीन पिछले 20 वर्षों से पूरी तरह समतल है और यहां कोई तालाब अस्तित्व में नहीं है। नगर पंचायत परिषद की साधारण बैठक में इस निर्माण कार्य को बहुमत से स्वीकृति दी जा चुकी है। इसके बाद राजस्व विभाग के आर.आई. और पटवारी द्वारा किए गए संयुक्त स्थल निरीक्षण में भी यह प्रमाणित हुआ है कि खसरा नंबर 1719/2 (मद आबादी) की यह 18 डिसमिल भूमि वर्तमान में पूरी तरह समतल व रिक्त है।

इसी पैच पर पूर्व में दो आंगनबाड़ी भवन और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 10 परिवारों के मकान बनाए जा चुके हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि यहां वर्षों से समतल आबादी भूमि है। वर्तमान में बची हुई 18 डिसमिल रिक्त भूमि को भू-माफ़ियाओं और अवैध अतिक्रमण से बचाने के लिए वहां शासकीय भवन का निर्माण बेहद आवश्यक है।

इस वार्ड और आस-पास के गरीब परिवारों, विशेषकर मुसलमान समाज, ढीमर समाज, राउत समाज, गोड़ समाज और मरार समाज के लोगों के पास शादी-व्याह और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए कोई भवन नहीं है। यह भवन बनने से इन परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी।

विपक्ष का दोहरा चरित्र उजागर

शिकायतकर्ताओं पर निशाना साधते हुए स्थानीय पार्षदों व मोहल्लावासियों ने बताया कि जो लोग आज विरोध कर रहे हैं, वे स्वयं वर्ष 2009 से 2015 के बीच नगर पंचायत के अध्यक्ष व महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं। उनके अपने कार्यकाल में इसी भूमि पर आंगनबाड़ियों का निर्माण हुआ और उनके करीबियों द्वारा समीपस्थ ज़मीन पर खेती व अतिक्रमण के प्रयास किए गए, लेकिन तब उन्होंने तालाब को 'पूर्ववत' करने की कोई पहल नहीं की।

कलेक्टर और अनुविभागीय अधिकारी धमधा को सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि कुछ लोगों के निजी व राजनीतिक स्वार्थ के कारण जनहित के इस बड़े प्रोजेक्ट को न रोका जाए और क्षेत्र के गरीब तबके के हित में जल्द से जल्द निर्माण शुरू कराया जाए।

विरोध केवल राजनीति से प्रेरित

यह ज़मीन पिछले 20 साल से समतल है। हमारे वार्ड के गरीब परिवारों (मुसलमान, ढीमर, राउत, मरार समाज) के पास शादी-ब्याह या सुख-दुख के कार्यक्रमों के लिए कोई जगह नहीं है। जब इसी ज़मीन पर पहले आंगनबाड़ी और पीएम आवास बने, तब विरोध क्यों नहीं हुआ? आज जब गरीबों के लिए 25 लाख का भवन मंज़ूर हुआ है, तो कुछ लोग अपनी राजनीति चमकाने और बची हुई 18 डिसमिल सरकारी ज़मीन पर कब्जा करवाने की नीयत से अड़ंगा लगा रहे हैं। हम इसे रुकने नहीं देंगे। **मलिक मोहमद** (पार्षद वार्ड न. 2)

वार्ड क्रमांक 02 में सामुदायिक भवन का निर्माण जनहित और वहां के गरीब तबके की जरूरत को देखते हुए कराया जा रहा है। परिषद से प्रस्ताव पारित होने के बाद आर.आई. द्वारा मौके का निरीक्षण कर जांच रिपोर्ट दी जा चुकी है, जिसमें ज़मीन के समतल होने की पुष्टि हुई है। बची हुई सरकारी ज़मीन को बेजा कब्जा से बचाना और जनोपयोगी बनाना हमारा कर्तव्य है। किसी भी प्रकार का भ्रामक विरोध विकास कार्य को नहीं रोक सकता।

श्वेता प्रशांत अग्रवाल (अध्यक्ष धमधा नगर पंचायत)

पिछले 20 साल से हम इस मैदान को समतल देख रहे हैं, यहां कोई तालाब नहीं है। साथ हीं यहाँ पर 2 आंगनबाड़ी केंद्र भी बन चुके है अगर यहां सरकारी भवन नहीं बना, तो भू-माफ़िया इस बची हुई 18 डिसमिल ज़मीन पर भी अवैध कब्जा कर लेंगे। शासन को तुरंत यहां निर्माण शुरू कराना चाहिए।

– कलीम कुरैशी (स्थानीय निवासी)

मंजूर हुई सरकारी राशि को वापस भेजना वार्ड के साथ अन्याय होगासालों की मांग के बाद सरकार ने हमारी बस्ती के लिए 25 लाख रुपये मंजूर किए हैं। जो लोग आज विरोध कर रहे हैं, वे विकास विरोधी हैं। अगर यह पैसा वापस चला गया, तो नुकसान सिर्फयहाँ के गरीब तबके का होगा। **लक्ष्मण पटेल** (स्थानीय निवासी)

बस रिवर्स करते समय कार क्षतिग्रस्त, चालक पर मामला दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। छुईपाली टोल प्लाजा के पास रिवर्स हो रही एक यात्री बस की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त हो गई। मामले में पुलिस ने बस चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का अपराध दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार अधिवक्ता हेमेश कुमार दुबे ने शिकायत दर्ज कराई है कि 31 मई को वह अपनी कार से ग्राम पैकिन जा रहे थे। शाम करीब 4.45 बजे जब वह छुईपाली टोल प्लाजा के समीप ग्राम छुईपाली के पास पहुंचे, तभी बस क्रमांक सीजी 06 एचबी 7775 के चालक ने वाहन को लापरवाहीपूर्वक रिवर्स करते हुए उनकी कार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में कार क्षतिग्रस्त हो गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी बस चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

17.4 लीटर महुआ व शराब जब्त, तीन आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज

■ पिथौरा और बागबाहरा क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस का अभियान

महासमुंद/नवप्रदेश। जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक टॉस्क फोर्स तथा थाना-चौकी स्तर की टीमों ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाते हुए अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की है। पुलिस ने कुल 17.4 लीटर शराब जब्त कर तीन आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिथौरा थाना क्षेत्र के ग्राम गड़बेड़ा में कार्रवाई के दौरान ललिता बाई रात्रे (61 वर्ष) के कब्जे से 3 लीटर महुआ शराब बरामद की गई। आरोपी ने शराब को बिक्री के उद्देश्य से अपने घर की बाड़ी में छिपाकर रखा था। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 600 रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत कार्रवाई की है।

वहीं बागबाहरा पुलिस ने अवैध शराब परिवहन के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने डांगाडिपरा निवासी गोवर्धन यादव (22 वर्ष) एवं जवाहर चौक बागबाहरा निवासी संजू ठाकुर (29 वर्ष) के कब्जे से 14.400 लीटर देसी प्लेन शराब जब्त की।

दोनों आरोपी स्कूटी क्रमांक सीजी 06 जीएक्स 2998 में शराब का परिवहन कर रहे थे। पुलिस के अनुसार जब्त शराब की कीमत 6,400 रुपये आंकी गई है। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया।

आबकारी अफसरों ने जब्त की अवैध शराब

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिला आबकरी विभाग की टीम द्वारा कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार अवैध शराब विक्रय पर कार्यवाही करते हुए शुक्रवार को लगभग 12 हजार रुपए के अवैध मदिरा जब्त किया गया। भाटापारा एवं सिमगा में आबकारी विभाग द्वारा आरोपी ओमप्रकाश साहू ग्राम कोलिहा थाना भाटापारा ग्रामीण कब्जे से 45 पाव कुल 8.10 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला एवं आरोपी दीपक साहू ग्राम दामाखेड़ा थाना सिमगा कब्जे से विदेशी मदिरा गोवा व्हिस्की 5.4 बल्क लीटर जब्त किया गया। कुल मदिरा जप्त जप्त 13.5 बल्क ली. मदिरा जब्त किया गया। इसी प्रकार शनिवार को वृत्त पलारी में आबकारी विभाग द्वारा आरोपी बेद राम घृतलहरे पिता गज्जू उम्र 25 वर्ष साकिन खम्हरिया थाना पलारी के कब्जे से 40 पाव देशी मदिरा मसाला कुल 7.2 बल्क लीटर जप्त किया गया। देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 4,000 होना पाया गया।

आरोपी ओमप्रकाश साहू ग्राम कोलिहा थाना भाटापारा ग्रामीण, दीपक साहू ग्राम दामाखेड़ा थाना सिमगा, आरोपी बेद राम घृतलहरे पिता गज्जू उम्र 25 वर्ष साकिन खम्हरिया थाना पलारी के विरूद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (2) 59 (क) का प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया। कार्यवाहियों में आबकारी उपनिरीक्षक मनराखन नेताम, पी. माधव राव, आबकारी मुख्य आरक्षक राधागिरी गोस्वामी, नगर सैनिक कमल वर्मा, दुर्गेश्वरी कुर्रे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला न्यायालय परिसर में पौधारोपण

एक पौधा केवल एक पेड़ नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित भविष्य की नींव है : सरोज नंद दास

बेमेतरा/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से व्यापक पौधारोपण एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर द्वारा संचालित स्टेट प्लान ऑफ एक्शन कैलेंडर 2026-27 के तहत आयोजित किया गया।

सरोज नंद दास, अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बेमेतरा के मार्गदर्शन में नवनिर्माणाधीन न्यायालय परिसर, कोबिया में पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर देवेन्द्र कुमार, प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, कु. आरती ठाकुर, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, श्रुति साहू, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी, तुषार बारिक, प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायालय प्रथम न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी तथा श्री डिकेन्द्र देवांगन, सचिव अधिवक्ता संघ, बेमेतरा सहित न्यायिक अधिकारी एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष सरोज नंद दास ने कहा कि वर्षा ऋतु पौधारोपण के लिए सबसे उपयुक्त समय है, क्योंकि इस दौरान प्रकृति स्वयं पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषणमुक्त वातावरण प्रदान किया जा सकता है।

नवागांव में 34 लाख की लागत से मुक्तिधाम निर्माण कार्य का भूमिपूजन

बागबाहरा/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद बागबाहरा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 10 नवागांव में राज्य प्रवर्तित मद से लगभग 34 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले मुक्तिधाम का भूमिपूजन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम नगर पालिका अध्यक्ष खिलेश्वरी ताम्रध्वज बघेल एवं जनप्रतिनिधियों के हाथों संपन्न हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पालिकाध्यक्ष बघेल ने कहा कि मुक्तिधाम के निर्माण से क्षेत्रवासियों को अंतिम संस्कार के दौरान धूप, बारिश एवं अन्य मौसम संबंधी परेशानियों से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह निर्माण कार्य स्थानीय नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता को पूरा करेगा और लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

इस अवसर पर वृक्षारोपण करते हुए उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल शासन की नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ÷जब तक वन हैं, तब तक मानव जीवन सुरक्षित है। स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण ही स्वस्थ जीवन का आधार है।÷ उन्होंने लोगों से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

पालिकाध्यक्ष बघेल ने कहा कि नगर के सभी वार्डों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ तेजी से कराया जा रहा है। नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सड़क, नाली एवं अन्य मूलभूत अधोसंरचना संबंधी कार्य निरंतर जारी हैं। उन्होंने कहा कि नगर का समग्र एवं संतुलित विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जहां भी आवश्यकतानुसार सड़क और नाली की जरूरत है, वहां प्राथमिकता के आधार पर निर्माण कार्य स्वीकृत कराए जा रहे हैं।

उन्होंने निर्माण एजेंसी एवं ठेकेदार को निर्देशित करते हुए कहा कि मुक्तिधाम का निर्माण गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए ताकि आम नागरिकों को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सके।

खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव बोले- किसान समितियों के चक्कर लगाने को मजबूर, सरकार बताए जमीनी हकीकत

खाद संकट पर सहकारिता मंत्री के दावों पर कांग्रेस का हमला

महासमुंद/नवप्रदेश। प्रदेश के सहकारिता मंत्री द्वारा सहकारी समितियों में पर्याप्त रासायनिक खाद उपलब्ध होने और किसानों को सुगमता से उर्वरक वितरण किए जाने संबंधी दिए गए बयान पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री के दावे और जमीनी स्थिति में बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है।

जारी बयान में श्री यादव ने कहा कि प्रदेश की अनेक सहकारी समितियों में किसान खाद के लिए लगातार चक्कर काट रहे हैं। कई स्थानों पर यूरिया और डीएपी की उपलब्धता मांग के अनुरूप नहीं है, जिससे खरीफ सीजन की तैयारी कर रहे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सवाल किया कि यदि पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है, तो

किसानों को घंटों कतार में खड़े रहने और बार-बार समितियों के चक्कर लगाने की नौबत क्यों आ रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार किसानों के हितों की बात तो करती है, लेकिन धरातल पर किसान खाद, बीज और सिंचाई जैसी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं। सहकारिता मंत्री का बयान किसानों की वास्तविक समस्याओं को नजरअंदाज करने वाला है। सरकार को केवल आंकड़े प्रस्तुत करने के बजाय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक किसान को समय पर और आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध हो।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि खरीफ सीजन किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान खाद की कमी अथवा वितरण व्यवस्था में अव्यवस्था का सीधा असर किसानों की उत्पादन क्षमता और आय पर पड़ता है। उन्होंने मांग की कि सरकार सभी सहकारी समितियों में उपलब्ध वास्तविक स्टॉक की समीक्षा कर पारदर्शी वितरण व्यवस्था लागू करे तथा कालाबाजारी और कृत्रिम कमी पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे।

श्री यादव ने प्रदेश सरकार से प्रत्येक जिले और विकासखंड में खाद उपलब्धता की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने तथा किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष निगरानी तंत्र गठित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों के हितों से जुड़े इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी।

सरकार एक किसान का नाम सार्वजनिक करे : यादव

खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव ने सहकारिता मंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि यदि प्रदेश में किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त खाद मिल रही है, तो सरकार ऐसे कम से कम एक किसान का नाम सार्वजनिक करे, जिसे बिना किसी परेशानी के मांग के अनुरूप खाद उपलब्ध कराया गया हो। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में किसान खाद के लिए भटक रहे हैं, जबकि सरकार कागजी आंकड़ों के आधार पर दावे कर रही है।

सहायता राशि बढ़ाने की मांग

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि किसानों को दी जा रही सहायता राशि उनकी वास्तविक जरूरतों की तुलना में बेहद कम है। उन्होंने बताया कि एक हेक्टेयर के लिए निर्धारित राशि में खाद, बीज और बीमा जैसी सभी मदों को शामिल कर दिया गया है। इससे किसानों को पर्याप्त लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने सरकार से सहायता राशि में वृद्धि कर किसानों को राहत प्रदान करने की मांग की।

ग्राम पंचायत सलौनी ने स्वच्छता के लिए ग्रामीणो ने दिखाई जागरूकता

घर-घर कचरा संग्रहण , यूजर चार्ज संग्रहण ने बढ़ाया हौसला

खैरागढ़/नवप्रदेश। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले में लगातार नवाचार और जनभागीदारी आधारित प्रयास में ग्राम पंचायत सलौनी स्वच्छता प्रबंधन एवं जनसहभागिता में प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरी है। सरपंच सौरभ साहू सचिव जोगेश्वर धनकर के नेतृत्व में ग्राम पंचायत सलौनी में स्वच्छता अभियान के तहत पंचायत द्वारा घर-घर से सूखे कचरे के नियमित संग्रहण की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए स्वच्छग्राही समूह को गारबेज ट्राइसाइकिल (गारबेज रिक्शा) उपलब्ध कराकर एवं अन्य सहयोग करके संग्रहण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाया गया है। ग्राम पंचायत द्वारा स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देने लगातार जागरूकता अभियान, विशेष शिविर एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी है तथा स्वच्छता शुल्क के भुगतान में भी उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हो रहा है। ग्राम पंचायत सलौनी में 25 हजार रू का यूजर चार्ज संग्रहण किया जा चुका है । पंचायत एवं स्वच्छग्राही समूह के संयुक्त प्रयासों से गांव में नियमित साफ-सफाई, ठोस अपशिष्ट का पृथक्करण एवं संग्रहण किया जा रहा है। पंचायत द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों से गांव में स्वच्छता व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। स्वच्छता, जनभागीदारी और जिम्मेदार नेतृत्व के समन्वय से ग्राम पंचायत सलौनी जिले में स्वच्छ एवं आदर्श ग्राम की पहचान बनाने की ओर अग्रसर है।

पर्यावरण दिवस पर कन्या शाला मे किया पौधारोपण

खैरागढ़/नवप्रदेश। शहर के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ कमलेश्वर सिंह सहित शाला के शिक्षक शिक्षिकाओं ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत करंज, बादाम कदम आदि पौधे का रोपण कर पर्यावरण दिवस पर इसके संवर्धन और संरक्षण का संकल्प लिया। प्राचार्य सिंह ने कहा कि अपने आस पास को स्वच्छ एवं हरा भरा रखने हेतु अपने घर, सार्वजनिक स्थानों शिक्षा संस्थानों में एक पेड़ मां के नाम अवश्य पेड़ पौधे रोपित करें ।

न्यूज गैलरी

सोमवार को गंजपारा स्कूल में तीन वार्ड के लिए जन समस्या निवारण शिविर

राजनांदगांव/नवप्रदेश। सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जनता की समस्या का समाधान करने तथा उन्हें शासन की योजनाओ का लाभ देने नगर निगम द्वारा वार्डो में जन समस्या निवारण शिविर लगाया जा रहा हैं। शिविर के अंतिम चरण में दिनांक 8 जून सोमवार को प्रातः 10 बजे दोपहर 2 बजे तक हीरामोती वार्ड नं. 39, गुरूघासीदास वार्ड नं. 40 एवं नंदई वार्ड नं. 48 के लिए गंजपारा स्कूल बसंतपुर थाना के समीप जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया जायेगा। शिविर में नगर निगम सहित विभिन्न विभागो के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहकर वार्डवासियो की समस्या सुन उनसे मांग एवं शिकायत संबंधी आवेदन प्राप्त कर शासन की योजना से लाभान्वित करेंगे।

छत्तीसगढ़ जनजाति आयोग के अध्यक्ष के साथ पूर्व लोकपाल अमलेंदु हाजरा की मुलकात

राजनांदगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्यअनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूप सिंह मांडवी के साथ पूर्व लोकपाल अमलेंदु हाजरा से भेंट मुलाकात पर आदिवासी समाज के अधिकार सुरक्षा आर्थिक उत्थान व बदलते परिवेश एवं वन अधिकर जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई इस अवसर पर आयोग अध्यक्ष द्वारा शासन के विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा आदिवासियों के साथ होने वाले अत्याचार शोषण और उनके आर्थिक व सामाजिक अधिकारों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा लोक कल्याणकारी योजनाओं जैसे अंतरजाती विवाह ,स्वरोजगार ऋण अनुदान तथा आपदा राहत सहायता प्रदान किए जाने संबंधी विषयों पर भी चर्चा करते हुए जानकारी साझा गई उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य जनजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान सीजीटीआरटीआई के माध्यम से आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और विकास पर अत्यधिक कार्य हो रहा है जो आने वाले समय में समाज के लिए अति महत्वपूर्ण साबित होगौ।

जिले की शिक्षिका नाजरीन नियाज़ी को बिरसा मुंडा राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान

खैरागढ़/नवप्रदेश। ग्राम सोनभट्टा पूर्व माध्यमिक शाला में 17 वर्षों से पदस्थ शिक्षिका नाजरीन नियाज़ी को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिये राजिम के चंपारण में बिरसा मुंडा राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से पुरस्कृत किया गया।शिक्षा सागर फाउंडेशन छत्तीसगढ़ भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षिका नाजरीन नियाज़ी को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर बिरसा मुण्डा राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम में बिलासपुर जिला शिक्षा अधिकारी विजय टांडेय, शिक्षा सागर फाउंडेशन के नेशनल मोटीवेटर डॉ. गायत्री मिश्रा, सुरेश राणा, शैलेश प्रजापति व एससीईआरटी रायपुर के सुनील मिश्रा की मौजूदगी में नाजरीन नियाज़ी को छात्रों के हित में सर्वांगीण विकास के लिये नवाचार करने, शिक्षा को नई दिशा प्रदान करने एवं समाज, राष्ट्रनिर्माण में महत्वपूर्ण योगदान शिक्षा के क्षेत्र में किये गये नवाचारी गतिविधियों, उत्कृष्ट शिक्षण कार्य, कुशल नेतृत्व एवं छात्रों के हित में उनकी निरंतर समर्पित सेवा भावना के लिये सम्मानित किया गया। नाजरीन इसके पूर्व भी शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने पर डॉ. अब्दुल कलाम राज्य अलंकरण अवार्ड व केसीजी जिला में आयोजित रजत जयंती समारोह शिक्षक सम्मान सहित अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित हो चुकी है । चंपारण में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस शिक्षक सम्मान समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आये कई होनहार शिक्षकों का भी सम्मान किया गया।

पेट्रोल डीजल के दामों में बढ़ोत्तरी का असरछोटे यात्री वाहनो की बुकिंग होगी महंगी,

खैरागढ़/नवप्रदेश। पेट्रोल डीजल के दामो मे लगातार बढ़ोत्तरी से नुकसान मे चल रहे छोटे चार पहिया यात्री वाहनो का किराया बढ़ाया जाएगा । पेट्रोल डीजल की बढ़ी दरो के बाद अब जिला मुख्यालय के छोटे टैक्सी वाहनो को किराए और इंधर दर मे बढ़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है । इसको लेकर वाहन संघ और वाहन चालको की शनिवार को हुई बैठक के बाद छोटे टैक्सी वाहनो के किराए मे बढ़ोत्तरी को लेकर चर्चा के बाद इसका प्रस्ताव तैयार किया गया । जिला मुख्यालय मे सौ से अधिक छोटे टैक्सी वाहनो से हजारो लोग रायपूर, बिलासपूर, दूर्ग भिलाई नागपूर सहित विभिन्न प्रदेशो मे आनाजाना करते है । पिछले पखवाड़े भर मे पेट्रोल और डीजल की कीमतो मे साढ़े सात रू से अधिक की बढ़ोत्तरी हो चुकी है । ऐसे मे पुराने दर पर चल रही टैक्सी और छोटे वाहन मालिको को किराए मे बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है । शनिवार को आयोजित बैठक मे संचालको एवं वाहन चालको ने किराए मे बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव रखा । जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया । नए किराए की दर जल्द घोषित की जाएगी ।

नंदा पसीने बनीं हिंदू सेना की जिला अध्यक्ष, निलेश श्रीवास्तव को प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी

सनातन की रक्षा और धर्मांतरण के खिलाफ जनजागरण का संकल्पः

गायत्री मंदिर राजहरा में नियुक्ति समारोह, संगठन विस्तार और हिंदुत्व जागरण पर दिया गया जोर

बालोद/ नवप्रदेश । गायत्री मंदिर राजहरा में आयोजित हिंदू सेना संगठन के नियुक्ति समारोह में संगठन को मजबूत बनाने तथा सनातन संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गईं। समारोह में श्रीमती नंदा पसीने को जिला अध्यक्ष एवं निलेश श्रीवास्तव को प्रदेश महामंत्री का दायित्व सौंपते हुए नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने दोनों पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर संगठन के प्रति समर्पण और समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सनातन संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक समरसता और जनजागरण की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।

धर्मांतरण और सांस्कृतिक चुनौतियों पर हुई चर्चा

समारोह में वक्ताओं ने सनातन संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक जागरूकता और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर चिंता व्यक्त करते हुए समाज को संगठित रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज में जागरूकता, शिक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार से ही भारतीय परंपराओं और संस्कारों को मजबूत किया जा सकता है।

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ने किया एकजुटता का आह्वान

नियुक्ति के बाद श्रीमती नंदा पसीने ने कहा कि वे संगठन की विचारधारा के अनुरूप कार्य करते हुए समाज में जागरूकता और संगठनात्मक मजबूती के लिए निरंतर प्रयास करेंगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने की अपील की।

वहीं निलेश श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाकर युवाओं को जोड़ा जाएगा तथा सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों पर जनजागरण अभियान चलाए जाएंगे।

कई गणमान्य अतिथियों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में विमल चंद जैन (महासचिव, आईरा ऑल इंडिया रिपोर्टर एसोसिएशन), बोधन भट्ट (प्रदेश उपाध्यक्ष, आईरा), उत्तम साहू (ब्यूरो चीफ, अमन पथ), दीपक यादव (प्रधान संपादक, दर्शन बालोद), पुरोबी वर्मा (पूर्व नगर पालिका सदस्य, दल्लीराजहरा), गायत्री जैन, संगीता रजक, माधुरी रथ, रेणुका साहू, देवंतिन पारकर, सुनीता भांडेकर, मीना साहू, महेश्वरी साहू, पुष्पा शांडिल्य, वर्मा मैडम सहित बड़ी संख्या में संगठन पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

संगठन को नई दिशा देने की उम्मीद

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में हिंदू सेना संगठन सामाजिक जागरूकता, संस्कृति संरक्षण और जनसेवा के कार्यों को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाएगा।

केसीजी जिले से दुखद खबरः प्रधान आरक्षक शीतल यादव ने की आत्महत्या

पुलिस विभाग में शोक

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई /नवप्रदेश। जिले से एक दुखद और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। छुईखदान थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक शीतल यादव (42 वर्ष) ने शनिवार तड़के अपने निवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शीतल यादव शहर के वार्ड क्रमांक 16 स्थित दाऊचौरा में अपनी पत्नी और बेटी के साथ निवास करते थे। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को ड्यूटी पूरी करने के बाद वे देर रात घर लौटे थे। परिवार के अन्य सदस्य एक कमरे में सो रहे थे, जबकि शीतल यादव हॉल में सोए हुए थे।

शनिवार सुबह लगभग 4 बजे उनकी पत्नी की नींद खुली। जब उन्होंने हॉल में जाकर देखा तो शीतल यादव गमछे के सहारे फांसी के फंदे पर लटके हुए थे। यह दृश्य देखकर वे घबरा गईं और तत्काल घर से बाहर निकलकर आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। शोर सुनकर मोहल्लेवासी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही खैरागढ़ पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का मामला सामने आया है, हालांकि घटना के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। परिजनों और परिचितों से पूछताछ कर आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में शोक का माहौल है।

मृतक प्रधान आरक्षक शीतल यादव अपने व्यवहार और कार्यशैली के लिए जाने जाते थे। उनके आकस्मिक निधन से परिवार सहित पुलिस विभाग को गहरा आघात पहुंचा है। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

करीब 29.72 करोड़ रुपये की निवेशकों की राशि हड़पने का मामला, पंजाब से लाए गए आरोपी

n पीएसीएल कंपनी के दो एजेंट गिरफ्तार

कवर्धा / नवप्रदेश। चिटफंड कंपनियों द्वारा आम जनता से की गई धोखाधड़ी के मामलों में कबीरधाम पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पल्स एग्रोटेक कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसीएल) कंपनी से जुड़े दो एजेंटों एवं संचालकों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

पुलिस अधीक्षक कबीरधाम धर्मेंद्र सिंह के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार, पीएसीएल कंपनी ने लोगों को कम समय में राशि दोगुनी करने और अधिक ब्याज का लालच देकर निवेश कराया था। बाद में निवेशकों की जमा राशि वापस नहीं की गई। इस संबंध में ग्राम महराटोला निवासी ढेलउ राम साहू तथा ग्राम धनेली निवासी पुनीता बाई द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी।जांच में सामने आया कि

कंपनी ने जिले के 13,275 निवेशकों से लगभग 29 करोड़ 72 लाख 41 हजार 178 रुपये जमा कराए थे, लेकिन निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद भी निवेशकों को उनकी राशि वापस नहीं मिली।

मामले में थाना कवर्धा में धारा 420, 406, 34 भारतीय दंड संहिता, इनामी चिटफंड एवं धन परिचालन योजना (प्रतिषेध) अधिनियम तथा छत्तीसगढ़ निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना की गई। जांच के दौरान कंपनी के कई संचालकों के खिलाफ पूर्व में भी न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया जा चुका है।

जांच के दौरान आरोपी गुरनाम सिंह एवं गुरूजंत सिंह गिल के उत्तर प्रदेश के जालौन जिले की उरई जेल में निरुद्ध होने की जानकारी मिली। इसके बाद प्रोडक्शन वारंट जारी कर विशेष पुलिस टीम भेजी गई। न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को कबीरधाम लाया गया, जहां पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर दोनों को जेल भेज दिया गया।

गिरफ्तार आरोपी

गुरनाम सिंह (70 वर्ष), निवासी जिला रूपनगर (रोपड़), पंजाब।

गुरूजंत सिंह गिल (76 वर्ष), निवासी मोहाली, पंजाब।

पुलिस की अपील

कबीरधाम पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संस्था या कंपनी में निवेश करने से पहले उसकी वैधानिकता और विश्वसनीयता की पूरी जांच करें तथा किसी भी संदिग्ध निवेश योजना की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

जन्मदिन पर 46 रक्तवीरों ने पेश किया समाजसेवा व मानवता का अनूठा उदाहरण

अच्छी पहलः छात्र युवा मंच की पहल पर मोतीपुर में लगाया गया रक्तदान शिविर, सबको मिला हेलमेट

राजनांदगांव/नवप्रदेश। समाजसेवा और मानवता के प्रति समर्पण का अनूठा उदाहरण उस समय देखने को मिला जब जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में 46 रक्तवीरों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदान का संकल्प लिया। नई दुनिया के ब्यूरो चीफ मिथलेश देवांगन और जय चोटिया, थाविस्का चोटिया, दर्शन चोटिया, गजेंद्र निर्मलकर, जितेंद्र साहू व अंकिता ओटी के जन्मदिन पर मोतीपुर में देवांगन समाज के भवन में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। प्रत्येक रक्तवीर को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेलमेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस पहल ने रक्तदान के साथ-साथ यातायात सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि जन्मदिन केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का भी माध्यम होना चाहिए। रक्तदान जैसे पुण्य कार्य से अनेक जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलता है और अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित होती है। सभी ने मिथलेश देवांगन के इस सामाजिक सरोकार की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को समाजसेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

रक्तवीरों के उत्साह और सेवा भावना ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। छायुमं के प्रदेश संयोजक नागेश यदु ने बताया कि छायुमं का यह 145वां रक्तदान शिविर है। मंच के नगर अध्यक्ष साहिल जंघेल, शिविर प्रभारी भव्य देवांगन व बालकृष्ण कोमरे ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगी संस्थाओं व गणमान्य नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी रक्तदान जागरूकता अभियान को निरंतर जारी रखने की बात कही। शिविर में डा. चंद्रशेखर शर्मा, देवांगन समाज की तरफ से इंजीनियर जीआर देवांगन, दयावान देवांगन, जेठूराम, पंचम, मनहरण, शोभाराम, बाबूलाल, रामकुमार देवांगन, मुन्ना, प्रेम सिन्हा, प्रकाश साहू, महेश (रिंकू) सिन्हा आदि का सहयोग रहा।

सुशासन तिहार के जिले मे आखिरी समाधान शिविर का अमलीडीह कला मे हुआ आयोजन

753 आवेदन मिले, 150 लोगों की जांच, 5 हितग्राहियों को मिला नि:शुल्क चश्मा

खैरागढ़/नवप्रदेश। सुशासन तिहारअंतर्गत जिले का अंतिम जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण एवं समाधान शिविर अमलीडीहकला में आयोजित हुआ । शिविर मे अमलीडीहकला क्लस्टर की ग्राम पंचायत ढोलियाकन्हार, दिलीपपुर, खजरी, कटंगीकला, मुहडबरी, अकरजन, कांचरी, टेकापारकला, कुलीकसा, भूलाटोला, बाजगुड़ा, एटीकसा,

बैहाटोला, कोहकाबोड़, कटंगीखुर्द, विक्रमपुर एवं कोड़ेनवागांव सहित कुल 16 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों से शिविर में कुल 753 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें 750 मांग संबंधी एवं 3 शिकायत आवेदन शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागीय स्टॉलों के अवलोकन के साथ हुआ। विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने शासन की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर अपनी समस्याओं एवं मांगों से प्रशासन को अवगत कराया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है तथा जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने और शासन-प्रशासन के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने का आह्वान किया। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने कहा कि सुशासन तिहार- के अंतर्गत जिले में 19 समाधान शिविरों का सफल आयोजन हुआ जिनमें लगभग 24 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं।

बसन्तपुर जूनियर साई क्लब द्वारा आयोजित अंडर-23 क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल समापन

अंपायर लायंस इलेवन बनी विजेता

राजनांदगांव/नवप्रदेश। बसन्तपुर जूनियर साई क्लब के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय अंडर-23 क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य एवं सफल समापन हुआ। आईपीएल की तर्ज पर आयोजित इस प्रतियोगिता में शहरी क्षेत्र से दुर्ग, भिलाई,राजनांदगाँव और ग्रामीण क्षेत्रों से मोहला-मानपुर-चौकी, अर्जुनी, डोंगरगांव, सुरगी के लगभग 90 प्रतिभावान खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान सभी खिलाड़ियों ने खेल भावना का परिचय देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट का सफल

संचालन गगनदीप चीमा एवं गोपी यादव के नेतृत्व में किया गया। वहीं अंपायर के रूप में दुर्गेश साहू, कनक साहू, लुकेश (बंटी) साहू एवं लाल बहादुर ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन को सफल बनाने में साई क्लब के सभी खिलाड़ियों एवं सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला -एम्पायर लायंस इलेवन एवं विलेजर इलेवन के मध्य खेला गया।

न्यूज गैलरी

गवाही देने पर जान से मारने की धमकी, दंपत्ति पर अपराध दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना थाना क्षेत्र के ग्राम बड़े साजापाली में एक महिला के साथ मारपीट, गला दबाने तथा कुत्ते से कटवाने का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने आरोपी दंपत्ति के खिलाफअपराध दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक जमुना बाई भारद्वाज (50) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह गांव की नोनीबाई बंजारे की बाड़ी में सब्जी-भाजी लगाने और उसकी देखरेख का कार्य करती है। गांव का ईश्वर भारद्वाज उसे वहां काम करने से मना करता था, लेकिन वह काम पर जाती रही। शिकायत के अनुसार 2 जून की शाम करीब 5.30 बजे ईश्वर भारद्वाज उसके घर में घुस आया और मारपीट की।

पीड़िता ने बताया कि अगले दिन 3 जून की सुबह ईश्वर भारद्वाज ने बैठक बुलाई थी, जिसमें वह शामिल नहीं हुई। इससे नाराज होकर ईश्वर अपनी पत्नी लक्ष्मी बाई भारद्वाज के साथ उसके घर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। दोनों ने उसके साथ मारपीट की तथा गला दबाने का प्रयास किया। आरोप है कि ईश्वर ने अपने पालतू कुत्ते से भी उसे कटवाने की कोशिश की। साथ ही अनिता सक्सेना से जुड़े मामले में न्यायालय में गवाही देने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी दंपत्ति के खिलाफबीएनएस की धारा 331(3), 296, 351(3), 115(2) एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सास और देवर पर महिला को धमकाने का आरोप

महासमुंद/नवप्रदेश। शहर के नयापारा क्षेत्र में एक महिला के साथ गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने सास और देवर के खिलाफअपराध दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भारती ओगरे ने शिकायत दर्ज कराई है कि 3 जून को उसकी सास कातिकमती ओगरे और देवर सूरज ओगरे ने उससे विवाद करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर कोतवाली पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफबीएनएस की धारा 296, 351(3) एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जमीन बंटवारे के विवाद में बुजुर्ग दंपत्ति से मारपीट

महासमुंद/नवप्रदेश। सरायपाली थाना क्षेत्र के ग्राम मोहनमुड़ा में जमीन बंटवारे को लेकर हुए विवाद में पुत्र और बहू द्वारा अपने माता-पिता से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार सुंदरलाल पटेल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसका छोटा पुत्र सेत कुमार पटेल अपनी पत्नी मीनाक्षी पटेल के साथ अलग रहता है। वह आए दिन शराब के नशे में जमीन के बंटवारे की मांग करते हुए विवाद करता रहता है। 4 जून की रात करीब 10 बजे सुंदरलाल अपने घर की परछी में बैठा था, तभी सेत कुमार वहां पहुंचा और खेती की जमीन का बंटवारा करने की बात को लेकर विवाद करने लगा। शिकायतकर्ता के मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी पत्नी रामकुंवर पटेल के साथ भी आरोपी दंपत्ति ने मारपीट की। मामले में सरायपाली पुलिस ने सेत कुमार पटेल और मीनाक्षी पटेल के खिलाफबीएनएस की धारा 115(2), 296, 351(2) एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुरानी रंजिश में दो लोगों पर हमला, मामला दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। पटेवा थाना क्षेत्र के ग्राम फरफौद में पुरानी रंजिश को लेकर दो लोगों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक प्रेम प्रकाश ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह अपने साथी ताम्रध्वज दीवान के साथ ट्रैक्टर से भटगांव खार जा रहा था। रात करीब 9 बजे सरई ढोड़गी तालाब के पास गांव के परमेश्वर यादव और भुनेश्वर यादव ने पुरानी रंजिश के चलते रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए डंडे एवं टंगिया के बेंट से उसकी पिटाई कर दी।

मारपीट के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे ताम्रध्वज दीवान के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। शिकायत के आधार पर पटेवा पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफबीएनएस की धारा 115(2), 296, 351(3) एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

आधुनिक टेक्नोलॉजी से खुद को रखे प्रशिक्षित और सक्षम - डीआईजी

बेमेतरा/नवप्रदेश। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव के मार्गदर्शन में पुलिस कार्यालय बेमेतरा स्थित मीटिंग हॉल में जिले के राजपत्रित अधिकारियों व थाना/चौकी प्रभारियों की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में सीएम हेल्पलाइन 1076, समन्वय पोर्टल, साइबर पुलिस पोर्टल के उपयोग और संचालन के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर डीआईजी रामकृष्ण साहू ने प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक टेक्नोलॉजी के इस युग में अपने आप को पूरी तरह प्रशिक्षित एवं सक्षम रखें और उच्च अधिकारियों के निर्देश की पालन करते हुए मांगे गए जवाब को निश्चित समय अवधि में भेजना सुनिश्चित करें। ÷साइबर अपराधों को प्राथमिकता पर रखते हुए डेटा का डिजिटलीकरण और उसका सुरक्षित प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। साइबर सुरक्षा को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाना तथा डिजिटल साक्ष्यों का सुरक्षित एवं प्रभावी प्रबंधन करना समय की मांग है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगरी काष्ठागार परिसर में 100 पौधों का रोपण

नगरी/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार एवं शनिवार को नगरी काष्ठागार सेक्टर-05 परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने सहभागिता निभाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में सिहावा विधायक अंबिका मरकाम, नगर पंचायत नगरी अध्यक्ष बलजीत सिंह छाबड़ा, भाजपा नगरी मंडल महामंत्री कमल डागा, विकल गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि भानेंद्र ठाकुर, मोहन नाहटा, नगर पंचायत के पार्षदगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।इस अवसर पर एसडीएम प्रीति दुर्गम, एसडीओपी विपिन रंगारी, उप वन मंडल अधिकारी नगरी संजय रौतिया, परिक्षेत्र अधिकारी नगरी खिन्नुप्रसाद जोशी, परिक्षेत्र अधिकारी सांकरा संदीप कुमार सोम, परिक्षेत्र अधिकारी काष्ठागार नगरी द्वारिका प्रसाद साहू, वन क्षेत्रपाल उमेश कुमार सोरी सहित नगरी एवं सांकरा वन परिक्षेत्र के सभी वन कर्मचारियों की उपस्थिति में आंवला, सिरस, बेल, करंज, आम एवं अन्य प्रजातियों के लगभग 100 पौधों का रोपण किया गया।वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने का भी माध्यम है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया।

महासमुंद में दुग्ध क्रांति की नई मिसाल, रोज हो रही 34 हजार लीटर दूध की बिक्री

■ 156 दुग्ध समितियां सक्रिय, महिला एवं आदिवासी परिवारों को डेयरी व्यवसाय से जोड़ने की पहल तेज

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में पशुपालन ग्रामीण आजीविका का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है। दुग्ध उत्पादन और विपणन के क्षेत्र में लगातार हो रही वृद्धि से हजारों पशुपालक परिवारों की आय में इजाफा हो रहा है। वर्तमान में जिले से प्रतिदिन लगभग 34 हजार लीटर दूध का विक्रय किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है।

पशुपालन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 21वीं पशुगणना में जिले में कुल 1 लाख 91 हजार 309 पशुधन दर्ज किए गए हैं। इनमें 1 लाख 78 हजार 533 गौवंशीय तथा 12 हजार 776 भैंसवंशीय पशु शामिल हैं। विभागीय प्रयासों और डेयरी व्यवसाय के विस्तार के कारण जिले में दुग्ध उत्पादन लगातार बढ़ रहा है।

जिले में संचालित देवभोग दुग्ध महासंघ प्रतिदिन लगभग 17 हजार 200 लीटर दूध का संग्रहण कर रहा है। वहीं हर्षन डेयरी, शारदा डेयरी, प्रगति डेयरी और गाया डेयरी जैसी निजी डेयरियां भी मिलकर प्रतिदिन करीब 17 हजार लीटर दूध खरीद रही हैं। इस प्रकार जिले में प्रतिदिन कुल 34 हजार लीटर दूध का विपणन हो रहा है।

उन्नत नस्लों पर विशेष फोकस: जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए उन्नत नस्ल की गायों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए सेक्स सॉर्टेड सीमेन तकनीक के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान कराया जा रहा है।

हरा चारा और साईलेज से बढ़ेगी उत्पादन क्षमता

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुपालकों को उन्नत हरा चारा उत्पादन और साईलेज निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अब तक 32 पशुपालकों को रायपुर जिले के सेमरिया स्थित टाँक डेयरी फर्म का भ्रमण कराकर प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही 16 हितग्राहियों को चारा उत्पादन एवं साईलेज निर्माण के लिए अनुदान भी प्रदान किया गया है।

दुग्ध समितियों का हो रहा विस्तार

दुग्ध व्यवसाय को संगठित और सुदृढ़ बनाने के लिए सहकारी दुग्ध समितियों का विस्तार किया जा रहा है। पिछले वर्ष जिले में 131 सक्रिय दुग्ध समितियां थीं, जिनकी संख्या बढ़कर अब 156 हो गई है। इसके लिए 25 नई समितियों का गठन किया गया है। वहीं 30 और नई समितियां शुरू करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, जनप्रतिनिधियों ने भी किया वृक्षारोपण

सीएम साय ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौध रोपण

गरियाबंद/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में शामिल होने गरियाबंद पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिला पंचायत कार्यालय परिसर में ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान के तहत पीपल का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गत वर्ष ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान की शुरुआत की गई थी। यह अभियान लोगों को अपनी माताओं के सम्मान में पौधारोपण के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी पूरे देश में यह अभियान उत्साहपूर्वक संचालित किया जा रहा है तथा इसके तहत प्रदेशभर में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने भी विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू, बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यपए मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंहए जनसंपर्क विभाग के आयुक्त एवं मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसलए संभागायुक्त श्याम धावड़े ए पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ए कलेक्टर बी एस उइके पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर सहित अन्य जिले कलेक्टरए पुलिस अधीक्षकए जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विभागीय स्टॉलों के माध्यम से त्वरित समाधान, हितग्राहियों को मिला लाभ

कुरुद/नवप्रदेश। नगर पालिका कुरूद मे स्वामी विवेकानंद मंगल भवन केनाल रोड मे सुशासन तिहार का आयोजन किया गया.। इस सुशासन शिविर में शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिलाबाल विकास, पुलिस प्रशासन, नगर पालिका प्रशासन, विद्युत विभाग द्वारा स्टाल लगाया गया और लोगों के आवेदन का त्वरित समाधान और विभागीय कार्यवाही की गई ।

सुशासन शिविर नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति भानु चंद्राकर के आतिथ्य मे शुभारंभ हुआ,। शिविर में सभी विभागों के स्टालो का निरा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली, हितग्राहियों से चर्चा कर शासन की ओर से सम्मानित किया गया, कुपोषित बच्चों को पोषण टोकनी का वितरण किया एवं नोनी योजना के तहत योजना सर्टिफिकेट बच्चियों के पलकों को दिया।में समस्त विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।सभी विभागों को हितग्राहियों के आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करने और ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों को विष्णुदेव साय जी के सुशासन का और मोदी की गारंटी मे केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया !

इस अवसर पर पार्षदों मे मिथलेश बैस, सीतेश सिन्हा, रवि मानिकपुरी, कविता चंद्राकर, राजकुमारी ध्रुव, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष धनेश्वरी निर्मलकर, पूर्व पार्षद विनोद चंद्राकर भी उपस्थित रहे।

हेलीपैड पर बच्चों के आत्मीय स्वागत से भावुक हुए सीएम, देर तक करते रहे बातचीत, बढ़ाया उत्साह

गरियाबंद/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के गरियाबंद आगमन के दौरान हेलीपैड पर एक ऐसा भावुक और मनमोहक दृश्य देखने को मिलाए जिसने वहां मौजूद हर व्यक्ति का दिल छू लिया। राजिम विधायक रोहित साहू की पहल पर स्थानीय नन्हे.मुन्ने बच्चों की मुख्यमंत्री से मुलाकात कराई गई।

मुख्यमंत्री के हेलीपैड पहुंचते ही बच्चों ने अपने छोटे.छोटे हाथों में गुलाब के फूल लेकर उनका आत्मीय स्वागत किया। ष्मुख्यमंत्री जी का स्वागत हैण्ण्ण् स्वागत हैण्ण्ण्ष् के स्वर जैसे ही गूंजेए पूरा माहौल स्नेह और अपनत्व से भर उठा। मासूम बच्चों की निश्छल मुस्कान और उत्साह देखकर मुख्यमंत्री भी भावुक हो उठे।

बच्चों के बीच पहुंचकर मुख्यमंत्री ने न सिर्फ उनका अभिवादन स्वीकार कियाए बल्कि उनसे आत्मीयता से बातचीत भी की। उन्होंने बच्चों का हालचाल जानाए उनका उत्साह बढ़ाया और खूब स्नेह लुटाया। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर मुख्यमंत्री से मिलने की खुशी साफ झलक रही थीए मानो उन्हें कोई अपना अभिभावक मिल गया हो। हेलीपैड पर कुछ पल के लिए प्रशासनिक और राजनीतिक

औपचारिकताएं पीछे छूट गईं और वहां केवल बच्चों की मासूमियतए गुलाब की खुशबू और आत्मीय संबंधों का दृश्य दिखाई दे रहा था। मुख्यमंत्री और बच्चों के बीच का यह भावनात्मक संवाद उपस्थित लोगों के लिए यादगार बन गया। नन्हे हाथों में गुलाब और होठों पर स्वागत के शब्दण्ण्ण् गरियाबंद में मुख्यमंत्री के स्वागत का यह दृश्य पूरे दिन चर्चा का विषय बना रहा।

छिंदारी बांध में बढ़े हादसे, सुरक्षा की मांग

लगातार हो रही दुर्घटनाओं को रोकने अब तक नही उठाए गए ठोस कदम

छुईखदान/नवप्रदेश। क्षेत्र के प्रमुख पर्यटन एवं प्राकृतिक स्थलों में शामिल छिंदारी बांध (रानी रश्मि देवी जलाशय) में लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल ही में जलाशय में घूमने गए एक छात्र की दुखद मृत्यु के बाद क्षेत्रवासियों में आक्रोश और चिंता का माहौल है। लोगों का कहना है कि बार-बार हादसे होने के बावजूद संबंधित विभाग द्वारा सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

फेंसिंग और बाउंड्री वॉल निर्माण की मांग तेज

स्थानीय नागरिकों के अनुसार जलाशय का अधिकांश हिस्सा खुला हुआ है, जहां किसी प्रकार की पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था मौजूद नहीं है। बांध के आसपास न तो फेंसिंग की गई है और न ही स्थायी बाउंड्री वॉल का निर्माण किया गया है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में पर्यटक, युवा और पिकनिक मनाने वाले लोग सीधे जलाशय के किनारों और गहरे हिस्सों तक पहुंच जाते हैं। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि जलाशय के कम से कम तीन ओर मजबूत फेंसिंग अथवा बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों की अनियंत्रित आवाजाही रोकी जा सके और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो।

गहरे एवं खतरनाक क्षेत्रों की पहचान जरूरी

नागरिकों का कहना है कि जलाशय में कई ऐसे स्थान हैं जहां पानी की गहराई अधिक है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इन क्षेत्रों में चेतावनी बोर्ड, सुरक्षा संकेतक एवं खतरे के निशान लगाए जाने चाहिए। साथ ही दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को फेंसिंग के माध्यम से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए, ताकि अनजान लोग जोखिम वाले स्थानों तक न पहुंच सकें।

छात्र की मौत के बाद बढ़ा जनआक्रोश

हाल ही में एक छात्र की जलाशय में डूबने से हुई मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। इस घटना के बाद लोगों ने प्रशासन और जल संसाधन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि पहले से पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था होती तो इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सकता था।

पेज 3 का शेष...

आधी रात को..

कार्यालय खुलवाकर महत्वपूर्ण फाइलें और दस्तावेज गायब करने का गंभीर आरोप लगा है।

जांच के लिए बनी 4 सदस्यीय टीम, 3 दिन में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश: आधी रात को दफ्तर से दस्तावेज ले जाने की घटना को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त संचालक (नगरीय प्रशासन एवं विकास, बस्तर संभाग) ने चार सदस्यीय जांच टीम का गठन कर दिया है। इस टीम को तीन दिनों के भीतर अपनी जांच पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। अब पूरे मामले में निगाहें जांच टीम की रिपोर्ट पर टिकी हैं। यदि दस्तावेजों से छेड़छाड़ या फाइल गायब करने के आरोप सही पाए जाते हैं, तो वित्तीय अनियमितताओं के साथ-साथ सबूतों को प्रभावित करने (खराब करने) का मामला भी अधिकारियों के लिए बड़ी कानूनी मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

आधी रात को खुला दफ्तर, भृत्य को बुलाकर खुलवाया इंजीनियर कक्ष

जानकारी के अनुसार, विकास कार्यों और सामग्री क्रय के नाम पर लाखों रुपये के भुगतान में भारी गड़बड़ी सामने आने के बाद राज्य शासन ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी विकास पाटले और लेखापाल सूर्यकिरण चिडेम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। लेकिन मामला यहीं नहीं रुका। सूत्रों के मुताबिक, निलंबन आदेश जारी होने के बाद 26. और 27. मई की दरमियानी रात करीब 2.बजे दोनों अधिकारी नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने कार्यालय के भृत्य (चपरासी) अशोक देवर को घर से बुलाकर दफ्तर खुलवाया और इंजीनियर कक्ष का ताला तुड़वाकर/खुलवाकर अलमारी में रखी महत्वपूर्ण नस्तियों (फाइलों) व दस्तावेजों को अपने कब्जे में ले लिया।

बड़ा सवाल

स्थानीय स्तर पर इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं गर्म हैं। सवाल उठ रहा है कि आखिर आधी रात को दफ्तर खोलने और दस्तावेज निकालने की जरूरत क्यों पड़ी? क्या यह कार्रवाई जांच से जुड़े सबूतों को नष्ट या प्रभावित करने के लिए की गई थी?

युक्तियुक्तकरण की ...

प्रभारी अधिकारियों के भरोसे चल रहे जिले

इस पूरे विवाद के पीछे विभाग की एक बड़ी प्रशासनिक कमजोरी भी उजागर हुई है।

नियमित अधिकारियों की कमीः प्रदेश के अधिकांश जिलों में नियमित जिला शिक्षा अधिकारी तैनात नहीं हैं। अधिकारियों के सेवानिवृत्त होने के बाद से पद खाली पड़े हैं।

प्रभारी व्यवस्था का साइड-इफेक्टः कई जिलों में 'प्रभारी' अधिकारियों के भरोसे काम चल रहा है। इस कामचलाऊ व्यवस्था के कारण शिक्षा प्रशासन की कार्यप्रणाली बुरी तरह प्रभावित हो रही है और संचालनालय के आदेशों की लगातार अनदेखी हो रही है।

क्या है मामला?

छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के बाद बड़े पैमाने पर तबादले और नई पदस्थापनाएं की गई थीं। इसके बावजूद सैकड़ों शिक्षकों ने अपने नए स्कूलों में आमद दर्ज नहीं कराई और वे लंबे समय से अनुपस्थित चल रहे हैं। संचालनालय द्वारा बार-बार रिमाइंडर भेजने के बाद भी जिला स्तर के अधिकारियों ने इन लापरवाह शिक्षकों पर की गई कार्रवाई का विवरण ऊपर नहीं भेजा, जिसके बाद अब यह कड़ा एक्शन लिया गया है।

वैश्विक अनिश्चितता...

भारत पर होने वाले असर का गहन विश्लेषण किया।

सप्लाई चेन और ऊर्जा बाजारः पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों, वैश्विक सप्लाई चेन और व्यापारिक मार्गों पर पड़ने वाले प्रभावों पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

आर्थिक सुरक्षा चक्रः विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत है, लेकिन बाहरी झटकों से घरेलू बाजार को बचाने के लिए निरंतर सतर्कता और त्वरित नीतिगत फैसलों की जरूरत है।

अय्यर बने भारत के...

बनाने वाले श्रेयस अय्यर को कप्तानी का इनाम मिला है। इसके अलावा लंबे समय बाद तेज गेंदबाज हर्षित राणा की वापसी हुई है। आयरलैंड के खिलाफः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और वैभव सूर्यवंशी।

सुशासन चौपालः खाट ...

वे गांव के बीच एक विशाल आम के पेड़ की छांव में बिछी खाट पर बैठे, ग्रामीणों से सीधे रूबरू हुए और शासन की योजनाओं का जमीनी फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही जनता की समस्याओं का निपटारा किया और क्षेत्र के विकास के लिए कई बड़ी घोषणाएं भी कीं।

जनचौपाल की बड़ी घोषणाएं

ग्रामीणों और मरवाही विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची की मांग पर मुख्यमंत्री ने तत्काल निम्नलिखित सौगातें देने की घोषणा कीः

नर्सिंग कॉलेजः जिले में स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की जाएगी।

मिनी स्टेडियमः ग्राम निमधा के युवाओं और खेल प्रतिभाओं के लिए मिनी स्टेडियम का निर्माण होगा।

मंगल भवनः सर्वसमाज के सामाजिक आयोजनों के लिए एक विशाल मंगल भवन को मंजूरी दी गई।

बिजली और राजस्व मामलों पर ऑन-द-स्पॉट एक्शन

कड़ी चेतावनीः जनसंवाद के दौरान राजस्व विभाग से जुड़ी शिकायतें सामने आने पर मुख्यमंत्री ने संबंधित राजस्व निरीक्षकों को सख्त लहजे में चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट कहा, जनता की समस्याओं का समय पर निराकरण करें, अन्यथा कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

फोन पर 'तीन तलाक'...

जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने शुरू की जांचः पति के इस कदम से आहत होकर पीड़िता ने सिविल लाइन थाने पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने महिला के बयानों के आधार पर आरोपी पति शाहिद रजा के खिलाफप्रताड़ना और तीन तलाक से संबंधित गैर-कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब मामले की तकनीकी और कानूनी जांच में जुट गई है।

विश्व कल्याण,पर्यावरण संरक्षण और सनातन संस्कृति के संवर्धन के लिए होगा विश्वशांति हरिहर

8 से 12 जून तक प्राचीन श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में गूंजेंगे वैदिक मंत्र,13 जून को महाभंडारा

जगदलपुर/नवप्रदेश। बदलते सामाजिक परिवेश, प्रकृति के बढ़ते संकट और सनातन संस्कृति के संरक्षण के संकल्प के साथ शहर के पनारापारा स्थित रियासतकालीन प्राचीन श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में विश्वशांति हरिहर महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। 8 जून से 12 जून तक चलने वाले इस पंचदिवसीय महायज्ञ में विश्व कल्याण, पर्यावरण शुद्धि, सुख-समृद्धि और अखंड भारतवर्ष के अभ्युदय की कामना के साथ वैदिक अनुष्ठान संपन्न होंगे।

आयोजन से जुड़े आचार्य पंडित रोमित त्रिपाठी ने बताया कि वैदिक परंपरा में यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि प्रकृति, समाज और मानव जीवन के संतुलन का माध्यम माना गया है। शास्त्रों में वर्णित है कि यज्ञ से पर्यावरण शुद्ध होता है, समय पर वर्षा होती है और समस्त प्राणियों के जीवन के लिए आवश्यक अन्न की समृद्धि सुनिश्चित होती है। उन्होंने कहा कि आज जब जल, जंगल और पर्यावरण संरक्षण वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है, तब यज्ञ का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

यज्ञ से प्रकृति, समाज और संस्कृति के संरक्षण का मिलेगा संदेश,हजारों श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना

महायज्ञ के माध्यम से लोगों को नदियों,तालाबों और जलस्त्रोतों की स्वच्छता, वृक्षारोपण तथा प्रकृति संरक्षण का संदेश भी दिया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार यज्ञ समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। इसमें विभिन्न समुदायों की सहभागिता हमारी सनातन संस्कृति की समरसता और ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷ की भावना को साकार करती है। महायज्ञ के उपरांत 12 एवं 13 जून को कलियुग के महामंत्र हरिनाम का अखंड संकीर्तन होगा। 13 जून को पूर्णाहुति एवं विशाल महाभंडारे के साथ आयोजन का समापन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी की व्यवस्था रहेगी।

15 गांवों की आस्था का केंद्र है यह आयोजन

प्राचीन श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में आयोजित होने वाला अखंड संकीर्तन और महायज्ञ क्षेत्र की धार्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रत्येक वर्ष आयोजित इस आध्यात्मिक आयोजन में आसपास के लगभग 15 गांवों के ग्रामीण श्रद्धापूर्वक शामिल होते हैं। वैदिक यज्ञ, अखंड हरिनाम संकीर्तन और सामूहिक प्रसादी के माध्यम से यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता का भी सशक्त संदेश देता है।

नवा रायपुर में स्कूल शिक्षा विभाग और लोक शिक्षण संचालनालय को ज्ञापन

पुरानी पेंशन,टीईटी एवं अतिरिक्त अवकाश की मांग को लेकर शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

शिक्षकों के हित में शीघ्र निर्णय लेने की उठाई मांग

जगदलपुर/नवप्रदेश। नवा रायपुर। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षकों की विभिन्न लंबित एवं महत्वपूर्ण मांगों को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग एवं लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली,टीईटी संबंधी समस्याओं के समाधान तथा अनुसूचित क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों को अतिरिक्त 10 दिवस अर्जित अवकाश प्रदान करने की मांग की गई।

एसोसिएशन ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि ये मांगें प्रदेश के हजारों शिक्षकों के हितों से जुड़ी हुई हैं। पुरानी पेंशन योजना कर्मचारियों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है, जबकि टीईटी संबंधी विसंगतियों के समाधान से शिक्षकों को राहत मिलेगी। इसके साथ ही अनुसूचित क्षेत्रों में विशेष परिस्थितियों में कार्यरत शिक्षकों को अतिरिक्त 10 दिवस अर्जित अवकाश प्रदान किया जाना आवश्यक है। प्रतिनिधिमंडल ने शासन एवं विभागीय अधिकारियों से मांगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया। अधिकारियों ने ज्ञापन प्राप्त कर नियमानुसार मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष (बस्तर) लुदर सन कश्यप, जिला उपाध्यक्ष सुधीर दुबे,जिला सचिव मो ताहीर शेख, जिला संगठन मंत्री गजराज सिंह,जिला संगठन मंत्री अकबर खान, प्रदेश महिला प्रतिनिधि कमला शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य इस अवसर पर उपस्थित रहे।

टीईटी से जुड़ी समस्याओं एवं विसंगतियों के समाधान

शिक्षकों की तीन प्रमुख मांगें छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने ज्ञापन के माध्यम से पुरानी पेंशन योजना की बहाली,टीईटी से जुड़ी समस्याओं एवं विसंगतियों के समाधान तथा अनुसूचित क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों को अतिरिक्त 10 दिवस अर्जित अवकाश प्रदान करने की मांग उठाई है। संगठन का कहना है कि इन मांगों के पूरा होने से शिक्षकों की सामाजिक सुरक्षा मजबूत होगी, कार्य संतुष्टि बढ़ेगी तथा शैक्षणिक व्यवस्था को भी सकारात्मक लाभ मिलेगा।

उपचुनाव हार के बाद महापौर बौखलाहट में दे रहे आपत्तिजनक बयानः राजेश

इंदिरा वार्ड की जनता को पाकिस्तानी बताना लोकतांत्रिक मूल्यों और जनमत का अपमान

जगदलपुर/नवप्रदेश। नगर निगम जगदलपुर के नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने महापौर के कथित आपत्तिजनक बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि इंदिरा वार्ड उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी की हार के बाद महापौर बौखलाहट में अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रामकृष्ण तिवारी की 436 मतों से हुई जीत को भाजपा नेतृत्व पचा नहीं पा रहा है, जिसके कारण जनता के जनादेश पर सवाल उठाने जैसे बयान दिए जा रहे हैं।

राजेश चौधरी ने कहा कि कांग्रेस ने उपचुनाव में स्वर्गीय पार्षद अब्दुल रशीद के विकास कार्यों और उनके अधूरे सपनों को पूरा करने के संकल्प के साथ जनता से समर्थन मांगा था। वार्ड की जनता ने कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में स्वस्फूर्त मतदान कर अपना विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा द्वारा बाहरी प्रत्याशी को मैदान में उतारने और चुनाव में बड़े नेताओं की सक्रियता के बावजूद जनता ने विकास और स्थानीय जुड़ाव को प्राथमिकता दी।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यदि महापौर ने वास्तव में किसी वार्ड की जनता को पाकिस्तान से जोड़कर टिप्पणी की है तो यह न केवल उस वार्ड बल्कि पूरे शहर के नागरिकों का अपमान है। उन्होंने कहा कि चुनावी हार-जीत लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन जनता के निर्णय पर सवाल उठाना और समाज में विभाजनकारी संदेश देना उचित नहीं है। कांग्रेस ने महापौर से अपने बयान को स्पष्ट करने और शहरवासियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। राजेश चौधरी ने कहा कि ऐसे बयान शहर के सौहार्दपूर्ण वातावरण को प्रभावित कर सकते हैं,इसलिए जनप्रतिनिधियों को संयमित और जिम्मेदार भाषा का प्रयोग करना चाहिए।

क्या है विवाद का कारण?: इंदिरा वार्ड क्रमांक 16 के उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रामकृष्ण तिवारी ने भाजपा प्रत्याशी को 436 मतों से पराजित किया था। इसके बाद महापौर के एक कथित बयान को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस का आरोप है कि बयान में वार्ड की जनता का अपमान किया गया है, जबकि पार्टी ने इसे लोकतांत्रिक जनादेश के खिलाफ बताया है। कांग्रेस पार्षद दल ने महापौर से सार्वजनिक माफी की मांग करते हुए कहा है कि चुनाव परिणामों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना लोकतांत्रिक परंपरा का हिस्सा है।

जगदलपुर के विकास कार्यों का उप मुख्यमंत्री साव ने किया निरीक्षण

पेयजलनालंदा परिसर और तालाब सौंदर्याकरण कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

जगदलपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन, लोक निर्माण एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मंत्री अरुण साव ने अपने जगदलपुर प्रवास के दौरान शहर में संचालित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री ने पावर हाउस चौक स्थित फिल्टर प्लांट एवं महारानी वार्ड में लगभग 101 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित नयामुंडा फिल्टर प्लांट का अवलोकन किया। उन्होंने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की जानकारी लेते हुए नागरिकों को बेहतर एवं निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके बाद उन्होंने पीजी कॉलेज धरमपुरा में लगभग 11 करोड़ 18 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण किया और निर्माण एजेंसी को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

शहर में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों पर फोकसः उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जिन प्रमुख परियोजनाओं का निरीक्षण किया उनमें लगभग 101 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नयामुंडा फिल्टर प्लांट, 11.18 करोड़ रुपये का नालंदा परिसर, 79 लाख रुपये का पण्डरीतरई तालाब सौंदर्याकरण कार्य तथा 3.71 करोड़ रुपये का गंगामुड़ा तालाब सौंदर्याकरण कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य शहर में पेयजल सुविधा सुदृढ़ करना, विद्यार्थियों को आधुनिक अध्ययन संसाधन उपलब्ध कराना तथा जलाशयों के संरक्षण एवं सौंदर्याकरण के माध्यम से शहरी विकास को नई गति देना है।

साहू समाज को मिली नई पहचान, एनएमडीसी के सहयोग से समाज भवन का लोकार्पण

किरंदुल/नवप्रदेश। एनएमडीसी प्रबंधन के सहयोग से निर्मित साहू समाज भवन का भव्य एवं ऐतिहासिक लोकार्पण समारोह हर्षोल्लास के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजनों की उपस्थिति ने इसे यादगार बना दिया। मुख्य महाप्रबंधक रविंद्र नारायण ने विधिवत फीता काटकर एवं पूजा-अर्चना के साथ भवन का लोकार्पण किया।

कर्माधाम प्रांगण में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम की शुरुआत भक्त माता कर्मा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। वक्ताओं ने माता कर्मा के जीवन को सेवा, समर्पण और मानवता की मिसाल बताते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि माता कर्मा केवल एक समाज ही नहीं, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं।

कार्यक्रम में मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन (इंटक) के सचिव ए. के. सिंह ने एनएमडीसी की सराहना करते हुए कहा कि संस्था क्षेत्र के विकास में लगातार अग्रणी भूमिका निभा रही है।

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आज निकलेगी 'संडे ऑन साइकिल' रैली

जगदलपुर/नवप्रदेश। फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत वर्ल्ड बाइसाइकिल डे के अवसर पर 07 जून को जगदलपुर में 'संडे ऑन साइकिल' अभियान का आयोजन किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य आमजन में फिटनेस, स्वास्थ्य जागरूकता तथा नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। इस आयोजन के माध्यम से नागरिकों को साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया जाएगा। आयोजित साइकिल रैली प्रातः 7 बजे लालबाग मैदान से प्रारंभ होगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

उन्नयन कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

ई-निविदा संख्याः 104 - एस एन टी - परियोजना - निविदा - 2026, दिनांकः 29.05.2026

कार्य का नामः बिलासपुर मंडल में दूरसंचार नेटवर्क की निरंतर बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु रेलनेट सर्वर का उन्नयन। **निविदा मूल्यः** ₹ 5,13,25,431.98 (₹ पाँच करोड़ तेरह लाख पच्चीस हजार चार सौ इकतीस तथा अट्ठानवे पैसे मात्र)। **बिड सिक्युरिटी (अमानत राशि):** ₹ 10,26,500.00 (₹ दस लाख छब्बीस हजार पाँच सौ मात्र)

निविदा बंद होने की तिथिः 22.06.2026 को **16.30** बजे तक।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु हमारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है, उससे देख सकते हैं।

उप मुख्य सिगनल एवं दूर. इंजी (परि.)/ सीपीआर/10/164 रायगढ़@बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

नाम-परिवर्तन

मैं कोरा ज्योति पति कोरा गुप्ता उम्र-40 वर्ष मेरा पुराना नाम के. ज्योति गुप्ता (K Jyoti Gupta) निवासी-सेक्टर-5 सड़क नं-9, ब्लाक नं 13ए, भिलाई जिला-दुर्ग, छ.ग. में मेरा (पुराना नाम) से बदलकर कोरा ज्योति (Kora Jyoti) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
कोरा ज्योति पति कोरा गुप्ता
निवासी-सेक्टर-5, सड़क नं-9, ब्लाक नं-13ए, भिलाई जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./ब-121/वर्ष 2025-26
ग्राम खिलोराकला, प.ह.न. 10

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक किशन कुमार साहू पिता श्री मुकेश साहू जाति-तेली, निवासी ग्राम खिलोराकला, तहसील धमधा जिला-दुर्ग द्वारा प्रस्तुत आवेदन में लेख है, कि आवेदक स्वयं किशन कुमार साहू पिता श्री मुकेश साहू का जन्म दिनांक 22.10.2005 को स्थान ग्राम खिलोराकला, तहसील धमधा, जिला-दुर्ग में जन्म हुआ है। जन्म का पंजीयन किसी भी जिले या स्थान में दर्ज नहीं होने से संबंधित विभाग में जन्म का पंजीयन स्थानीय रजिस्टार जन्म/मृत्यु को जन्म/मृत्यु रजिस्टीकरण म.प्र. सह पठित छ.ग. राज्य नियम 1973 के नियम 10(3) के अंतर्गत निर्देश/ आदेश देने हेतु आवेदन के साथ शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, सरपंच प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज संलग्न कर इस न्यायालय के समक्ष निवेदन पेश किया गया है।

उक्त प्रश्नाधीन वाद भूमि के संबंध में यदि जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/समिति को कोई दावा /आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी पेशी दिनांक 22.06.2026 तक न्यायालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर **तहसीलदार**
धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र/202605101200050 /अ-06/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जा है कि आवेदक अभय राम आ. स्व. अगराहिज साहू वगै. निवासी ग्राम परसाही पोस्ट फेकारी तह. पाटन जिला दुर्ग (छ.ग) के द्वारा ग्राम मासाभाट तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 477 रकबा 0.4100 हे. भूमि जो कि अगराहिज के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी के मृत्यु 04.07.2007 को हो जाने पर फौती दर्ज कर विधिक वारिसानों का नाम वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11.06.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 05.06.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **अतिरिक्त तहसीलदार**
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.202605103000087 /अ-6अ/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकः योगेश कुमार पटेल पिता जीवराखन लाल पटेल निवासी 8/7 नेहरू नगर पश्चिम भिलाई तह व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा मौजा बोरीगारका प.ह.नं. 56 रा.नि.मं. उतई, तह व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 80/6 कुल क्षेत्रफल 4800 वर्गफीट, 446.09 वर्गमीटर 0.044 हे0 ऋणपुस्तिका कमांक पी/2774366 भूमि अवस्थित है। उपरोक्त भूमि का पंजीयन हो चुका है। ऋणपुस्तिका में प्रमाणीकरण के पश्चात् भी अद्यतन ऑनलाईन में उक्त भूमि जीवराखन लाल पटेल के नाम से प्रदर्शित नही हो रहा है संभवतः उक्त भूमि की ऑनलाईन प्रविष्टि शेष है। आवेदक के पिता जीवराखन लाल पटेल का फौत दिनांक 03.04.2025 को हो चुकी है। उक्त वर्णित भूमि का आवेदक के पिता के नाम पर ऑनलाईन अभिलेख सुधार किये जाने 'आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 09.06.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 26.05.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर **नायब तहसीलदार**
दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं शपथकर्ता श्रीमती आबीदा बेगम, (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) पति स्व. गुलाम हुसैन, निवासी- 28/29, वार्ड नं.-07, आकृति हाईट्स, शिवाजी नगर, सुपेला, भिलाई, तह. व. जिला- दुर्ग (छ.ग.) 490023, एतद् द्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करती हूं तथा निम्नानुसार घोषित करती हूंः- मैं पता- 28/29, वार्ड नं.-07, आकृति हाईट्स, शिवाजी नगर, सुपेला, भिलाई, तह व जिला- दुर्ग (छ.ग.) 490023 की स्थायी निवासी हूं। मेरा पुराना नाम आबीदा बेगम है और मैं अपना नाम बदलकर आबीदा बेगम (AABIDA BEGAM) (नया नाम) अबिदा बेगम (ABIDA BEGUM) करवाना चाहती हूं। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है। मैं नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करती हूं तो उसके लिये मैं पूर्णतः स्वय जिम्मेदार रहूंगी। मैं शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूं। अतः यह शपथ पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है।

शपथकर्ती
श्रीमती आबीदा बेगम
पति स्व. गुलाम हुसैन
निवासी- 28/29, वार्ड नं. 07, आकृति हाईट्स, शिवाजी नगर, सुपेला, भिलाई, तह. व. जिला- दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं याशि जैन पिता सुनील जैन उम्र 24 वर्ष, निवासी-6/18 वार्ड क्र 39 जैन मंदिर के पीछे ऋषभ कॉलोनी दुर्ग तह व जिला दुर्ग (छ.ग.), 491001 की हूँ। जो कि निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन करती हूँ :- मैं याशि जैन उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ। मेरा पुराना नाम कु खुशी जैन (KU KHUSHI JAIN) है और मैं अपना नाम बदलकर याशि जैन (YASHI JAIN) करवाना चाहती हूँ। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण कि राशि शेष है। मैं नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करती हूँ, तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहेंगी। मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूँ तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही है।

शपथकर्ती
याशि जैन पिता सुनील जैन
निवासी-6/18 वार्ड क्र 39 जैन मंदिर के पीछे ऋषभ कॉलोनी दुर्ग तह व जिला दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 6)
आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **31788** दिनांक **05.06.2026**
वार्ड का नाम- **60 - चंद्रशेखर आजाद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652C00576** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **CHUNESHWAR SAHU** पिता / पति श्री/ श्रीमती **BUDHARU RAM SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **MOHMMAD SAKIR** पिता /पति श्री/श्रीमती **MOHMMAD JAFAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 6)
आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **31789** दिनांक **05.06.2026**
वार्ड का नाम- **59 - मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 59 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR651F00329** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **MITI JAIN** पिता / पति श्री/ श्रीमती **SUSHIL TATIYA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **ISHITA SANCHETI** पिता /पति श्री/श्रीमती **W/O DHWAJ SANCHETI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 6)
आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **31792** दिनांक **05.06.2026**
वार्ड का नाम- **60 - चंद्रशेखर आजाद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652A00050** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **ARIF ALI, YUSUF ALI** पिता / पति श्री/ श्रीमती **AYYUB ALI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **KADIR KHAN** पिता /पति श्री/श्रीमती **ABID KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 6)
आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **31785** दिनांक **05.06.2026**
वार्ड का नाम- **60 - चंद्रशेखर आजाद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652F01587** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **MS AYAAN CONSTRUCTION BY 1. MOHAMMAD ANAVAR S/O MOHAMMAD MUSTAK, 2. MOHAMMAD ASLAM S/O MOHAMMAD MUSHTAKH, 3. MOHAMMAD ASHRAF S/O MOHAMMAD MUSHTAK, 4. SMT. NAUSABA KHATUN W/O MOHAMMAD ANAVAR** पिता / पति श्री/ श्रीमती **MOHAMMAD ANAVAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **PALESHWARI BHOI** पिता /पति श्री/श्रीमती **W/O DOLAMANI BHOI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 6)
आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **31786** दिनांक **05.06.2026**
वार्ड का नाम- **60 - चंद्रशेखर आजाद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652G00721** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **SMT. HUMA JAFRI** पिता / पति श्री/ श्रीमती **TALIB HUSAIN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **SURAIYA KOUSHAR** पिता /पति श्री/श्रीमती **W/O MOHAMMAD ILYAS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./ब-121/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक गणेश राम आ. बिशाली राम निवासी बरबसपुर तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे पिता बिशाली राम पिता कांशीराम मृत्यु दिनांक 29.12.2008 को ग्राम बरबसपुर प.ह.न.38 तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक गणेश राम आ. बिशाली राम निवासी बरबसपुर तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किए जाने की कार्यवाही में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 11.06.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28.05.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी किया गया है।

मुहर **नायब तहसीलदार**
पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./ब-121/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक गणेश राम आ. बिशाली राम निवासी बरबसपुर तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे माता सुरजा बाई पति स्व. बिशाली राम मृत्यु दिनांक 05.03.2026 को ग्राम बरबसपुर प.ह.न.38 तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक गणेश राम आ. बिशाली राम निवासी बरबसपुर तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किए जाने की कार्यवाही में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 11.06.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28.05.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी किया गया है।

मुहर **नायब तहसीलदार**
पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

60 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड खरीदी और 30 हजार मीट्रिक टन का नया 'लॉजिस्टिक्स हब' बनेगा

■ अब नहीं भटकेगा किसान, ब्रॉडगेज रेल और आधुनिक गोदामों से बदलेगी धमतरी की तकदीर

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ का कृषि प्रधान जिला धमतरी आज विकास और आत्मनिर्भरता के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। कभी रबी फसलों के रिकॉर्ड उपार्जन के बाद भंडारण की कमी से जूझने वाला यह जिला, आज अपनी मजबूत इच्छाशक्ति और प्रशासनिक दूरदर्शिता के कारण प्रदेश के एक प्रमुख 'वेयरहाउसिंग एवं कृषि लॉजिस्टिक्स हब' के रूप में उभर रहा है। राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ और छत्तीसगढ़ राज्य भंडारण गृह निगम के संयुक्त प्रयासों से जिले में 30 हजार मीट्रिक टन की अतिरिक्त वैज्ञानिक भंडारण क्षमता विकसित की जा रही है, जो धमतरी की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि परिदृश्य को पूरी तरह बदलने के लिए तैयार है। विगत वर्षों में

धमतरी ने रबी फसलों, विशेषकर चने के रिकॉर्ड उत्पादन और उपार्जन का गवाह बना। लेकिन इस खुशी के साथ एक बड़ी चुनौती भी सामने आई।जिले में पर्याप्त भंडारण क्षमता का न होना। मजबूरी में उपज को दूसरे जिलों के गोदामों में भेजना पड़ा, जिससे न केवल परिवहन का खर्च बढ़ा, बल्कि प्रशासनिक और सहकारी संस्थाओं पर भी भारी दबाव पड़ा। इसी चुनौती को अवसर में बदलते हुए धमतरी प्रशासन ने जिले में ही स्थायी और आधुनिक भंडारण अधोसंरचना विकसित करने की एक व्यापक कार्ययोजना पर काम शुरू किया। केंद्र सरकार की महत्वाकां ÷विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना÷ धमतरी के लिए वरदान साबित हो रही है। इसके तहत जिले की चार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) का चयन किया गया है। जिसमे अंवरी, कोसमर्रा,पोटियाडीह-आमदी और कोलियारी शामिल है। इन चारों समितियों में 2,500-2,500 मीट्रिक टन क्षमता के आधुनिक गोदामों का निर्माण युद्ध स्तर पर जारी है। इनके पूरा होते ही ग्रामीण स्तर पर ही 10 हजार मीट्रिक टन की अतिरिक्त भंडारण सुविधा उपलब्ध हो जाएगी, जिससे स्थानीय किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने के लिए दूर नहीं भटकना पड़ेगा।

रिकॉर्ड खरीदी और आर्थिक समृद्धि(रबी विपणन वर्ष 2026)

भंडारण क्षमता में यह विस्तार हवा में नहीं, बल्कि जमीन पर बढ़ती कृषि समृद्धि को देखकर किया जा रहा है। रबी विपणन वर्ष 2026 में जिले के 9,103 किसानों से 1 लाख 16 हजार 162 क्विंटल चने की रिकॉर्ड खरीदी की गई है, जिसके एवज में 60.54 करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में भुगतान करने की प्रक्रिया जारी है। चने के साथ-साथ सरसों और मसूर का भी सफल उपार्जन किया गया है।

न्यूज गैलरी

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष का आज रायपुर प्रवास

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री, भारत सरकार) के अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति जी 07 जून 2026 को रायपुर (छत्तीसगढ़) के एक दिवसीय आधिकारिक प्रवास पर रहेंगी। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के दौरे में सहयोग हेतु राजेन्द्र कुमार निषाद (निजी सचिव मो.- 8756342092), एवं रितिक विश्वकर्मा (मो. 7266050609) कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष के साथ रहेंगे। अध्यक्ष-राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग साध्वी निरंजन ज्योति जी 07 जून 2026 को नई दिल्ली से सुबह 06:30 बजे प्रस्थान कर सुबह 08:15 बजे रायपुर पहुंचेंगी द्य वे राज्य अतिथिगृह, रायपुर 07 जून 2026 को सुबह 09:30 बजे पिछड़े समाज के प्रतिनिधि मंण्डल से भेंट करेंगी। 10:30 बजे माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ से शिष्टाचार भेंट करने के बाद दोपहर 12 बजे माननीय राज्यपाल (छत्तीसगढ़) से शिष्टाचार भेंट करेंगी। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष 7 जून 14:00 बजे बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बुढ़ापारा, रायपुर में पिछड़ा वर्ग संगठन के सामाजिक प्रगति चिन्तन सम्मेलन में शामिल होंगी द्य वे अपरान्ह 3 बजे राजकीय अतिथि गृह रायपुर में पिछड़ा वर्ग के कल्याणकारी योजनाओं पर समीक्षा बैठक लेंगी, जिनमें मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन माननीय अध्यक्ष एवं सदस्यगण, छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग अयोग, प्रमुख सचिव, पिछड़ा वर्गविकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन शामिल होंगे द्य राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष 7 जून को ही शाम को 6:40 बजे रायपुर से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

मुद्रा लोन और बिहान योजना ने बदली प्रीति गुप्ता की जिंदगी

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए संचालित योजनाएं जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। इन योजनाओं का लाभ लेकर जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड के ग्राम बुढाडांड की प्रीति गुप्ता आज सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। अपने परिश्रम, लगन और शासन की सहायता से उन्होंने 'लखपति दीदी' बनने का सपना साकार किया है। लक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़ी प्रीति गुप्ता को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत एक लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस आर्थिक सहयोग का उपयोग उन्होंने अपने व्यवसाय की शुरुआत करने में किया। उन्होंने गांव में 'दुर्गा श्रृंगार एवं किराना दुकान' की स्थापना की, जहां सौंदर्य प्रसाधनों से लेकर दैनिक उपयोग की विभिन्न वस्तुएं उपलब्ध कराई जाती हैं। प्रारंभ में छोटे स्तर पर शुरू किए गए इस व्यवसाय को प्रीति ने ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझते हुए लगातार विस्तार दिया। आज उनकी दुकान गांव की प्रमुख दुकानों में शामिल है और आसपास के ग्रामीणों के लिए आवश्यक वस्तुओं का प्रमुख केंद्र बन चुकी है। मुद्रा लोन से मिली आर्थिक सहायता और उनके निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि आज वे अपने व्यवसाय से प्रतिवर्ष लगभग 2.50 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित कर रही हैं। इस आय से न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि वे आत्मनिर्भरता और महिला उद्यमिता की प्रेरक मिसाल भी बन गई हैं। प्रीति गुप्ता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं शासन की योजनाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि बिहान और मुद्रा योजना के सहयोग से उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने का आत्मविश्वास मिला और आज वे सम्मानजनक आय अर्जित कर अपने परिवार की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। प्रीति की कहानी इस बात का प्रमाण है कि शासन की योजनाओं का लाभ लेकर ग्रामीण महिलाएं भी स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक स्वतंत्रता हासिल कर सकती हैं और समाज में परिवर्तन की वाहक बन सकती हैं।

सुशासन तिहार : एक ही आवेदन में बने जाति और निवास प्रमाण पत्र

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। शासन की इस पहल से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आवश्यक शासकीय सेवाएं और प्रमाण पत्र अब उनके गांव में ही उपलब्ध हो रहे हैं। सरगुजा जिले के लखनपुर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत लटोरी में आयोजित समाधान शिविर में ग्राम गुमगरा निवासी देवनंदन की महत्वपूर्ण समस्या का त्वरित निराकरण किया गया। उनके बच्चों के जाति और निवास प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण छात्रवृत्ति एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ मिलने में कठिनाई हो रही थी। सुशासन तिहार के तहत आयोजित शिविर में देवनंदन ने आवेदन प्रस्तुत किया। प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए एक ही आवेदन पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और उनके बच्चों के जाति एवं निवास प्रमाण पत्र तैयार कर समाधान शिविर में ही सौंप दिए। प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर देवनंदन ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनके बच्चों को छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ मिल सकेगा और उनकी शिक्षा का मार्ग सुगम होगा। उन्होंने बताया कि पहले इस कार्य के लिए कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन सुशासन तिहार के कारण गांव में ही समस्या का समाधान हो गया। देवनंदन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की इस पहल से आम लोगों को बड़ी सुविधा मिल रही है।

साव के बयान से भाजपा कार्यकर्ताओं में फिर जगी एल्डरमैन बनने की आस

■ ढाई साल से नियुक्तियों का इंतजार, जिलाध्यक्षों की नई सूची बनी देरी की वजह

रायपुर/नवप्रदेश। नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के हालिया बयान के बाद प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं में एक बार फिर नगरीय निकायों में एल्डरमैन नियुक्ति की उम्मीद जागी है। पिछले करीब ढाई वर्षों से पार्टी के अनेक कार्यकर्ता एल्डरमैन पदों पर नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। उनका कहना है कि चुनाव के दौरान संगठन कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपता है और भविष्य में संगठन अथवा सत्ता में भागीदारी का भरोसा दिलाया जाता है, लेकिन अब तक एल्डरमैन नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। भाजपा की प्रदेश सत्ता में वर्ष 2023 में वापसी के बाद कार्यकर्ताओं को उम्मीद थी कि जल्द ही नगरीय निकायों में एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे। इससे पहले तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने अगस्त 2019 में प्रदेश के 27 में से 24 जिलों के नगरीय निकायों में लगभग 1200 एल्डरमैन नियुक्त किए थे। बाद में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार ने 22 दिसंबर 2023 को इन नियुक्तियों को निरस्त कर दिया था। तब से अधिकांश पद रिक्त हैं।

भाजपा संगठन ने एल्डरमैन नियुक्ति की तैयारी के तहत सभी जिला अध्यक्षों से संभावित नामों की सूची भी मंगवाई थी। हालांकि इसी दौरान लोकसभा चुनाव, संगठनात्मक चुनाव, रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव, नगरीय निकाय चुनाव तथा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव जैसी राजनीतिक गतिविधियां सामने आ गईं। संगठन के नेताओं ने समय-समय पर यह आश्वासन दिया कि चुनावी प्रक्रिया पूरी होते ही नियुक्तियां कर दी जाएंगी, लेकिन मामला आगे नहीं बढ़ सका।

जिलाध्यक्षों के बदलाव से बढ़ी उलझन

भाजपा सूत्रों के अनुसार नियुक्ति प्रक्रिया में देरी का एक बड़ा कारण जिलाध्यक्षों का बदलना भी माना जा रहा है। पहले भेजी गई सूची के कुछ नामों को पार्षद टिकट मिल गया, जबकि कुछ नेताओं ने नगर पालिका और नगर पंचायत चुनाव लड़ लिया। इसके अलावा संगठनात्मक चुनाव के बाद कई जिलों में नए जिलाध्यक्ष नियुक्त हो गए। बताया जा रहा है कि नए जिलाध्यक्षों ने पूर्व जिलाध्यक्षों द्वारा भेजी गई सूचियों में संशोधन करते हुए नए नामों का प्रस्ताव भेजा है। ऐसे में अब यह मांग उठ रही है कि एल्डरमैन नियुक्ति में वर्तमान जिला नेतृत्व की राय को प्राथमिकता दी जाए। इसी कारण अंतिम सूची को लेकर सहमति बनने में समय लग रहा है।

कार्यकर्ताओं को फैसले का इंतजार

पिछले वर्ष नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा को मिली बड़ी सफलता के बाद कार्यकर्ताओं की उम्मीदें और बढ़ गई थीं। हालांकि लंबे इंतजार के चलते कई कार्यकर्ताओं में निराशा भी देखने को मिल रही है।

मंत्री राजवाड़े के प्रयासों से दूरस्थ अंचलों में पेयजल संकट हुआ दूर

नए सोलर पंपों की स्थापना से हजारों ग्रामीणों को मिली राहत, जनजातीय क्षेत्रों में बहाल हुई जल आपूर्ति

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश के दूरस्थ, पहाड़ी एवं जनजातीय अंचलों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों और निर्देशों से महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। मंत्री के मार्गदर्शन में सूरजपुर जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा बंद पड़े सोलर पेयजल पंपों की मरम्मत तथा नए पंपों की स्थापना कर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को पुनः सुचारु किया गया है। सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड सहित विभिन्न दूरस्थ ग्रामों में तकनीकी खराबी के कारण प्रभावित पेयजल योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया गया। ग्राम करौटी-ए (परसापारा), कोलुहा भाटपारा एवं बैजानपाठ में नए मोटर पंप स्थापित कर सोलर पंपों को पुनः कार्यशील बनाया गया, जिससे ग्रामीणों को नियमित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने लगा है। इसके अलावा भैयाथान विकासखंड के दतिमा आमापारा इंद्रावास, कसकेला औरापारा तथा सूरजपुर विकासखंड के लटोरी कुशवाहापारा एवं मंजीरा फुलवारपारा में भी खराब सोलर पंपों की मरम्मत कर पेयजल आपूर्ति बहाल की गई।

कृषि के साथ दुग्धउत्पादन से किसानों को हो रही है अतिरिक्त आमदनी

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश के ग्रामीण किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कृषि के साथ ही अन्य व्यवसायों से जोड़ा जा रहा है। इसी कड़ी में महासमुंद जिले में कृषि के साथ-साथ पशुपालन से ग्रामीणों की आजीविका से जोड़ा गया है। जिले में करीब 1,78,533 गौवंशीय एवं 12,776 भैंसवंशीय सहित कुल 1,91,309 पशुधन उपलब्ध है। जिले में वर्तमान में दुग्ध उत्पादन एवं दुग्ध व्यवसाय लगातार प्रगति पर है तथा प्रतिदिन बड़ी मात्रा में दूध का क्रय-विक्रय किया जा रहा है। पशुधन विकास विभाग क जानकारी के अनुसार देवभोग दुग्ध महासंघ द्वारा जिले से प्रतिदिन लगभग 17 हजार 200 लीटर दूध क्रय किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त निजी डेयरियों द्वारा भी किसानों से बेहतर दर एवं समय पर भुगतान कर बड़ी मात्रा में दूध खरीदा जा रहा है। निजी डेयरियों में हर्षन डेयरी सरायपाली द्वारा प्रतिदिन 6000 लीटर, शारदा डेयरी सरायपाली द्वारा 4000 लीटर, प्रगति डेयरी सरायपाली द्वारा 2000 लीटर, शारदा डेयरी पिथौरा द्वारा 4000 लीटर तथा गाया डेयरी महासमुंद द्वारा प्रतिदिन 1000 लीटर दूध क्रय किया जा रहा है। इस प्रकार निजी डेयरियों द्वारा प्रतिदिन लगभग 17 हजार लीटर दूध खरीदा जा रहा है। देवभोग दुग्ध महासंघ एवं निजी डेयरियों को मिलाकर जिले से प्रतिदिन लगभग 34 हजार लीटर दूध का विक्रय दुग्ध समितियों के माध्यम से किया जा रहा है, जो विगत वर्ष की तुलना में अधिक है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्रीन आर्मी एवं जेसीआई सुपर चैप्टर का भव्य आयोजन

■ 200 से अधिक लोगों ने दर्ज कराई सहभागिता

रायपुर/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्रीन आर्मी एवं जेसीआई सुपर चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में वृंदावन हॉल में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन से हुआ। पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन एवं वृक्षारोपण को समर्पित इस आयोजन में 200 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई।

कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक एवं संस्थापक सदस्य, जाने-माने उद्यमी एवं समाजसेवी श्री राजेश अग्रवाल तथा मुख्य संरक्षक एवं संस्थापक सदस्य एवं पूर्व महापौर श्री प्रमोद दुबे विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल किसी संस्था या सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। वहीं श्री प्रमोद दुबे ने कहा कि तालाब, जलाशय एवं हरित क्षेत्र किसी भी शहर की जीवनरेखा होते हैं और इनके संरक्षण के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। ग्रीन आर्मी के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री अमिताभ दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाला जन आंदोलन है। उन्होंने सभी नागरिकों से प्रकृति, जल एवं वृक्षों के संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कॉमन एरिया हस्तांतरण में लापरवाही पर सीजी रेरा सख्त, 595 प्रमोटर्स को नोटिस

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण ने रेरा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन और आवंटितियों के हितों की सुरक्षा के लिए बड़ी कार्रवाई करते हुए 595 प्रमोटर्स के 989 पूर्ण हो चुके प्रोजेक्ट्स को नोटिस जारी किए हैं। इन परियोजनाओं को पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है, लेकिन अब तक कॉमन एरिया, सुविधाओं और संबंधित दस्तावेजों का हस्तांतरण आवंटितियों की सोसायटी या एसोसिएशन को नहीं किया गया है। प्राधिकरण की समीक्षा में पाया गया कि अनेक परियोजनाओं में प्रोजेक्ट पूर्णता अथवा अधिभोग के बाद भी प्रमोटर्स ने आवंटितियों की सोसायटी या एसोसिएशन का गठन सुनिश्चित नहीं किया तथा कॉमन एरिया और परियोजना प्रबंधन का विधिवत हस्तांतरण भी नहीं किया गया। इसके मद्देनजर रेरा अधिनियम, 2016 की धारा 11(4)(द्द) एवं धारा 17 के तहत संबंधित प्रमोटर्स को नोटिस जारी किए गए हैं। सीजीरेरा ने स्पष्ट किया है कि अधिनियम के अनुसार प्रमोटर का दायित्व है कि वह आवंटितियों की सोसायटी अथवा एसोसिएशन का गठन सुनिश्चित करे और परियोजना के सामान्य क्षेत्रों, सुविधाओं तथा अभिलेखों का समयबद्ध हस्तांतरण संबंधित संस्था को करे।

प्रभावी कार्यशैली और नई तकनीकों को अपनाकर समस्याओं का करें त्वरित समाधान : अरुण साव

रायपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कोण्डागांव जिला मुख्यालय में लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जिले के तीनों नगरीय निकायों कोंडागांव , केशकाल और फरसगांव में वर्षा ऋतु के पहले आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने, नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने तथा स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क, पुल एवं पुलिया निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया। उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में कहा कि कोण्डागांव जिला विकास की असीम संभावनाओं से परिपूर्ण है। केशकाल घाट बायपास के निर्माण से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी, इसलिए भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों से समय के साथ प्रभावी कार्यशैली अपनाने, नई तकनीकों का उपयोग करने तथा समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साव ने कहा कि नक्सलवाद के कारण यह क्षेत्र लंबे समय तक विकास की प्रतीक्षा करता रहा है, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों तक विकास की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारी पूरी ऊर्जा, क्षमता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है और इसके लिए टीम भावना के साथ कार्य करना आवश्यक है।

मिशन अमृत, राष्ट्रीय राजमार्ग और तालाब सौंदर्यीकरण कार्यों का उपमुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

निर्माण एजेंसी समय-सीमा और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें: साव

रायपुर/कोण्डागांव/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने चार दिवसीय बस्तर प्रवास के दूसरे दिन आज कोण्डागांव में विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति की जानकारी की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए सभी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री साव ने कोंडागांव नगर पालिका में मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत निर्माणाधीन जल प्रदाय योजना के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रगतिरत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों का जायजा लेकर परियोजना के तकनीकी पहलुओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को ठेकेदार के साथ बेहतर समन्वय बनाकर निर्माण कार्य की बाधाओं को दूर कर कार्य में तेजी लाने को कहा। उन्होंने गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा। केंद्र सरकार की मिशन अमृत 2.0 योजना के तहत कोण्डागांव में पेयजल आपूर्ति के लिए 9 एमएलडी क्षमता का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत कोण्डागांव से 25 किलोमीटर दूर कोसारटेडा बांध से पानी लाकर उसका शोधन कर नल कनेक्शनों के माध्यम से घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। लगभग 104 करोड़ रुपये की लागत वाली इस योजना का 85 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। योजना के तहत दो ओवरहेड टैंकों का भी निर्माण किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने कोपाबेड़ा में 3 करोड़ 61 लाख रुपये की लागत से किए जा रहे तालाब सौंदर्यीकरण एवं अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कोपाबेड़ा से शिव मंदिर तक निर्माणाधीन सड़क चौड़ीकरण कार्य का भी जायजा लिया। लगभग 2.9 किलोमीटर लंबी यह सड़क 4 करोड़ 61 लाख रुपये की लागत से निर्मित की जा रही है। उप मुख्यमंत्री साव ने निर्माणाधीन कोण्डागांव-नारायणपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-130डी के कार्यों का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी से सड़क के साथ ही इस मार्ग में बनने वाले पुल-पुलियों के निर्माण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने इस प्रगतिरत सड़क के कारण बरसात में लोगों को आवाजाही में कोई समस्या न हो, इसका खास ध्यान रखने को कहा।साव ने कोंडागांव के चिखलपुट्टी में नवनिर्मित बस स्टैंड का भी अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को यहां यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा बस स्टैंड के समुचित संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का हल्ला बोल

अभिजीत दीपके ने दिया युवाओं को संदेश

दिल्ली के जंतर-मंतर पर शनिवार को कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी का बड़ा प्रदर्शन देखने को मिला। इस प्रदर्शन का नेतृत्व पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने किया। वो अमेरिका से भारत लौटने के बाद सीधे आंदोलन में शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अभिजीत दीपके ने कहा कि देश के युवा अब डरेंगे नहीं, वे लड़ेंगे। कॉकरोच भी नहीं डरते, वे कभी मरते भी नहीं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आंदोलन में अनावश्यक भीड़ को रोकने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया है। पुलिस उपायुक्त पंकज अतुलकर ने कहा कि यदि अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की आवश्यकता हुई, तो समीक्षा के बाद ऐसा किया जाएगा।

सुरक्षा में 1000 पुलिस तैनात

नई दिल्ली/वार्ता। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जंतर मंतर पर 1000 पुलिस की तैनाती की गई है। महाराष्ट्र में उनके आवास पर भी पुलिस की तैनाती की गई है। प्रदर्शन में भाग लेने वाले प्रदर्शनकारियों ने कॉकरोच के मुखौटे पहने हुए थे। NEET पेपर लीक सहित अन्य परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारे लगाए जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर स्टूडेंट और युवा हैं। कुछ लोग फूल लेकर, तो कुछ कॉकरोच वाले मास्क पहनकर धरना देने पहुंचे हैं। कुछ अंबेडकर की तस्वीर, संविधान के पोस्टर लेकर पहुंचे। यह प्रदर्शन CJP फाउंडर अभिजीत दीपके की अगुआई में हो रहा है। अभिजीत शनिवार सुबह अमेरिका से दिल्ली लौटे।

वांगचूक आए समर्थन में

सीजेपी आंदोलन की सबसे बड़ी मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि नीट पेपर लीक, सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली में कथित गड़बड़ी और

यह लड़ाई लंबी चलने वाली है, छात्र पीछे नहीं हटेंगे: दीपके

भर्ती परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही समस्याओं ने छात्रों का भरोसा तोड़ दिया है। जंतर-मंतर पर मौजूद युवाओं ने कहा कि सरकार परीक्षा व्यवस्था को संभालने में विफल रही है। प्रदर्शन के दौरान धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो और मेक इन इंडिया नहीं, लीक इन इंडिया जैसे नारे लगाए गए। अभिजीत दीपके ने कहा कि यह लड़ाई लंबी है और छात्र अब पीछे हटने वाले नहीं हैं।

डिजिटल शिक्षा पर भी उठे सवाल

प्रदर्शन में शामिल कई अभिभावकों और छात्रों ने शिक्षा के तेजी से हो रहे डिजिटलीकरण पर भी सवाल उठाए। दिल्ली में पढ़ रहे छात्रों के पिता राधेश्याम कैथल ने कहा कि बिना तैयारी और प्रशिक्षण के डिजिटल सिस्टम लागू करने से गड़बड़ियां बढ़ रही हैं। उनका कहना था कि बैंकिंग से लेकर शिक्षा तक हर जगह डिजिटल व्यवस्था लागू हो रही है, लेकिन सुरक्षा और पारदर्शिता अभी भी कमजोर है।

मणिपुर के छात्रों की परेशानी भी बनी मुद्दा

सीजेपी के प्रदर्शन में मणिपुर का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठा। मणिपुर से आए सामाजिक कार्यकर्ता विंसन ने कहा कि राज्य में पिछले तीन वर्षों से हालात सामान्य नहीं हैं। स्कूल और कॉलेज लगातार प्रभावित हो रहे हैं और छात्रों का भविष्य खतरे में है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि केंद्र सरकार मणिपुर में शिक्षा व्यवस्था को सामान्य बनाने के लिए तुरंत ठोस कदम उठाए।

मानसिक दबाव और आत्महत्या पर भी चिंता जताई

जंतर-मंतर पर जुटे युवाओं ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को भी बड़ा मुद्दा बताया। प्रदर्शन में शामिल मनोवैज्ञानिक सुगंधा ने कहा कि लगातार परीक्षा गड़बड़ी और अनिश्चितता के कारण लाखों छात्र मानसिक तनाव में हैं। कई छात्रों ने आत्महत्या तक कर ली, लेकिन जवाबदेही तय नहीं हुई। राजस्थान की गायत्री सिंह ने कहा कि उनका रिश्तेदार तीन साल से नीट की तैयारी कर रहा था, लेकिन पेपर लीक के बाद उसका मनोबल टूट गया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सहायता तंत्र बनाया जाए।

तृणमूल में हस्ताक्षर वॉर: ममता के घर हुई बैठकों के दस्तावेज लीक

कोलकाता/ए.। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के अंदर जारी सत्ता संघर्ष अब नए विवाद में बदल गया है। ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर हुई टीएमसी विधायकों की बैठकों से जुड़े दस्तावेज सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पार्टी में हलचल तेज हो गई है। इन दस्तावेजों में विधायकों के हस्ताक्षर और बैठक में मौजूदगी का दावा किया गया है। हालांकि बागी नेता और नेता प्रतिपक्ष रितब्रत बनर्जी ने इन दस्तावेजों की सच्चाई पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है। इससे बंगाल की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए दस्तावेज 6 मई और 19 मई को हुई दो बैठकों से जुड़े बताए जा रहे हैं। ये बैठकें कोलकाता के 30बी हरीश चटर्जी स्ट्रीट स्थित ममता बनर्जी के घर पर हुई थीं। दस्तावेजों के मुताबिक 6 मई की बैठक में 67 विधायक मौजूद थे। इन कागजों में विधायकों के हस्ताक्षर, उनके विधानसभा क्षेत्रों के नाम और तारीख दर्ज दिखाई गई है। दावा किया गया कि यह बैठक टीएमसी विधायक दल के नेता प्रतिपक्ष, उपनेता और मुख्य सचेतक के चुनाव को लेकर हुई थी। दस्तावेजों में यह भी कहा गया कि जो विधायक बैठक में नहीं पहुंच सके, उन्होंने भी समर्थन भेजा था। रितब्रत बनर्जी ने दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि मामले की जांच पहले से चल रही है और अब जांच एजेंसियों को नए दस्तावेज भी मिले हैं। उन्होंने कहा कि हैंडराइटिंग एक्सपर्ट इन हस्ताक्षरों की जांच कर सकते हैं। साथ ही विधायकों की टावर लोकेशन भी देखी जा सकती है कि वे उन तारीखों में वहां मौजूद थे या नहीं। रितब्रत ने यह भी दावा किया कि दस्तावेजों के अलग-अलग पन्नों का रंग मेल नहीं खा रहा और कुछ पन्नों पर हस्ताक्षर भी नहीं हैं। इससे फर्जीवाड़े की आशंका और बढ़ गई है।

हवाई में भारत-अमेरिका सैन्य वार्ता, रक्षा सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

नई दिल्ली/ए.। हवाई में 29वीं भारत और अमेरिका ने 'आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता' आयोजित की, जिसमें दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। साथ ही, दोनों पक्षों ने अपने रणनीतिक साझेदारी संबंधों को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारतीय सेना के अनुसार, इस बैठक की सह-अध्यक्षता उप सेना प्रमुख (रणनीति) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई और अमेरिकी सेना प्रशांत के उप कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल जोएल वोवेल ने की। भारतीय सेना ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, ÷चर्चा का मुख्य फोकस द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को

मजबूत करना, सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाना, पेशेवर आदान-प्रदान का विस्तार करना और साझा सुरक्षा हितों के लिए सैन्य सहयोग को गहरा करना था। दोनों पक्षों ने सेना के बीच बढ़ते सहयोग की सराहना की और भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई। पिछले सप्ताह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सिंगापुर में अमेरिकी कांग्रेस के द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल (सीओडीईएल) के प्रमुख और हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सदस्य पैट हैरिगन से मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा सहयोग के विस्तार और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा रणनीतिक हितों पर चर्चा हुई। रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर बताया कि इस बातचीत ने भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी की मजबूती को फिर रेखांकित किया था। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा सहयोग बढ़ाने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा रणनीतिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया।

खान सर ने नहीं किया सरेंडर अग्रिम जमानत याचिका दायर करेंगे

पटना/ए.। फैजल खान उर्फखान सर पर प्राथमिकी दर्ज हुए 24 घंटे बीत गए लेकिन पटना पुलिस उनको गिरफ्तार नहीं कर पाई। अब फैजल खान के वकील पटना सिविल कोर्ट पहुंचे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह सरेंडर नहीं करेंगे। पटना पुलिस ने गलत आरोप लगाकर उनपर प्राथमिकी दर्ज की है। पूरी एफआईआर ही गलत है। उन्होंने गोली चलाने का आदेश भी नहीं दिया है। हमलोग कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका दायर करेंगे। उनकी वजह से गोली भी नहीं चली। उन्हें फंसाया जा रहा है। इसलिए वह सरेंडर नहीं करेंगे। बताया जा रहा है कि वकील ने आज ही अग्रिम जमानत याचिका दायर करने की कोशिश की लेकिन समय खत्म होने के कारण वह आज ऐसा नहीं कर पाए। इसलिए अब वह सोमवार को जमानत याचिका दायर कर सकते हैं। यानी पटना पुलिस के पास खान सर को गिरफ्तार करने का विकल्प खुला है। अब पटना पुलिस उन्हें कब गिरफ्तार करेगी? यह सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है। इधर, खान सर के सरेंडर करने की चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हुई। पुलिस भी मुस्तैद हो गई। भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हो गए। लेकिन खान सर कोर्ट पहुंचे ही नहीं। उनके जगह उनके वकील

कोर्ट पहुंच गए। इससे पहले शुक्रवार रात्रि से शनिवार सुबह तक पटना पुलिस की टीम खान सर के कोचिंग के पास तो छात्रों की भीड़ जुटने लगी। विधि व्यवस्था प्रभावित न हो, इसलिए पटना पुलिस ने उन्हें बलपूर्वक गिरफ्तार नहीं किया। देर रात छात्रों की संख्या कम हुई लेकिन इसके बावजूद खान सर ने न तो सरेंडर किया और न ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया।

छात्रों को मैसेज आया कि खान सर आज क्लास लेंगे

इधर, शनिवार सुबह खान सर के कोचिंग से जुड़े छात्रों को मैसेज आया कि खान सर आज क्लास लेंगे। वह सुबह 10 से 11 बजे क्लास लेंगे। हालांकि, उन्होंने क्लास तो नहीं लिया लेकिन उनके वकील सामने आए और उन्हें निर्दोष बताया। पटना पुलिस ने छात्रों से फिर से अपील की है कि वह किसी कोचिंग वालों के बहकावे में नहीं आएं। विधि व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की मदद करें। पटना पुलिस निष्पक्ष होकर कार्रवाई कर रही है।

ट्रंप ने की मोजतबा से मुलाकात की पेशकश, अराघची ने कहा असल दुनिया में नहीं जी रहे अमेरिकी राष्ट्रपति

नई दिल्ली/ए.। अमेरिका और ईरान के तनाव के बीच एक नया कूटनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई से मुलाकात करने की इच्छा जताई है। इस पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तंज कसा है। अराघची ने ट्रंप के बयान को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें वास्तविक दुनिया में रहने की सलाह दी है।

जब लेबनानी मीडिया ने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची से ट्रंप की इस टिप्पणी पर सवाल पूछा, तो उन्होंने व्यावहारिक होने की बात कही। अराघची ने कहा कि मैंने वह रिपोर्ट देखी है जिसमें ट्रंप ने मुलाकात की इच्छा जताई है। लेकिन मेरा मानना है कि हमें व्यावहारिक होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति को हवा में बातें करने के बजाय असली दुनिया में सोचना और जीना चाहिए। गौरतलब है कि 28 फरवरी 2026 को अमेरिकी और इस्राइली हमलों में पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत हो गई थी।

पेशकश पर ईरान ने दिया जवाब

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा था कि अगर तेहरान के साथ कोई ठोस समझौता होता है, तो वह ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से मिलने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने यहां तक कहा कि इस मुलाकात से वह सम्मानित महसूस करेंगे।

इसके बाद मार्च में उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया। विदेश मंत्री अराघची ने साफ किया कि देश के मामलों पर नए सर्वोच्च नेता का पूरा नियंत्रण है। सुरक्षा कारणों और युद्ध की संवेदनशीलता की वजह से वे अभी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रहे हैं।

5.1% महंगाई का नया लक्ष्य और अब 'पॉलिमर नोट' की तैयारी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर सजंय मल्होत्रा ने एमपीसी के फैसलों की घोषणा करने के बाद अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वैश्विक संकट से केवल भारत ही प्रभावित नहीं हुआ है, बल्कि अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित हैं, लेकिन हम तुलनात्मक रूप से अच्छी स्थिति में हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिनों तक चले आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति बैठक यानी एमपीसी के फैसलों का एलान शुक्रवार को किया। उन्होंने बताया कि मौद्रिक नीति समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया है। बुधवार से चल रही एमपीसी की तीन दिवसीय गहन चर्चा के बाद यह महत्वपूर्ण घोषणा की गई। गवर्नर ने कहा,

'पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनाव और इसके कारण महंगाई और आर्थिक विकास में तनाव के बाद भी भारत अन्य देशों की तुलना में अच्छी स्थिति में हैं।'

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर सजंय मल्होत्रा ने एमपीसी के फैसलों की घोषणा करने के बाद अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वैश्विक संकट से केवल भारत ही प्रभावित नहीं हुआ है, बल्कि अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित हैं, लेकिन हम तुलनात्मक रूप से अच्छी स्थिति में हैं। भारत की व्यापक आर्थिक स्थिति स्थिर और स्वस्थ्य बनी हुई है। गवर्नर ने कहा हमारे बैंक मजबूत हैं और कंपनियों की बैलेंस शीट भी स्वस्थ्य है,साथ ही हमारे पास पर्यात विदेशी मुद्रा भंडार है। बाहरी स्थितियां भले ही चिंताजनक बनी हुई है, लेकिन घरेलू स्तर पर हम पहले से कही अधिक मजबूत हैं।

महंगाई पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि, यदि महंगाई व्यापक और लगातार बनी रहती है तो आरबीआई इस पर कार्रवाई करेगा। फिलहाल केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति अनुमानों को भी पहले के 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है। गवर्नर सजंय मल्होत्रा ने डॉलर के प्रवाह पर बोलते हुए कहा यह डॉलर का प्रवाह उचित और स्वस्थ्य रहने की उम्मीद है।

मुल्लांपुर टेस्ट का पहला दिन टीम इंडिया के नाम केएल राहुल-शुभमन गिल ने जड़े शतक

मुल्लांपुर। भारत और अफगानिस्तान के बीच इकलौता टेस्ट मैच शनिवार (6 जून) से शुरू हुआ. दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) के महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में है. मुकाबले में पहले दिन स्टम्प तक भारत ने अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 368 रन बना लिए. कप्तान शुभमन गिल 103 और ऋषभ पंत 50 रनों पर नाबाद हैं. गिल ने 143 गेंदों की इनिंग्स में 11 चौके और एक सिक्स लगाया है. वहीं पंत ने 2 चौके और तीन छक्के जड़े हैं. शुभमन गिल के करियर का ये 11वां टेस्ट शतक रहा.

भारत और अफगानिस्तान दोनों का साल 2026 में ये पहला टेस्ट मैच है. यह

मुकाबला वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के 2025-27 चक्र का हिस्सा नहीं है. ऐसे में भारत इस मुकाबले को अगस्त में प्रस्तावित श्रीलंका दौरे के मद्देनजर तैयारियों के तौर पर देख रहा है, जहां शुभमन ब्रिगेड को दो टेस्ट मैच खेलने हैं.

भारतीय टीम की पहली पारी में शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही. यशस्वी जायसवाल सिर्फ 24 रन बना सके और उन्हें मोहम्मद सलीम सफी ने पवेलियन रवाना किया. यशस्वी के आउट होने के समय भारत का स्कोर 41-1 था. यहां से केएल राहुल और साई सुदर्शन ने भारतीय टीम को संभाला. दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 139 रनों की साझेदारी की.

ऐसा लग रहा था कि साई सुदर्शन अपना शतक पूरा कर लेंगे, लेकिन वो मोहम्मद सलीम सफी के बिछाए जाल में फंस गए. सुदर्शन ने 104 गेंदों का सामना करते हुए 81 रन बनाए।

'वाराणसी' में दिखेगा रामायण का सबसे भयंकर युद्ध, राजामौली के पिता ने किया कन्फर्म!

नई दिल्ली। दिग्गज फिल्ममेकर एस.एस. राजामौली की आने वाली फिल्म 'वाराणसी' को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त क्रेज बना हुआ है. इस फिल्म से जुड़ी हर छोटी-बड़ी अपडेट फैंस की धड़कनें बढ़ा देती है. अब इस मेगा-बजट फिल्म को लेकर एक बेहद चौंकाने वाला और बड़ा खुलासा हुआ है.

दरअसल राजामौली के पिता और फेमस राइटर के.वी. विजयेन्द्र प्रसाद ने कन्फर्म किया है कि फिल्म में रामायण के काल से जुड़ा भगवान श्रीराम और महाबली कुंभकर्ण के बीच का एक भयंकर युद्ध देखने को मिलेगा. यह कोई छोटा-मोटा सीन नहीं, बल्कि पूरे 30 मिनट का एक सीक्वेंस होने वाला है, जो सिनेमाघरों में फैंस के रोंगटे खड़े कर देगा. फिल्म में सुपरस्टार महेश बाबू भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे.

अनजाने में खोल दिया फिल्म का बड़ा राज: हाल ही में 'फिल्मी फोकस' के एक इवेंट के दौरान

राजामौली के पिता विजयेन्द्र प्रसाद से इस 30 मिनट के जादुई सीन के बारे में सवाल किया गया. जब उनसे पूछा गया कि यह सीन पौराणिक पृष्ठभूमि पर आधारित है या फिर इसका कोई पॉलिटिकल कनेक्शन है, तो उन्होंने खुलकर बात रखी. राइटर ने कहा, 'यह असल में राम और कुंभकर्ण के बीच की लड़ाई का सीन है... आपने ट्रेलर में भी इस बात को नोटिस किया होगा, है ना? वहां राम और कुंभकर्ण दिखाई देते हैं. इसके साथ ही भगवान हनुमान की पूंछ और उस पर एक रथ भी नजर आता है. मैं उसी विजुअल की बात कर रहा हूं... वह सच में मंत्रमुग्ध कर देने वाला है.'

मंत्रालय की कैंटीन में ये काहे के गिलास हैं?

(फोटो: मंत्रालय कैंटिन की)

क्या आप जानते हैं कि मंत्रालय के चौथे फ्लोर की कैंटीन में अब बीयर के गिलास में पानी मिलने लगा है? वो भी तब, जब आपको खाते-खाते ठसका लग जाए और पानी की तलाश में आप अपनी टेबल से उठकर काउंटर तक पहुंच जाएं; क्योंकि काउंटर पर 'सेल्फसर्विस' का बोर्ड लगा रखा है। आप तो शुक्र मनाइए कि यह नहीं लिखा है कि 'खाना घर से लेकर आएं, यहां सिर्फ खाने की सुविधा है और यहां बैठकर खाने का रेट इतना है।' मात्र 52 रुपये में थर्ड क्लास सांभर-बड़ा के टेस्ट की आपने यदि शिकायत की, तो एफआईआर तक हो सकती है; क्योंकि काउंटर पर बैठा बंदा स्ट्रांग पॉलिटिकल सपोर्ट से वहां बैठा है। यदि उसकी बदतमीजी के जवाब में आपने एक शब्द भी कहा और आप मंत्रालय कर्मी या बाहर से डाक लेकर आए हुए सरकार के कर्मचारी हैं, तो न केवल आप सस्पेंड हो सकते हैं बल्कि आपकी विभागीय जांच तो तय मानकर चलिए। यदि इतना भी नहीं हो पाया, तो अगली बार के लिए मंत्रालय का पास बनेगा या नहीं, यह भी कैंटीन का ठेकेदार ही तय करने वाला है। यह बात अलग है कि मंत्रालय के फर्स्ट क्लास अफसर से लेकर फोर्थ क्लास कर्मचारी तक इस कैंटीन की थर्ड क्लास, गई-गुजरी सर्विस, क्वांटिटी, क्वालिटी, रेट, गंदगी और बदतमीजी से परेशान हैं; लेकिन मजाल है कि शिकायत करें! और करें तो करें किससे? जब बाड़ ही खेत को खाने लगे। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ में सहकारिता को लेकर कितने गंभीर हैं, यह बात सत्ता और संगठन जानता है। लेकिन वे नहीं जानते, जिनको सहकारिता की साख बचाने के लिए कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। दरअसल सहकारिता का यह नया मॉडल है। इससे पहले मंत्रालय और विधानसभा में 'कॉफी हाउस' नाम की सहकारी संस्था कैटरिंग का काम करती थी; फर्क सिर्फ इतना था कि वह प्रोटोकॉल मेंटेन करती थी। लेकिन सहकारिता से जुड़े एक नेता को इसमें इतना फायदा दिखा कि उसने सबसे पहले मंत्रालय और विधानसभा से इस सहकारी संस्था को बाहर कर नेस्तनाबूत किया, अपना बिजनेस मॉडल खड़ा किया, और इस डंके की चोट पर कि–है कोई माई का लाल, तो हटा के दिखाए व्यंकटेश को!

स्टेटस सिंबल बने कैमरामैन

नेता-मंत्रियों के सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखने वाले मोबाइल, कैमरामैन और फोटोग्राफरों की भीड़ को देखकर आप एक्साइटेड मत हो जाइए; और यदि हो भी गए, तो इस गलतफहमी में तो बिल्कुल भी मत रहिए कि कहीं आप छपने या दिखने वाले हैं। दरअसल, मंच पर जितने नेता आपको दिखते होंगे, उससे दुगुने सोशल मीडिया कवर करने वाले उनके फोटोग्राफर और कंटेंट राइटर मीडिया के लाउंज में कब्जा जमाए मिलेंगे। दरअसल हो क्या रहा है? पहले नेता का स्टेटस सिंबल गनमैन हुआ करता था, अब कैमरामैन हो गया है; फिर चाहे वह प्रोफेशनल कैमरामैन हो या मोबाइल लेकर घूमने वाला। उसे निर्देश हैं कि नेता जी के मंदिर प्रवेश से पहले जूता उतारने, मोजा पहने रहने से लेकर मंदिर से बाहर वापस आने तक का कंटेंट पहले ही तैयार रखा जाए। मोबाइल या फोटो कैमरामैन तैयार रहे; मंत्री जी के गाड़ी में बैठते ही पोस्ट हो जाना चाहिए कि–राज्य की जनता की भलाई के लिए मंत्री ने भगवान से प्रार्थना की। इस प्रार्थना या कामना से राज्य की जनता का कितना भला हुआ, यह तो जनता जाने; लेकिन इस पोस्ट पर आने वाले कमेंट्स, लाइक्स और शेयर्स मंत्री जी का राजनीतिक भविष्य तय करते हैं। आभासी दुनिया को जीने वाले लोग यह समझ ही नहीं पा रहे हैं कि रोटी गूगल से कभी डाउनलोड नहीं होगी।

अब नहीं बनना है हमे एल्डरमैन

लंबे समय से एल्डरमैन बनने की बाट जोह रहे नगर स्तरीय भाजपा नेताओं की अब एल्डरमैन पद को लेकर दिलचस्पी कम होने लगी है। भाजपा सरकार के कार्यकाल का आधा समय पूरा होने जा रहा है। ऐसे में मात्र दो ढाई साल के लिए एल्डरमैन बनने से उन्हें कोई फायदा नहीं होने वाला है। एल्डरमैन पद की दौड़ में शामिल रहे और अपने आकाओं के बंगलों की परिक्रमा कर के थक चुके और उनके खोखले आश्वासन सुन सुनकर पक चुके कई नेताओं का कहना है कि अब उन्हें एल्डरमैन नहीं बनना है। चार दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात वाली कहावत को चरितार्थ करने से अच्छा है कि नेतागिरी का चक्कर छोड़ कर अपने काम धंधे पर ध्यान दिया जाए और चार पैसे कमाए जाएं। गौरतलब है कि इन नगरीय निकाय स्तरीय नेताओं को एल्डरमैन पद का लालीपॉप दिखाकर चुनाव के दौरान पार्टी के काम पर लगाया गया था। बेचारों ने तन, मन धन से पार्टी की सेवा की लेकिन एल्डरमैन पद उनके लिए मृगमरिचिका ही बना हुआ है। नतीजतन एल्डरमैन बनने के इच्छुक लोगों का अब इस पद से मोहभंग हो गया है।

फेसबुक और इंस्टाग्राम पर लगे लाखों पौधे

पर्यावरण दिवस पर फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर पर जो पौधे लगते हैं, वे असल में कितने दिनों तक जिंदा रहेंगे, इसकी पड़ताल करने की जरूरत है। केवल पौधे लगाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देने भर से पर्यावरण दिवस नहीं मन जाता। एक पौधे को वृक्ष बनने में सालों लग जाते हैं, लेकिन ये सोशल मीडिया-जीवी लोग हर साल अपने स्टेटस और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स व समाचार पत्रों के माध्यम से केवल सुर्खियां बटोरते है और फोटो प्रदर्शन करते हैं। इसके विपरीत, बस्तर में एक संगठन है जो वृक्षारोपण करते समय उन पौधों को अपने माता, पिता या भाई-बहन का नाम देता है और उनके वृक्ष बनने तक उनका पूरा पालन-पोषण करता है। यह उन लोगों के लिए किसी तमाचे से कम नहीं है जो सोशल मीडिया पर फोटो लगाकर केवल लाइक्स बटोरते हैं। यहाँ बात सोशल मीडिया या वृक्षारोपण के विरोध की नहीं है, बल्कि पौधा लगाकर जिम्मेदारी निभाने की है। पौधे को बाल्यावस्था से लेकर वृक्ष बनने तक संभालना और उसका लालन-पालन करना बेहद जरूरी है। वृक्षारोपण केवल स्टेटस, स्टोरी और फोटो प्रदर्शनी तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पूरी जिम्मेदारी के साथ उसे बड़ा और तंदुरुस्त करने का संकल्प होना चाहिए।

बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना

बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना ऐसे मनमौजी को मुश्किल है समझाना... यह पुराना गाना आज भी जब तब गुनगुनाया जाता है तो उसकी वजह यही है कि ऐसे दीवाने अब्दुल्लाओं की तादाद बढ़ती जा रही है। जिनकी खुद की शादी भले ही न हो पा रही हो लेकिन वे मान न मान मैं तेरा मेहमान की तर्ज पर किसी की भी बारात में लूंगी डांस करने पहुंच जाते हैं। उनका मानना है कि शादी किसी की भी हो लेकिन नाचेंगे वे ही। सोशल मीडिया पर काकरोच जनता पार्टी ने जो गंध फैलाई है उससे छत्तीसगढ़ के भी कुछ काकरोच नाली से बाहर निकल कर झींगा.. ला.. ला... हू... हू... करने लगे है। ऐसी ही एक छोटी सी पार्टी के बड़े नेता ने काकरोच जनता पार्टी का समर्थन किया है और उसकी शान में कसीदे पढ़े है। हो सकता है कि अपनी स्वनामधन्य पार्टी की कहीं और दाल न गलती देखकर वे इसका विलय काकरोच जनता पार्टी में कर दें। या फिर काकरोच जनता पार्टी की तरह वे जोंक कांग्रेस पार्टी बना लें और गला फाड़कर गाने लगे कि -मिले सुर मेरा तुम्हारा तो सुर बने हमारा.. तिक ताकड़ धूम...ई..स.. ई...।

भीषण गर्मी और बढ़ती महंगाई ने बदला समर वेकेशन का ट्रेंड

■ घूमने-फिरने की जगह बच्चों को लाइफ स्किल्स सिखाने पर जोर, घर ही बन रहे समर कैंप

रायपुर/नवप्रदेश। स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां शुरू होते ही परिवारों में घूमने-फिरने की योजनाएं बनना आम बात होती है, लेकिन इस बार भीषण गर्मी, पर्यटन स्थलों पर बढ़ती भीड़ और महंगाई के कारण कई परिवारों ने अपने वेकेशन प्लान में बदलाव कर दिया है। लंबी यात्राओं और हिल स्टेशनों की सैर की जगह अब अभिभावक बच्चों के साथ घर पर समय बिताने और उन्हें नई-नई जीवन उपयोगी कौशल सिखाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि लगातार बढ़ते तापमान के बीच बच्चों को लंबी यात्रा पर ले जाना जोखिम भरा हो सकता है। वहीं, पर्यटन स्थलों पर बढ़ती भीड़ और यात्रा खर्च में हुई बढ़ोतरी ने भी परिवारों का बजट प्रभावित किया है। ऐसे में इस बार कई घरों का आंगन ही बच्चों के लिए समर कैंप का रूप ले चुका है।

लाइफस्किल्स पर बढ़ा फोकस

गर्मी की छुट्टियों में बच्चों को केवल मनोरंजन तक सीमित रखने के बजाय अभिभावक उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। घरों में बच्चों को अपना बिस्तर समेटना, कमरे की सफाई रखना, पौधों को पानी देना, जूते और सामान व्यवस्थित रखना तथा नींबू पानी और सलाद जैसी सरल चीजें बनाना सिखाया जा रहा है।

कई परिवारों में बच्चे किचन के छोटे-मोटे कामों में हाथ बंटा रहे हैं, जबकि कुछ गार्डनिंग और घरेलू प्रबंधन से जुड़ी गतिविधियों में रुचि ले रहे हैं। अभिभावकों का मानना है कि इससे बच्चों में जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है और उनका स्क्रीन टाइम भी कम होता है।

इंडोर गेम्स की वापसी

मोबाइल और वीडियो गेम्स से बच्चों को दूर रखने के लिए घरों में लूडो, कैरम और शतरंज जैसे पारंपरिक खेलों की वापसी भी देखने को मिल रही है। परिवार सामूहिक रूप से इन खेलों में हिस्सा लेकर बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिता रहे हैं।

बदल रहा है छुट्टियों का स्वरूप

एक समय गर्मी की छुट्टियों का मतलब केवल पर्यटन और मौज-मस्ती माना जाता था, लेकिन इस बार हालात कुछ अलग हैं। बढ़ती गर्मी और आर्थिक दबाव के बीच अनेक परिवार छुट्टियों को बच्चों के व्यक्तित्व विकास और पारिवारिक जुड़ाव का अवसर मान रहे हैं। यही कारण है कि इस बार समर वेकेशन का रंग बदला-बदला नजर आ रहा है।

विशेषज्ञों की सलाह

विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मी की छुट्टियों में बच्चों की दिनचर्या में बहुत अधिक बदलाव नहीं करना चाहिए। उन्हें पौष्टिक आहार देना, शारीरिक गतिविधियों में शामिल करना और उनकी रुचि के अनुसार छोटे प्रशिक्षण या कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़ना लाभदायक हो सकता है। साथ ही, घर के छोटे-छोटे कामों में सहभागिता से बच्चों में आत्मविश्वास और जिम्मेदारी दोनों का विकास होता है।

प्रकृति से जुड़ने की सीख

कई परिवार बच्चों को पर्यावरण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील बनाने का भी प्रयास कर रहे हैं। घरों की छतों और आंगन में पक्षियों के लिए पानी रखना तथा पौधों की देखभाल जैसी गतिविधियां बच्चों की दिनचर्या का हिस्सा बन रही हैं।

राशन दुकानों से 677 क्विंटल खाद्यान्न गायब, जांच में गबन की आशंका

■ एफआईआर की अनुशंसा के बावजूद कार्रवाई पर सवाल, महीनों बाद भी रिकवरी नहीं

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर जिले की तीन शासकीय उचित मूल्य दुकानों से करीब 677 क्विंटल खाद्यान्न गायब मिलने के मामले ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खाद्य विभाग की जांच में भारी अनियमितताएं सामने आने और खाद्यान्न गबन की आशंका जताए जाने के बावजूद अब तक रिकवरी और कानूनी कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

मामला जिला पंचायत की सामान्य सभा में उठाए गए मुद्दे के बाद सामने आया। जनप्रतिनिधियों द्वारा ग्राम पंचायत सरोरा, परसदा और भुरसूदा की राशन दुकानों में अनियमितताओं की शिकायत किए जाने पर खाद्य विभाग ने भौतिक सत्यापन कराया। खाद्य निरीक्षक शैलेंद्र कुमार एक्का की जांच रिपोर्ट में ऑनलाइन रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक के बीच भारी अंतर पाया गया।

जांच के अनुसार तीनों राशन दुकानों का संचालन 'जय लक्ष्मी सहकारी उपभोक्ता भंडार' द्वारा किया जा रहा था। सबसे अधिक गड़बड़ी भुरसूदा की दुकान में सामने आई, जहां ऑनलाइन रिकॉर्ड में 361.30 क्विंटल चावल दर्ज था, जबकि मौके पर मात्र 8.40 क्विंटल चावल मिला। इस तरह अकेले इसी दुकान में 352.90 क्विंटल चावल कम पाया गया।

इसी प्रकार परसदा की दुकान में लगभग 295 क्विंटल तथा सरोरा की दुकान में 28.72 क्विंटल चावल की कमी दर्ज की गई। तीनों दुकानों को मिलाकर कुल 676.62 क्विंटल खाद्यान्न कम मिला, जो लगभग 677 क्विंटल के बराबर है।

जांच में मिले कई गंभीर तथ्य

जांच दल को सत्यापन के दौरान स्टॉक पंजी और वितरण पंजी उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके अलावा दुकानों में मूल्य सूची, शिकायत निवारण अधिकारी का नाम, टोल-फ्री नंबर तथा अन्य अनिवार्य सूचनाएं भी प्रदर्शित नहीं थीं। जांच अधिकारियों ने इसे शासन के नियमों और सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश का उल्लंघन माना है।

उठ रहे जवाबदेही के सवाल

करीब 677 क्विंटल खाद्यान्न की कमी सामने आने के बावजूद कार्रवाई की प्रगति सार्वजनिक नहीं होने से जवाबदेही पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े इतने बड़े मामले में दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई और खाद्यान्न की वसूली सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि गरीब हितग्राहियों के लिए निर्धारित राशन की सुरक्षा हो सके।

एफआईआर दर्ज करने की अनुशंसा

खाद्य निरीक्षक की रिपोर्ट में खाद्यान्न गबन की आशंका व्यक्त करते हुए मामले को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2015 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत दंडनीय बताया गया है। रिपोर्ट में जिम्मेदार पदाधिकारियों और संचालक संस्था के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की अनुशंसा भी की गई है। हालांकि जांच रिपोर्ट सामने आने के कई महीने बाद भी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज किया गया है या नहीं। वहीं गायब खाद्यान्न की रिकवरी और अन्य दंडात्मक कार्रवाई की स्थिति भी अस्पष्ट बनी हुई है।

कोटा-गुढ़ियारी रोड पर चाकू अड़ाकर लूटपाट

■ बाइक सवारों के साथ रात के अंधेरे में वारदात

रायपुर/नवप्रदेश। सरस्वती नगर थाना क्षेत्र में कोटा गुढ़ियारी रोड पर पैदल घूम रहे आधा दर्जन बदमाशों ने बाइक सवार दो युवकों को रोका और चाकू अड़ा दिया। फिर सड़क किनारे ले जाकर उनकी तलाशी ली और दोनों से 8-9 सौ नकदी लूटकर फरार हो गए। युवकों ने लुटेरों के बस्ती की ओर भागते ही 112 में फोन करके वारदात की सूचना दी। थोड़ी देर में पुलिस वाहन में दो कर्मी भी पहुंच गए और आसपास घूमकर देखने के बाद पीड़ितों को थाने में लिखित सूचना देने की बात कहकर लौट गए। पंडरी निवासी पीड़ित युवक उज्ज्वल मंडल ने बताया कि भिलाई में जरूरी काम होने के कारण उसने रिपोर्ट नहीं लिखाई है। लेकिन वह लुटेरों को पहचान लेगा। उनकी उम्र ज्यादा नहीं लग रही थी। आशंका है कि लुटेरे आसपास के ही होंगे। वे सड़क पर एक साथ पैदल घूम रहे थे। घटना सुयश अस्पताल और श्मशान घाट के बीच हुई है। उल्लेखनीय है कि इसी रोड पर वेस्ट जोन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का दफ्तर भी है।

बकाया राजस्व नहीं चुकाया, जिला पंजीयक ने कुर्क की दो संपत्तियां

■ भूमि एवं संपत्ति क्रय के दौरान तथ्य छिपाकर पंजीयन का आरोप

■ 15 दिन में राशि जमा नहीं करने पर होगी नीलामी

रायपुर/नवप्रदेश। बकाया राजस्व की वसूली के लिए जिला पंजीयक रायपुर ने दो संपत्तियों को कुर्क करने की कार्रवाई की है। भूमि एवं संपत्ति क्रय के दौरान तथ्य छिपाकर पंजीयन कराने तथा बार-बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद देय मुद्रांक एवं पंजीयन शुल्क जमा नहीं किए जाने के कारण यह कार्रवाई की गई। मिली जानकारी के अनुसार प्रथम प्रकरण में इंडस बेस्ट मेगा फूड पार्क प्रा.लि. नई दिल्ली के डायरेक्टर सत्यपाल सिन्धु तथा पुनीत बुरा निवासी रोहतक हरियाणा की तहसील अभनपुर स्थित

ग्राम जामगांव में 1.34 हेक्टेयर भूमि पर 7 लाख 85 हजार 330 रुपए बकाया है। वहीं दूसरे प्रकरण में अग्रोहा कॉलोनी रायपुरा निवासी रूपेश कुमार चौबे पर अग्रोहा कॉलोनी स्थित आवासीय भूमि एवं मकान पर 7 लाख 83 हजार 600 रुपए की बकाया राशि दर्ज है। बकाया राजस्व के चलते दोनों संपत्तियों को कुर्क किया गया है। साथ ही बकाया राशि की वसूली तक इन संपत्तियों के विक्रय, अंतरण, बंधक अथवा अन्य किसी प्रकार के हस्तांतरण पर रोक लगा दी गई है। जिला पंजीयक विनोद कोचे ने बताया कि संबंधित बकायादारों को 15 दिनों का अंतिम अवसर दिया गया है। निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं होने की स्थिति में नियमानुसार संपत्तियों की सार्वजनिक नीलामी की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही ऐसे मामलों में आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

जल विभाग को 84 करोड़ का घाटा, 87 हजार घरों का होगा सर्वे

■ अवैध नल कनेक्शनों को किया जाएगा नियमित, जल कर बढ़ाने की भी तैयारी

रायपुर/नवप्रदेश। नगर निगम के जल विभाग की आय और व्यय के बीच भारी अंतर सामने आया है। शहर में लाखों लोगों को जलापूर्ति किए जाने के बावजूद बड़ी संख्या में नल कनेक्शन निगम के कर रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हैं। इसी वजह से जल विभाग को हर वर्ष करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। अब निगम प्रशासन ने 87 हजार से अधिक घरों और नल कनेक्शनों का सर्वे कराने का फैसला लिया है। सर्वे के बाद अवैध या रिकॉर्ड से बाहर कनेक्शनों को नियमित कर उन्हें कर दायरे में लाया जाएगा।

आय 34 करोड़, खर्च 119 करोड़

वित्तीय वर्ष 2025-26 में जल कर से नगर निगम को केवल 34 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जबकि जलापूर्ति व्यवस्था के संचालन, रखरखाव और अन्य खर्चों पर लगभग 119 करोड़ रुपये व्यय किए जा रहे हैं। इस तरह जल विभाग को हर साल करीब 84 करोड़ रुपये का घाटा झेलना पड़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि शहर में करीब 3.30 लाख संपत्तियां हैं, लेकिन उनके मुकाबले नल कर खातों की संख्या काफी कम है। वहीं लगभग 87 हजार संपत्तियों और उनसे जुड़े नल कनेक्शनों का रिकॉर्ड निगम के पास उपलब्ध नहीं है। इससे निगम को हर वर्ष करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

नगर निगम के आंकड़ों के अनुसार शहर में कुल 2 लाख 21 हजार से अधिक नल कनेक्शन हैं, जिनमें 2.13 लाख आवासीय, 5,661 व्यावसायिक तथा 2,113 शासकीय एवं धार्मिक संस्थानों के कनेक्शन शामिल हैं। इसके विपरीत निगम के राजस्व रिकॉर्ड में केवल 1.34 लाख नल कर खाते ही दर्ज हैं। इससे बड़ी संख्या में उपभोक्ता जलापूर्ति का लाभ तो ले रहे हैं, लेकिन जल कर का भुगतान नहीं कर रहे हैं।

अवैध कनेक्शन होंगे वैध

नगर निगम अब व्यापक सर्वे अभियान चलाकर ऐसे सभी कनेक्शनों की पहचान करेगा जो रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हैं। सर्वे के बाद अवैध या अनियमित कनेक्शनों को नियमित किया जाएगा और संबंधित उपभोक्ताओं को कर दायरे में शामिल किया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि इससे निगम की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और जल विभाग का वित्तीय बोझ कम हो सकेगा।

जल कर बढ़ाने पर भी विचार

नगर निगम प्रशासन जल कर संग्रहण व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ-साथ कर दरों में संशोधन की तैयारी भी कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार सभी उपभोक्ताओं को कर दायरे में लाने के बाद जल कर की दरों में 10 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि करने पर विचार किया जा सकता है। हालांकि अंतिम निर्णय निगम की वित्तीय समीक्षा और प्रशासनिक स्वीकृति के बाद ही लिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com